THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

तूफान रेमल बंगाल तट से टकराया :

कोलकाता, 26 मई (एजेंसियां)। बंगाल की खाड़ी में बना चक्रवात रेमल अगले 6 घंटों में तूफान में बदल जाएगा। आईएमडी के वैज्ञानिक सोमनाथ दत्ता के मुताबिक पिछले 6 घंटों में रेमल 13 किमी/घंटा की रफ्तार से बंगाल की खाड़ी में उत्तर की ओर बढ़ रहा है। रविवार रात 12 बजे के बाद यह बांग्लादेश और पश्चिम बंगाल में सागर आइलैंड और बांग्लादेश के खेपुपाड़ा के बीच लैंडफॉल किया। इस दौरान करीब 135 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। तूफान के कारण मौसम में हुए बदलाव को देखते हुए कोलकाता का नेताजी सुभाष चंद्र बोस एयरपोर्ट रविवार दोपहर 12 बजे से सोमवार 9 बजे तक के लिए बंद कर दिया गया है। इसके चलते 394 फ्लाइट्स कैंसिल कर दी गई हैं।

वर्ष-29 अंक : 64 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **ज्येष्ठ कृ.4 2081 सोमवार, 27 मई-2024**

प्रधान संपादक – **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 12 मूल्य : 8 रुपये**

जम्मू कश्मीर में जल्द विधानसभा चुनाव होंगे : शाह

फिर राज्य का दर्जा देंगे, 5 साल के अंदर यूसीसी लागू होगा, एक साथ चुनाव भी करवाएंगे

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि जम्मू कश्मीर में 30 सितंबर से पहले विधानसभा चुनाव हो जाएंगे। फिर इसके बाद सरकार के वादे के मुताबिक केंद्र शाषित प्रदेश को राज्य को दर्जा दे दिया जाएगा।

शाह ने छत्तीसगढ़ में नक्सलियों की समस्या से लेकर यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) तक बात की। उन्होंने कहा कि अगले 5 साल में देश में यूसीसी लागू कर दिया जाएगा। देश में एक साथ सभी चुनाव भी करवाए जाएंगे। इसके साथ ही शाह ने कहा कि देश में अगले 2-3 साल में नक्सलियों की समस्या पूरी तरह से खत्म हो जाएगी।

जम्मू-कश्मीर को विधानसभा चुनाव के बाद राज्य का दर्जा मिल जाएगा :

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि जम्मू एवं कश्मीर में सफल मतदान से मोदी सरकार की कश्मीर नीति सही साबित हुई है। इस चुनाव में अलगाववादियों ने भी भारी मतदान किया है। इसके साथ ही उन्होंने आश्वासन दिया कि वहां 30 सितंबर से पहले विधानसभा चुनाव होंगे।

शाह ने कहा कि मैंने संसद में कहा है कि हम विधानसभा चुनावों के बाद राज्य का दर्जा बहाल करेंगे। चुनाव खत्म होने के बाद सरकार केंद्र शासित प्रदेश का राज्य का दर्जा बहाल करने की प्रक्रिया शुरू करेगी। शाह ने आगे कहा की जम्मू-कश्मीर में हमने परिसीमन की प्रक्रिया पूरी कर ली है, क्योंकि परिसीमन प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही आरक्षण दिया जा सकता है। हम सुप्रीम कोर्ट की समयसीमा से पहले विधानसभा चुनाव की प्रोसेस पूरी कर लेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने 11 दिसंबर, 2023 को निर्वाचन आयोग को 30 सितंबर, 2024 तक जम्मू-कश्मीर में चुनाव कराने का निर्देश दिया था।

अगले 2-3 साल में नक्सल समस्या खत्म हो जाएगी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि छत्तीसगढ़ के एक छोटे से क्षेत्र को छोड़कर पूरा देश अब नक्सल की समस्या से मुक्त हो गया है। छत्तीसगढ़ में 5 महीने पहले जब से भाजपा सरकार सत्ता में आई है, तभी से नक्सलियों से राज्य को मुक्त कराने का काम शुरू हो गया है। अगले 2-3 साल में यह समस्या देश से पूरी तरह से खत्म हो जाएगी। एक समय कुछ लोग पशुपतिनाथ से तिरुपति तक नक्सल कॉरिडोर के बारे में कहा करते थे। अब झारखंड पूरी तरह से नक्सलियों से मुक्त है। बिहार पूरी तरह से मुक्त है। ओडिशा, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश भी पूरी तरह से मुक्त हैं।

>10

मुझे रेप-हत्या की धमकियां मिल रही : मालीवाल

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने रविवार 26 मई को यूट्यूबर ध्रुव राठी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। आप सांसद ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि ध्रुव राठी ने मेरे खिलाफ वीडियो पोस्ट किया। इसके बाद मुझे रेप और हत्या की धमकियां मिल रही हैं। स्वाति मालीवाल ने कहा, जब से मेरी पार्टी आप के नेताओं और वॉलंटियर्स ने मेरे खिलाफ चरित्र हनन, भावनाएं भड़काने और मुझे शर्मसार करने का अभियान चलाया है, तब से मुझे रेप और जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं।

>10

दिल्ली के चाइल्ड हॉस्पिटल में आग

6 नवजात की मौत : 5 बच्चों का रेस्क्यू, आशंका- ऑक्सीजन सिलेंडर में ब्लास्ट के बाद आग लगी

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के विवेक विहार स्थित एक चाइल्ड हॉस्पिटल में शनिवार 25 मई देर रात आग लग गई। हादसे में 6 नवजात की मौत हो गई। 5 का रेस्क्यू किया गया है। दो मंजिला बिल्डिंग के फर्स्ट फ्लोर पर न्यू बॉर्न बेबी केयर सेंटर था। इसमें कुल 12 बच्चे भर्ती थे।

दिल्ली फायर सर्विस चीफ अतुल गर्ग ने ने बताया कि अभी आग लगने के कारणों का पता नहीं चला है। हालांकि, शुरूआती जांच में ऑक्सीजन सिलेंडर ब्लास्ट को आग लगने का कारण बताया जा रहा है। बेबी केयर सेंटर के नीचे ग्राउंड फ्लोर पर अवैध ऑक्सीजन सिलेंडर रीफिलिंग का काम चल रहा था।

दिल्ली पुलिस ने चाइल्ड हॉस्पिटल के मालिक नवीन किची के खिलाफ आईपीसी की धारा 336 (दूसरों की निजी सुरक्षा को खतरे में डालना), 304ए (लापरवाही से मौत) और 34 (आपराधिक गतिविधि) के तहत एफआईआर दर्ज की है। वह पश्चिम विहार का रहने वाला है। घटना के बाद से वह फरार है।

दम घुटने से बच्चों की मौत हुई :

दमकल अधिकारी ने बताया कि उन्हें रात 11:30 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। मौके पर दमकल की कुल 16 गाड़ियां पहुंचीं। तब तक आग की लपटें ऊपर के फ्लोर और पास की दो बिल्डिंग्स में भी फैल चुकी थी। बेबी केयर सेंटर में ऊपर जाने के लिए बाहर की तरफ से लोहे की एकमात्र घुमावदार सीढ़ी है। उसमें भी आग लग गई थी।

>10

कोविड के नए वैरिएंट को लेकर रैंडम सैंपल सर्वे का आदेश जारी, बताया जा रहा नहीं है खतरनाक

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)। कोविड के जिस नए स्वरूप के सिंगापुर समेत दुनिया के अलग-अलग मुल्कों में मामले सामने आए हैं, उसे लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चिंता जताई है। इसके आधार पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक महत्वपूर्ण बैठक में देश में मिले ऐसे मामलों के बाद कई महत्त्वपूर्ण दिशा निर्देश और आदेश जारी किए हैं। फिलहाल अब देश के अलग-अलग राज्यों में एक सप्ताह तक रेंडम सैंपल लेकर सर्वे किया जाएगा। हालांकि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से जुड़े अधिकारियों और विशेषज्ञों का कहना है कि कोविड का यह बदला स्वरूप, न तो खतरनाक है और ना ही चिंता की बात है। फिलहाल जून के दूसरे हफ्ते में रेंडम सैंपल सर्वे की रिपोर्ट के आधार पर आगे की रणनीति बनाई जाएगी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय में कोविड के बदले स्वरूप से प्रभावित हुए मरीज और राज्यों की पूरी जानकारी महत्वपूर्ण बैठक में रखी गई। जानकारी के मुताबिक, केपी.1 और केपी.2 के तकरीबन सवा तीन सौ मामलों की जानकारी सामने आई है। इसमें केपी.1 के 34 मामले देश के अलग-अलग राज्यों में पाए गए हैं।

विपक्ष पर पीएम का तंज

पहले देते थे संरक्षण, अब माफिया की मौत पर आंसू बहा रहे सपा के लोग

मऊ, 26 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मऊ के रतनपुरा में तीन लोकसभा क्षेत्र के प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। पीएम मोदी ने सभा की शुरूआत में ही विपक्ष पर हमला बोला और पूर्वांचल की दुर्दशा के लिए पूर्ववर्ती सरकारों को जिम्मेदार ठहराया। पीएम मोदी ने कहा कि पहले पूर्वांचल में माफिया पैदा होते थे, उनको सपा

और कांग्रेस के लोग संरक्षण देते थे। लेकिन अब पिछले 10 सालों से यही पूर्वांचल देश का प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री चुन रहा है। पीएम मोदी ने लोगों से अपील की कि आने वाले 1 जून को एनडीए और भाजपा प्रत्याशी को अपना वोट देकर देश का पीएम चुनने में सहयोग दें।

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि एक जून को मतदान से पहले ही पूर्वांचल अपना मन बना चुका है कि भाजपा को ही जिताना है, गरीब बेटे को ताकत देनी है। जो आपकी सेवा में दिन-रात एक कर लगा हुआ है। पीएम मोदी ने कहा कि सरकार पक्का घर बनाने के साथ पक्की गली बना रही है। लोगों का आशीर्वाद अब मोदी के साथ है।

पीएम मोदी ने कहा कि इंडी गठबंधन और सपा के लोग पूर्वांचल को पिछड़ा बनाए रखने की साजिश रच रहे हैं। सपा की सरकार में जमीन पर कब्जा किया गया, दंगाइयों को ताकत दी गई। वही लोग अब माफिया की मौत पर आंसू बहा रहे हैं।

"हिमाचल की सरकार चोरी नहीं कर पाएंगे"

राहुल गांधी बोले- आपदा में 9 हजार करोड़ नहीं दिए, पीएम कहते हैं मेरा भगवान से डायरेक्ट कनेक्शन

ऊना/नाहन, 26 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी रविवार को हिमाचल दौरे पर रहे। सबसे पहले उन्होंने सिरमौर के नाहन में शिमला लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार विनोद सुल्तानपुरी के समर्थन में रैली की। इसके बाद वह ऊना पहुंचे। यहां उन्होंने हमीरपुर लोकसभा उम्मीदवार सतपाल रायजादा के समर्थन में रैली की। राहुल गांधी ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने अंबानी-अडाणी जैसे 22 परिवारों का 16 लाख करोड़ का कर्ज माफ किया। हिमाचल को आपदा में हुई तबाही से उभारने के लिए 9 हजार करोड़ रुपये नहीं दिए। 22 हजार परिवार आपदा से प्रभावित हुए। हिमाचल के सेब का पैसा अडाणी को पकड़ा दिया। प्रधानमंत्री ने उनकी परवाह नहीं की। 22 परिवारों को अरबपति जरूर बनाया। 24 साल मनरेगा का पैसा प्रधानमंत्री ने 22 बड़े औद्योगिक घरानों को पकड़ा दिया।

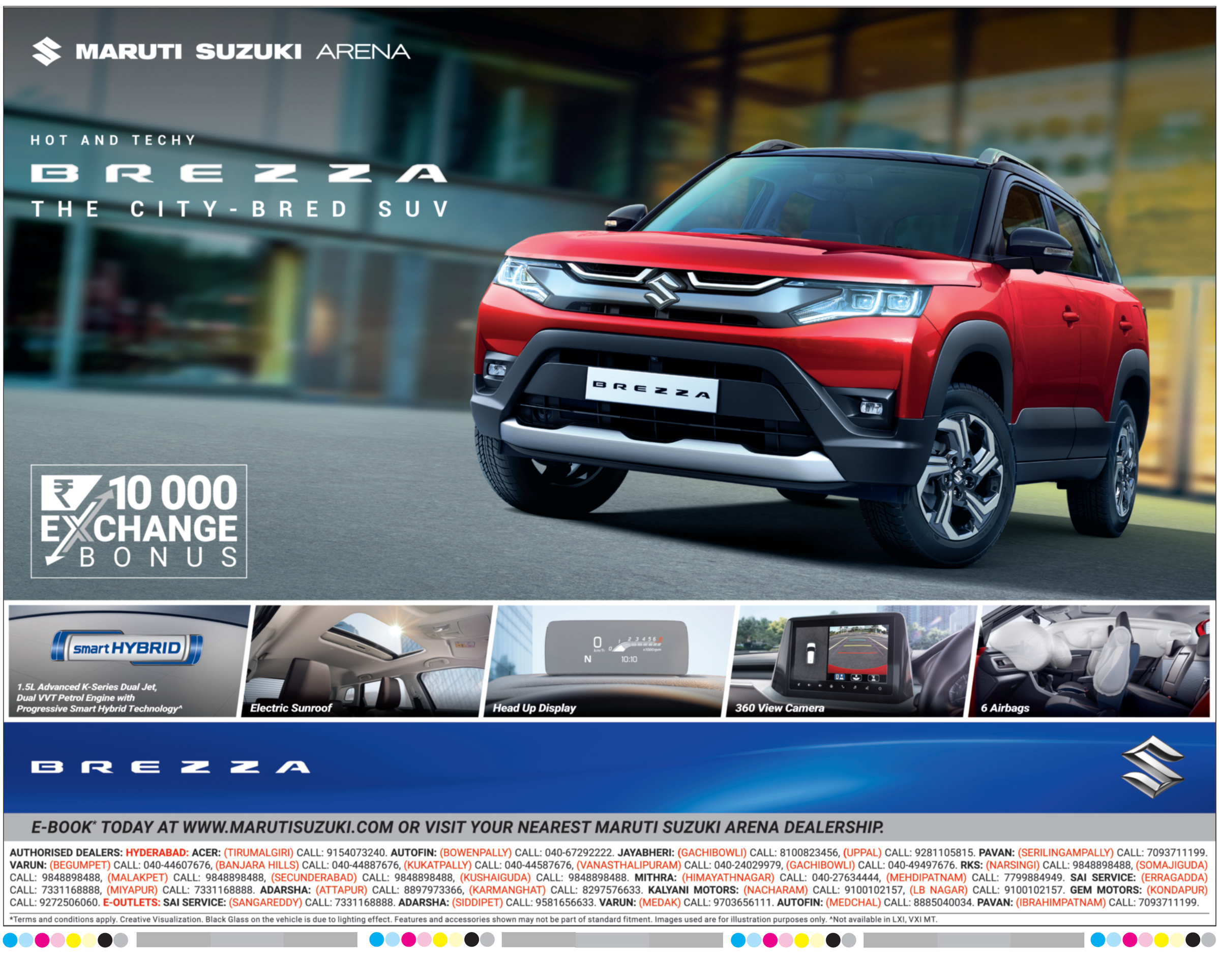

नासिक में सोना कारोबारी के घर मिला खजाना

नासिक, 26 मई (एजेंसियां)।

26 करोड़ कैश, 90 करोड़ की संपत्ति जब्त, 30 घंटे चली रेड

महाराष्ट्र के नासिक में आयकर विभाग की टीम ने एक सोना कारोबारी के कई ठिकानों पर छापेमारी की है। इन छापों में भारी मात्रा में कैश बरामद किया गया है। आयकर विभाग की टीम ने यहां से 26 करोड़ रुपये के कैश और 90 करोड़ की संपत्ति जब्त की है। करीब 30 घंटे तक आयकर विभाग की रेड चली। आयकर विभाग के अधिकारियों ने बंगले में फर्नीचर तोड़कर नोट निकाले। नासिक के इस सर्राफा कारोबारी के ठिकानों पर छापेमारी से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। आयकर विभाग की टीम ने नासिक के कनाडा कॉर्नर इलाके में स्थित सुराना ज्वेलर्स और उसके कई ठिकानों पर रेड की। दो दिनों तक चली इस रेड में इनकम टैक्स

के अधिकारियों को कई चीजें हाथ लगी। टैक्स चोरी के संदेह में आयकर विभाग के द्वारा यह कार्रवाई की गई। नासिक, नागपुर, जलगांव की टीमों के 50 अधिकारियों को एक साथ इस कार्रवाई में हिस्सा लिया। अचानक हुई छापेमारी से टैक्स चोरी करने वाले कारोबारी घबरा गए। दरअसल, पिछले कुछ दिनों से टैक्स चोरी करने वाले कारोबारी आयकर विभाग के रडार पर हैं। जिस स्थान पर छापेमारी चल रही थी वहां बड़ी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया था।

मनमाड में आईटी की छापेमारी

नासिक की तरह मनमाड शहर में भी आयकर विभाग ने छापेमारी की। आयकर विभाग ने मालेगांव में एक व्यवसायी के घर और कार्यालय पर रेड की। पिछले कुछ महीनों से आयकर विभाग की टीम राज्य में कई जगहों पर छापेमारी कर रही है। इन छापों में बड़ी मात्रा में बेहिसाब संपत्ति का खुलासा हो रहा है। नासिक में सर्राफा व्यापारियों के घर छापेमारी से हड़कंप मच गया है।

भुंतर में 401 ग्राम चरस के साथ एक गिरफ्तार

कुल्लू, 26 मई (एजेंसियां)। थाना भुंतर के अंतर्गत पुलिस ने नशा तस्करी के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। चरस तस्करी का मामला रात उस दौरान सामने आया जब पुलिस दल बड़ा भुइन फोरलेन सड़क मार्ग पर गश्त पर थे। पुलिस जब रैन शेल्टर के समीप पहुंची तो सामने से आ रहा व्यक्ति घबरा गया और भागने का प्रयास करने लगा। पुलिस ने संदेह के आधार पर उस व्यक्ति को दबोच लिया। तलाशी के दौरान उस व्यक्ति के कब्जे से 401 ग्राम चरस बरामद हुई। पुलिस ने चरस की खेप को कब्जे में लेकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक डॉ कार्तिकेयन नए बताया कि पुलिस ने आरोपी जगत राम (31) पुत्र ईश्वर दास निवासी कशामटी , भुट्टी जिला कुल्लू के विरुद्ध मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

जम्मू-कश्मीर में हुआ रिकॉर्ड मतदान

अमित शाह ने कहा अगला कदम विधान सभा चुनाव और राज्य का दर्जा

जम्मू, 26 मई (एजेंसियां)। कश्मीर में लोकसभा चुनाव की वोटिंग पूरी हो चुकी है। जम्मू-कश्मीर की पांचों लोकसभा सीट श्रीनगर, जम्मू, बारामूला, उधमपुर, अनंतनाग-राजौरी, में वोटिंग पूरी हो चुकी है। साथ ही श्रीनगर, अंनतनाग-राजौरी और बारामूला में मतदान ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए।

सालों बाद इन इलाकों में इतना मतदान हुआ।

श्रीनगर में (38.49%), बारामूला में (59.1%), अंनतनाग-राजौरी (53%) में वोटिंग हुई, जिसके बाद गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार की कश्मीर नीति जम्मू-कश्मीर में सफल मतदान से सही साबित हुई है, जहां अलगाववादियों ने भी "भारी" मतदान किया है। साथ ही उन्होंने कहा कि उन्होंने आश्वासन दिया है कि क्षेत्र में विधानसभा चुनाव 30 सितंबर से पहले होंगे।

विधान सभा चुनाव को लेकर क्या कहा

शाह ने कहा, एक बार विधान सभा चुनाव हो जाने के बाद, सरकार केंद्र शासित प्रदेश को राज्य का दर्जा बहाल करने का काम शुरू करेगी। उन्होंने आगे कहा, "मैंने संसद में कहा है कि हम विधानसभा चुनाव के बाद राज्य का दर्जा देंगे।" उन्होंने कहा कि सब कुछ योजना के मुताबिक चल रहा है।

चुनाव की तैयारियां तेज

अमित शाह ने तैयारियों की जानकारी देते हुए कहा कि हमने परिसीमन प्रक्रिया पूरी कर ली है। क्योंकि परिसीमन प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही आरक्षण दिया जा सकता है। क्योंकि हमें (आरक्षण देने के लिए) सभी जातियों की स्थिति के बारे में जानना होगा। शाह ने आगे कहा कि (जम्मू-कश्मीर में) लोकसभा चुनाव भी खत्म हो चुके हैं। आगे विधानसभा चुनाव भी होना है। हम सुप्रीम कोर्ट की समय सीमा से पहले प्रक्रिया पूरी कर लेंगे।"

सड़क किनारे दो झुग्गियों में जा घुसी बस, 4 मजदूरों की मौत

पणजी, 26 मई (एजेंसियां)। दक्षिण गोवा में एक बस सड़क किनारे दो झुग्गियों में जा घुसी। जिस वजह से 4 मजदूरों की मौत हो गई और 5 घायल हो गए। गोवा की पुलिस ने इस घटना की जानकारी दी है। पुलिस ने आगे घटना की जानकारी देते हुए बताया, ये घटना सुबह 11: 30 बजे हुई। जब सड़क निर्माण कार्य में लगे मजदूर झुग्गियों में सो रहे थे। पुलिस उपाधीक्षक का नाम संतोष देसाई बताया जा रहा है। ये पास के कार्टोलिम गांव का निवासी है, अब आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है। इस घटना के बाद आरोपी का मेडिकल टेस्ट कराया गया,जिससे पता चला कि वह बस चलाते समय नशे में था। साथ ही इस मामले और एक और हैरान करने वाली बात सामने आई है, बताया जा रहा है, जब ये घटना हुई तो बस ड्राइवर ने वहां मौजूद मजदूरों से मामला को गुप्त रखने को कहा। ड्राइवर ने मजूदरों को डराते हुए कहा, अगर इस घटना के बारे में किसी ने किसी से भी शिकायत की तो उसे जान से मार दिया जाएगा।

बीजेपी प्रत्याशी पर पुलिस का बड़ा एक्शन

पोलिंग बूथ पर ये हरकत पड़ी भारी काउंटिंग से पहले भेजा गया जेल

भुवनेश्वर, 26 मई (एजेंसियां)। प्रशांत जगदेव को गिरफ्तार कर लिया गया है। बोलगढ़-बेगुनिया विधानसभा क्षेत्र में राजसुनाखला के पास काउंरिया पटना में बूथ नंबर 114 में तोड़फोड़ के मामले में पुलिस ने प्रशांत जगदेव को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद उन्हें खुर्दा जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने पीठासीन अधिकारी की शिकायत के आधार पर उन्हें गिरफ्तार किया। प्रशांत जगदेव ने कल गुंडागर्दी की सारी हदें पार कर दीं। मतदान के दौरान पुलिस ने प्रशांत का पीछा किया और उन्हें उस समय पकड़ लिया जब वह ईवीएम तोड़कर भुवनेश्वर से सांसद पद की उम्मीदवार अपराजिता षडंगी की गाड़ी में सवार होकर भाग रहे थे। अचानक वे बूथ में घुस गए और मतदाताओं के साथ बदसलूकी की और पीठासीन अधिकारी तथा मतदान अधिकारी पर हमला कर दिया। गौरतलब है कि चिलका के विधायक प्रशांत जगदेव को बेगुनिया के बूथ नंबर 114 पर मारपीट, दंगा करने और ईवीएम में तोड़फोड़ करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

समाजवादी पार्टी के विधायक ने बीजेपी पर लगाया आरोप

कहा- एनईपी के नाम पर राज्यों में शिक्षा का हो रहा है भगवाकरण!

भिवंडी, 26 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के बीच समाजवादी पार्टी के विधायक ने बीजेपी पर हमला बोला है। भिवंडी पूर्व से समाजवादी पार्टी के विधायक रईस शेख ने आरोप लगाया है कि राज्य शिक्षा बोर्ड के पाठ्यक्रम में मानस के श्लोक और भगवद गीता को शामिल करना साफ तौर पर यह जाहिर करता है कि किस तरह बीजेपी हिंदू राष्ट्र के एजेंडे पर काम कर रही है।

सपा के विधायक ने यह भी आरोप लगाया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के नाम पर भाजपा शासित राज्यों में स्कूली शिक्षा का भगवाकरण किया जा रहा है। विधायक रईस शेख ने आगे कहा कि धर्म और शिक्षा अलग-अलग है। भारत का संविधान शिक्षा में धर्म को प्रवेश करने की अनुमति नहीं देता है। इसे स्पष्ट करते हुए विधायक शेख ने कहा कि 'एससीईआरटी' ने स्कूल के सिलेबस में भगवदगीता, मानस श्लोक और मनुस्मृति को शामिल कर भारतीय संविधान के दिशा-निर्देशों का स्पष्ट उल्लंघन किया है।

शशि थरूर बोल गए अंग्रेजी का ऐसा शब्द

खुद देने लगे सफाई; बोले- मेरी गलती नहीं

चेन्नई, 26 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद शशि थरूर अकसर अपने बयानों की वजह से चर्चा में रहते हैं। वहीं उनकी अंग्रेजी भी अकसर सुर्खियों में रहती है। कई बार वह ऐसे शब्दों का इस्तेमाल कर देते हैं कि लोग अर्थ ही ढूंढते रह जाते हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए एक बार फिर ऐसे शब्द का इस्तेमाल कर दिया कि उन्हें इसके लिए खुद सोशल मीडिया पर सफाई देनी पड़ी। उन्होंने कहा, यह मेरी गलती नहीं है। पत्रकारों ने ही पूछा था कि इस समय सबसे प्रासंगिक शब्द क्या है। शशि थरूर ने जिस शब्द का इस्तेमाल किया, वह है " (डीफनिस्ट्रेट)। इसका हिंदी में मतलब होता है किसी चीज को उठाकर खिड़की से बाहर फेंक देना या फिर किसी को उसके पद से उतार फेंकना। शशि थरूर ने पत्रकारों से बात करते हुए बीजेपी पर हमला किया और कहा कि इस बार मतदाताओं को बीजेपी को डीफनिस्ट्रेट कर देना है। इसके बाद थरूर ने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, ईमानदारी से कहता हूं, इसमें मेरी कोई गलती नहीं है। जलंधर में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक पत्रकार ने पूछा था कि आज के हालात में मेरा पसंदीदा बड़ा शब्द क्या है।

शशि थरूर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा था प्रधानमंत्री मोदी ने जो कुछ कहा था उसे साबित करने में सफल नहीं हुए हैं। देश ने उन्हें उठा फेंकने का फैसला कर लिया है। सबका साथ सबका विकास से प्रधानमंत्री हिंदू हृदय सम्राट हो गए। उन्होंने कहा, कोर हिंदू वोटर 20 फीसदी से ज्यादा नहीं है। 2014 के चुनाव में उन्हें सबका साथ, सबका विकास स्लोगन का फायदा मिला था। लेकिन मोदी सरकार जीएसटी और नोटबंदी के मोर्चे पर फेल रही। 2019 में राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे की तरफ डाइवर्ट किया गया लेकिन चीन की सीमा पर वह फेल हो गए। अब लोगों ने उन्हें बाहर करने का फैसला कर लिया है।

ट्रक से टकराई तेज रफ्तार कार ड्राइवर समेत एक ही परिवार के 6 लोगों की दर्दनाक मौत

बेंगलूरू, 26 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक में रविवार की सुबह हासन में दर्दनाक सड़क हादसा पेश आया। इस दुर्घटना में कुल छह लोगों की जान चली गई जिसमें एक बच्ची भी शामिल है। हादसे के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए पुलिस ने अस्पताल भेज दिया है। मिली जानकारी के मुताबिक, यह घटना तब हुई जब एक तेज रफ्तार कार नेशनल हाइवे 75 पर एक ट्रक से टकरा गई। सभी लोग उसी कार में यात्रा कर रहे थे। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मृतकों में दो महिलाएं, तीन पुरुष और एक बच्चा शामिल है। ड्राइवर के अलावा बाकी सभी लोग चिक्काबल्लापुरा के रहने वाले एक ही परिवार से थे। उन्होंने बताया कि सभी लोग मंगलुरु से लौट रहे थे। हादसे के बाद शवों के पोस्टमार्टम के लिए पुलिस ने उसे अस्पताल भेज दिया है।

आंगनवाड़ी भर्ती पर हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, सरकार की मनमानी पर दिखाई सख्ती

जबलपुर, 26 मई (एजेंसियां)। एमपी में जबलपुर हाईकोर्ट ने आंगनवाड़ी भर्ती पर बड़ा फैसला सुनाया है। आंगनवाड़ी में नियुक्यिों के मामले में सरकार की मनमानी पर कोर्ट ने सख्ती दिखाई है। आंगनबाड़ी की नियुक्ति से जुड़े एक मामले में राज्य सरकार द्वारा जवाब नहीं देने पर हाईकोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताई। एक महिला अभ्यर्थी ने याचिका दायर कर आंगनबाड़ी की नियुक्तियों में मनमानी का आरोप लगाया था। मामले में नोटिस के बाद भी सरकार ने जवाब नहीं दिया। इस पर जस्टिस विवेक अग्रवाल की बेंच ने सरकार पर जुर्माना लगा दिया। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि यह मामला 13 साल से लंबित है। जस्टिस विवेक अग्रवाल की बेंच ने सरकार के इस रुख पर आपत्ति जताते हुए कड़ी टिप्पणी की। इसी के साथ सरकार पर 50 हजार रुपए की कॉस्ट लगाई है। तीन दिन में यह राशि लीगल सेल अथॉरिटी में जमा करने के आदेश जारी कर दिए गए हैं। कोर्ट ने कड़े शब्दों में कहा, इतने वर्षों में भी जवाब पेशन न करना सरकार की उदासीनता को बताता है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। मामले में अगली पेशी में 30 मई को रखी गई है।

'तमिलनाडु के ठेकेदार चला रहे ओडिशा का शासन'

स्मृति ईरानी ने पटनायक पर साधा निशाना

चेन्नई, 26 मई (एजेंसियां)। ओडिशा में जारी सियासी घमासन के बीच भारतीय जनता पार्टी किए स्मृति ईरानी ने बीजू जनता दल (बीजेडी) पर जमकर निशाना साधा। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के करीबी वीके पांडियन पर भी हमला बोला। ओडिशा में एक रैली को सम्बोधित करते हुए स्मृति ईरानी ने कहा, 'ओडिशा में शासन

तमिलनाडु के ठेकेदारों द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य को रिमोट कंट्रोल से तमिलनाडु से चलाया जा रहा है। इसी वजह से वो यहां की प्राकृतिक आपदाओं से पूरी तरह से अनजान हैं। वीके पांडियन पर हमला बोलते हुए स्मृति ईरानी ने कहा, 'ठेकेदार बीजद सरकार को रिमोट से कंट्रोल करते हैं। तमिल ठेकेदारों ने नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा भेजे गए पैसे को लूट लिया गया है। जल जीवन मिशन कार्यक्रम के तहत पेयजल आपूर्ति के लिए भेजे गए धन को तमिल ठेकेदारों द्वारा लूट लिया गया है।' पुरी में श्रीजगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार (खजाना) की गुम चाबियों पर बढ़ते विवाद पर स्मृति ईरानी ने कहा कि राज्य में भाजपा की सरकार बनने पर दोषियों को दंडित किया जाएगा। इसके अलावा उन्होंने आरोप लगाया कि ओडिशा के मुख्यमंत्री को (नौकरशाहों के एक समूह द्वारा) 'बंदी' बनाया जा रहा है और वह स्वतंत्र रूप से बोलने में असमर्थ हैं।

जब दिल्ली एयरपोर्ट पर हुआ इमरजेंसी का ऐलान, हवा में कांपने लगा विमान का इंजन

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)। दिल्ली से उड़ान भरने वाली एक विमान को आपातकालीन स्थिति में दिल्ली एयरपोर्ट पर लैंड कराना पड़ा। दरअसल इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उड़ान भरते ही विमान में कुछ खराबी आ गई। जिसके बाद विमान की लैंडिंग करानी पड़ी। विमान के इंजन में खराबी आई थी। बताया जा रहा है कि स्पाइसेजट एयरक्राफ्ट ने रविवार की सुबह लेह के लिए उड़ान भरी थी लेकिन कुछ ही समय बाद यह विमान वापस दिल्ली एयरपोर्ट पर आ गया। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि इस विमान में करीब 135 यात्री सवार थे।

विमान को सफलतापूर्वक दिल्ली एयरपोर्ट पर लैंड करवाया गया है। एयरक्राफ्ट और दिल्ली एयरपोर्ट पर पूरी तरह इमरजेंसी लगा दी गई थी। विमान एसजी 123 ने सुबह करीब साढ़े दस बजे उड़ान भरी थी। लेकिन 11 बजे विमान को लैंड करवाना पड़ा। बताया जा रहा है कि विमान के इंजन में कंपन आ गई थी। बोइंग 737-7 एयरक्राफ्ट को उड़ान के कुछ ही देर बाद एयरपोर्ट पर उतारना पड़ा। कुछ मीडिया रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि विमान से एक पंक्षी भी टकराया था।

हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

पुलिस के लचर रवैये से 68514 मामलों का निपटारा नहीं, पंजाब-हरियाणा से रिपोर्ट तलब

चंडीगढ़, 26 मई (एजेंसियां)। हरियाणा व पंजाब में 68514 मामले ऐसे हैं, जहां कैंसिलेशन रिपोर्ट तैयार होने के बावजूद इसे अदालत में नहीं सौंपा गया है। ऐसे में इन मामलों के आरोपियों के अनावश्यक उत्पीड़न को देखते हुए हाईकोर्ट ने दोनों राज्यों को सभी मामलों में इलाका मजिस्ट्रेट के समक्ष कैंसिलेशन रिपोर्ट सौंपने का आदेश दिया है। याचिका दाखिल करते हुए गुरनाम सिंह ने धोखाधड़ी के मामले में 2013 में दर्ज एफआईआर रद्द करने की मांग की थी। हाईकोर्ट ने पाया कि इस मामले में कैंसिलेशन रिपोर्ट 2017 में तैयार कर ली गई थी, लेकिन इसे अदालत में पेश नहीं किया गया। हाईकोर्ट में पंजाब सरकार ने कहा कि एक सप्ताह में रिपोर्ट सौंप दी जाएगी।

क्या चाचा शरद पवार से सुलह करने के मूड में हैं अजित पवार

लोकसभा चुनाव रिजल्ट से पहले एनसीपी चीफ का बड़ा बयान

मुंबई, 26 मई (एजेंसियां)। जुलाई 2023 में उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने अलग रुख अपनाते हुए बीजेपी के साथ जाने का फैसला किया और सरकार का हिस्सा बने। उसके बाद से एनसीपी संस्थापक शरद पवार और अजित पवार एक दूसरे के खिलाफ खड़े हैं। इतना ही नहीं लोकसभा चुनाव में अजित पवार ने अपनी पत्नी सुनेत्रा पवार को बहन सुप्रिया सुले के खिलाफ बारामती से खड़ा किया। इसके बाद से पवार परिवार में खींचतान और बढ़ गई है। हालांकि, ये भी कहा गया कि पर्दे के पीछे असली लड़ाई चाचा-भतीजों के बीच है। इस बीच क्या भविष्य में अजित पवार और शरद पवार एक साथ नजर आएंगे?

इसे लेकर हर कोई उत्सुक भी है। अब इस पर अजित पवार ने सीधे तौर पर टिप्पणी की है। अजित पवार ने जवाब दिया है। डिप्ट सीएम अजित पवार ने कहा, "अगर हमने आज जो रुख अपनाया है, अगर दूसरों को लगता है कि यह सही है, तो उसके सहयोगियों को लगता है कि यह सही है। फिर समय आ गया है तय करेंगे कि भविष्य में कुछ होगा या नहीं।" शरद पवार ने भी कुछ दिन पहले कहा था कि "मैं अजित के स्वभाव को जानता हूं, वह कभी किसी के सामने हाथ नहीं फैलाते।" तो क्या विधानसभा से पहले या बाद में पवार चाचा और भतीजों के बीच सुलह हो जाएगी? ऐसा सवाल पूछा जा रहा है। इस बीच अजित पवार ने हमेशा शरद पवार की उम्र को लेकर टिप्पणी करते हैं। उन्होंने कहा कि जब पुत्र बड़ा हो जाता है तो पिता उसे सारा कामकाज सौंप देता है। अजित पवार ने एक मीटिंग में ये भी कहा था कि अब आप 84 साल के हो गए हैं, अब आपको सारा कामकाज मेरे हाथ में दे देना चाहिए।

चुनाव का विरोध करने पर हिज्ब-उत-तहरीर के छह सदस्य दबोचे, आरोपितों में एक मैकेनिकल इंजीनियर

चेन्नई, 26 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के विरोध में ऑनलाइन अभियान चलाने वाले हिज्ब उत तहरीर संगठन के छह सदस्यों को तमिलनाडु पुलिस की साइबर क्राइम टीम ने दबोचा है। ये सभी वीडियो जारी कर आम लोगों को उकसा रहे थे कि वे चुनाव में वोट न डालें। पकड़े गए लोगों में एक शख्स और उसके दो बच्चे भी शामिल हैं। सभी आरोपित इस्लाम धर्म का पालन करने वाले हैं और अपने 'फालोअर्स' को इस्लाम का पालन करने के लिए भी प्रेरित कर रहे थे। केंद्रीय जांच एजेंसियों को इस बारे में जानकारी दे दी गई है। लोकतंत्र को हराम करार देते हुए इन लोगों ने कहा कि जो भी इस प्रक्रिया का हिस्सा बनेगा वह भी हराम काम करेगा।

'सड़क किनारे के पेड़ तभी काटे जाएं जब लोगों की सुरक्षा को खतरा हो', हाई कोर्ट ने कहा वे हमारी ऑक्सीजन का जरिया

कोच्चि, 26 मई (एजेंसियां)। केरल हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि सड़कों के किनारे कोई भी पेड़ सिर्फ इसलिए नहीं काटा जाए कि वे व्यवसायिक गतिविधियों में बाधा डालते हैं। अदालत ने कहा कि पेड़ों को तभी काटा जा सकता है जब वे क्षतिग्रस्त स्थिति में हों और परिणामस्वरूप लोगों की सुरक्षा को खतरे में डालते हों। जस्टिस पीवी कुन्हीकृष्णन ने कहा कि इस संबंध में फैसला सरकारी जमीनों पर उगे पेड़ों को काटने एवं उनके निस्तारण के नियमन से संबंधित 2010 के सरकारी आदेश के मुताबिक गठित समिति द्वारा लिया जाना चाहिए। अदालत ने 22 मई के अपने आदेश में कहा, 'बिना ऐसे किसी फैसले के अधिकारियों द्वारा सड़क के किनारे के किसी भी पेड़ को काटा या हटाया नहीं जाएगा। केरल सरकार को यह देखना चाहिए कि बिना किसी उचित कारण के सड़क किनारे के पेड़ों को काटने और हटाने के किसी भी अनुरोध को अनुमति नहीं दी जाए। पेड़ ठंडी छाया, शुद्ध ऑक्सीजन और पक्षियों व पशुओं को आश्रय देते हैं।' अदालत ने यह फैसला उन याचिकाओं को खारिज करते हुए सुनाया जिसमें वन विभाग के फैसले को चुनौती दी गई थी। वन विभाग ने पलक्कड़-पोन्नानी रोड से सटी वाणिज्यिक संपत्ति के अवलोकन में बाधा डालने वाले पेड़ों को काटने का आवेदन खारिज कर दिया था, जबकि लोकनिर्माण विभाग ने इसकी अनुमति दे दी थी।

अस्पताल से निकाला बाहर तो महिला ने ऑटो रिक्शा में जन्मा बच्चा,नीमच के चिकित्सालय में लापरवाही की हद पार

भोपाल, 26 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के एक अस्पताल ने लापरवाही की सारी हदें पार कर दी हैं। अस्पताल प्रशासन ने एक गर्भवती महिला को बाहर का रास्ता दिखा दिया। दर्द से चिल्ला रही महिला ने ऑटो रिक्शे के अंदर अपने बच्चों को जन्म दिया। महिला और बच्चे की हालत नाजुक थी। ऐसे में जब डिलीवरी की बात अस्पताल को पता लगी तो मां और बच्चे को भर्ती किया गया। हालांकि बात जिला प्रशासन तक पहुंच गई और उन्होंने जांच के आदेश दिए हैं। ये मामला मध्य प्रदेश के नीमच का है। 30 वर्षीय रजनी के पति दिनेश सिलवत के अनुसार वो अपनी पत्नी के साथ नीमच के मल्कहेड़ा में रहता था। रजनी गर्भवती थी और बुधवार की दोपहर ढाई बजे रजनी के पेट में दर्द शुरू हुआ। दिनेश ऑटो रिक्शे की मदद से रजनी को लेकर नीमच के एक अस्पताल में पहुंचा। यहां अस्पताल ने रजनी को भर्ती करने से इनकार कर दिया। दिनेश के काफी मिन्नतें करने के बावजूद अस्पताल के स्टॉफ ने उसकी एक नहीं सुनी।

सरकार ने घोटाले के बाद लिया बड़ा एक्शन

अब जेईई-नीट की तर्ज़ पर होंगे नर्सिंग के भी एग्जाम

भोपाल, 26 मई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में नर्सिंग कॉलेज घोटाले के बाद राज्य की बीजेपी सरकार ने कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आज कई सीनियर अधिकारियों के साथ इस मुद्दे को लेकर मीटिंग की। मीटिंग में सीएम ने कई बड़े फैसले लिए हैं। सीएम ने इस मामले में शामिल सभी अधिकारियों की सेवा खत्म कर दी है। साथ ही यह फैसला भी लिया है कि इंजीनियरिंग-मेडिकल की तर्ज़ पर अब नर्सिंग स्टूडेंट्स का भी स्टेट लेवल पर एग्जाम ओयजित किया जाएगा।

मीटिंग में यह भी फैसला लिया गया है कि केंद्र के नए नर्सिंग एक्ट के तहत राज्य में आयोग गठित होगा और अब नए नर्सिंग कॉलेज की मान्यता भी राष्ट्रीय आयोग ही देगा। वहीं, नर्सिंग कॉलेज घोटाले में शामिल सभी अधिकारियों के सेवाएं खत्म की जाएंगी। साथ ही नर्सिंग कॉउंसिल के तत्कालीन रजिस्ट्रार और सचिव पर भी कारवाई होगी। सीएम डॉ। मोहन यादव ने फैसला बैठक के बाद लिया है। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश में नर्सिंग कॉलेज घोटाले मामले में इससे पहले दिल्ली सीबीआई की टीम ने जांच के बाद भोपाल में सीबीआई के दो अधिकारियों पर कार्रवाई की है उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की है इसके बाद दोनों सीबीआई के अधिकारियों को पद से बर्खास्त कर दिया गया है, इसके अलावा नर्सिंग कॉलेज की मान्यता से जुड़े हुए कुछ और लोगों पर भी एफआईआर दर्ज की है।

पुणे पोर्शे हादसे पर डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस की माता-पिता से खास अपील, 'आजादी के नाम पर मनमानी न चलने दें'

पुणे, 26 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने पुणे पोर्शे दुर्घटना के संदर्भ में कहा कि जुवेनाइल एक्ट के तहत अगर कोई नाबालिग भी गलती करता है तो सबसे पहली कार्रवाई उसके माता-पिता पर होती है, इसलिए माता-पिता को अपने बच्चों को स्टीयरिंग व्हील देने से पहले सोचना चाहिए। फडणवीस ने अभिभावकों से अपील की कि आजादी को मनमानी न बनने दें।

फडणवीस ने ये बातें पुणे दुर्घटना मामले में हुई कार्रवाई को लेकर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही। डिप्टी सीएम फडणवीस ने कहा कि "पुणे की घटना बहुत गंभीर है। हमें उस घटना का अंदाज़ा है जिस घटना में एक युवक और एक युवती की मौत हो गई। इस घटना को लेकर लोगों में नाराजगी है। आज मैंने पुलिस विभाग की बैठक की, इसमें अब तक क्या हुआ, अगली कार्रवाई क्या होगी और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए क्या सावधानियां बरतनी हैं, इस पर विस्तृत चर्चा हुई।"

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

अगर व्यक्ति शिक्षा से पहले संस्कार और भगवान से पहले माता-पिता को पहचान ले तो कभी कठिनाई नहीं होगी।

मतगणना के विशाल अभ्यास के लिए सही व्यवस्था सुनिश्चित करें : चुनाव आयोग

मतगणना के लिए सब कुछ तैयार : विकास राज

सीनियर डीईसी नै तैयारियों की समीक्षा

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। चुनाव आयोग ने राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे 4 जून को पूरे देश में निर्धारित लोक सभा के लिए मतगणना के विशाल अभ्यास के लिए सही व्यवस्था सुनिश्चित करें। अभ्यास से पहले केवल आठ दिन शेष हैं, सीनियर डीईसी, नितेश कुमार व्यास ने रविवार को राज्यों में कर्मियों और सामग्रियों के संदर्भ में तैयारियों की समीक्षा की। दिल्ली से एक वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उनके साथ बात करते हुए, श्री नितेश व्यास ने कहा, मतगणना चुनावों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और इसे हर तरह से फुलप्रूफ होना चाहिए। प्रक्रिया के दौरान किसी भी बिंदु पर कोई भी गलती गंभीर परिणाम और निहितार्थ लाएगी। इसलिए, व्यवस्था इस तरह से की जानी चाहिए कि कोई गलती न हो। उन्होंने उन्हें विभिन्न मतगणना केंद्रों पर मतगणना प्रक्रिया के दौरान "बहुत सावधान" रहने की सलाह दी। तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, झारखंड, ओडिशा, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और बिहार के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों ने अपने-अपने राज्यों में उठाए गए कदमों के बारे में बताया। श्री व्यास ने व्यवस्था करते समय क्या करें और क्या न करें, इस बारे में निर्देश दिए। तेलंगाना के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विकास राज ने उप चुनाव आयुक्त को बताया कि मतगणना के लिए सब कुछ तैयार रखा गया है।

मतगणना कार्य के लिए नियुक्त अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण का पहला दौर चल रहा है और मंगलवार को पूरा हो जाएगा तथा पर्यवेक्षकों के पहुंचने के बाद दूसरा दौर पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतगणना केंद्र को सुरक्षा के तीन घेरे प्रदान किए जा रहे हैं। तीसरा और सबसे बाहरी घेरा मतगणना केंद्रों के आसपास के क्षेत्र में यातायात की समस्याओं और पहचान सत्यापन पर विशेष रूप से ध्यान देगा। सबसे भीतरी घेरा सीएपीएफ द्वारा कवर किया जा रहा है। प्रत्येक मतगणना केंद्र को सीसीटीवी और निर्बाध बिजली आपूर्ति बनाए रखने के लिए बैक-अप जनरेटर और अग्निशमन इकाइयों से लैस करने के लिए कदम उठाए गए हैं। राज्य में 34 स्थानों पर मतों की गिनती की जाएगी, जिसमें हैदराबाद संसदीय क्षेत्र के लिए सात स्थानों पर और सिकंदराबाद संसदीय क्षेत्र के लिए छह स्थानों पर मतों की गिनती की जाएगी। ईवीएम के लिए 1,855 और डाक मतपत्रों के लिए 276 मतगणना टेबल होंगी। आरओ/एआरओ और संबंधित पर्यवेक्षकों की मंजूरी के बाद मतगणना केंद्र से प्रत्येक राउंड के लिए डेटा एंट्री की जाएगी। श्री व्यास ने बताया कि ईसीआई द्वारा राज्य में 47 पर्यवेक्षकों की प्रतिनियुक्ति की जा रही है। अतिरिक्त सीईओ डी.एस. लोकेश कुमार, संयुक्त सीईओ सरफराज अहमद और डिप्टी सीईओ सत्यवाणी, अब्दुल हामिद और हरि सिंह मौजूद थे।

मुख्यमंत्री रेवंत ने आदिवासी युवक की जान बचाने के लिए निम्स के डॉक्टरों की प्रशंसा की

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने निजाम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (निम्स) के डॉक्टरों की प्रशंसा की है, जिन्होंने एक आदिवासी युवक की छाती में लगे तीर को शल्य चिकित्सा द्वारा निकालकर उसकी जान बचाई। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के उसुर क्षेत्र के गुट्टी कोया जनजाति के सोदी नंदा (17) को एक सप्ताह पहले गलती से तीर लग गया था। तीर दिल और फेफड़ों के ठीक बीच में लगा था, इसलिए परिवार के सदस्य पीड़ित को भद्राचलम अस्पताल और फिर वारंगल एमजीएम ले गए। हालांकि, हालत बिगड़ने पर डॉक्टरों ने उसे हैदराबाद के निम्स ले जाने की सलाह दी। निम्स के कार्डियोथोरेसिक (सीटी) सर्जरी विभाग के प्रमुख डॉ. अमरेश्वर राव और डॉ. गोपाल ने प्रारंभिक निदान किया और बाद में लगभग चार घंटे तक चली मैराथन सर्जरी की, जिसके परिणामस्वरूप आदिवासी युवक के शरीर से तीर निकाला गया। डॉक्टरों ने बताया कि युवक फिलहाल स्वस्थ है और उसकी जान को कोई खतरा नहीं है। रविवार को 'एक्स' पर एक बयान में मुख्यमंत्री ने कहा कि निम्स ने एक बार फिर संस्थान में आम लोगों की आस्था को साबित किया है। रेवंत रेड्डी ने कहा, भविष्य में मैं चाहता हूं कि निम्स और अधिक व्यापक चिकित्सा सेवाएं प्रदान करे और गरीबों के मंदिर के रूप में जाना जाए।

वित्तीय विवाद को लेकर अपहृत महिला को बचाया

पांच संदिग्ध हिरासत में

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। वित्तीय विवादों को लेकर कुछ लोगों के एक समूह द्वारा जीडीमेटला के सुराराम से अपहरण की गई एक महिला को बचा लिया गया और रविवार को पांच लोगों को हिरासत में ले लिया गया।

पुलिस के मुताबिक, सुराराम थाना क्षेत्र के सुंदरनगर में मगंती लक्ष्मण और उसकी पत्नी रानी नामक दंपत्ति अपने बच्चों के साथ रहते थे। शनिवार को कुछ लोगों का एक समूह कुछ वित्तीय मुद्दों पर चर्चा करने के लिए लक्ष्मण से मिलने आया और चूंकि लक्ष्मण घर पर मौजूद नहीं थे, इसलिए वे उनकी पत्नी रानी को जबरदस्ती अपने साथ ले गए। महिला को उस्मानिया विश्वविद्यालय के पास मणिकेश्वरी नगर के एक घर में कैद कर दिया गया था। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर रविवार सुबह महिला को छुड़ा लिया।

लक्ष्मण ने कथित तौर पर जीएचएमसी में नौकरी दिलाने का आश्वासन देकर लोगों से पैसे लिए। हालाँकि, वह नौकरी की व्यवस्था करने में विफल रहा और जब लोगों ने उससे पैसे वापस मांगे, तो वह किसी न किसी मुद्दे पर पुनर्भुगतान को टालता रहा, सूराराम पुलिस ने कहा। पुलिस जांच कर रही है।

मतगणना हॉल में मोबाइल फोन की अनुमति नहीं : रोनाल्ड रॉस

पारदर्शी ढंग से संचालित की जाए मतगणना की प्रक्रिया

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला निर्वाचन अधिकारी रोनाल्ड रोज़ ने मतगणना कर्मचारियों को अपने कर्तव्यों को प्रभावी ढंग से निभाने की सलाह दी है ताकि लोकसभा चुनाव की मतगणना प्रक्रिया सुचारू और पारदर्शी तरीके से हो सके।लोकसभा चुनाव के बंजारा हिल्स के कोमाराम भीम आदिवासी भवन में माइक्रो ऑब्जर्वर, मतगणना पर्यवेक्षकों, मतगणना सहायकों और एआरओ के लिए मतगणना प्रक्रिया पर प्रशिक्षण कक्षाएं आयोजित की गईं। इस मौके पर जिला निर्वाचन अधिकारी, जीएचएमसी कमिश्नर रोनाल्ड रोज ने कहा कि मतगणना कर्मचारियों को वोटों की गिनती प्रभावी ढंग से करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि मतगणना के लिए जिले में कुल 16 मतगणना केंद्र बनाये गये हैं।

वोटों की गिनती खंडवार हो इसके लिए निगरानी होगी, मतगणना सुबह 8:00 बजे शुरू होगी और वोटों की गिनती तय समय पर शुरू होगी. उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग के नियमों का बिना किसी गलती की गुंजाइश के पालन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि मतगणना के दौरान ईवीएम में कोई तकनीकी समस्या आती है तो संबंधित विशेषज्ञ उपलब्ध रहेंगे और उसे ठीक करायेंगे। चुनाव आयोग के निर्देशानुसार सभी खंडों की मतगणना के लिए प्रत्येक हॉल में 14 टेबल लगाए जा रहे हैं और राउंडवार गिनती की जाएगी. उन्होंने बताया कि प्रत्येक टेबल पर एक माइक्रो ऑब्जर्वर, मतगणना पर्यवेक्षक और मतगणना सहायक होते हैं। उन्होंने कहा कि पारदर्शी तरीके से मतगणना की प्रक्रिया में माइक्रो ऑब्जर्वर की भूमिका काफी अहम है और माइक्रो ऑब्जर्वर को प्रत्येक राउंड की रिपोर्ट चुनाव पर्यवेक्षक को देनी होगी. मतगणना प्रक्रिया में किसी भी समस्या की सूचना एआरओ को दी जाए। यह स्पष्ट किया गया है कि मतगणना हॉल में मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति नहीं है। वह मतगणना प्रक्रिया से जुड़ी सभी बातों की पूरी जानकारी लेना चाहते हैं. उन्होंने उनसे नियमों का पालन करते हुए पूरी पारदर्शिता और प्रतिबद्धता के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करने का आग्रह किया। रोनाल्ड रोज़ द्वारा पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से मतगणना हॉल की व्यवस्था एवं मतगणना प्रक्रिया में अपनाई जाने वाली बातों को समझाया गया। इलेक्ट्रॉनिक मशीन काउंटिंग से जुड़ी शंकाएं दूर हो गई हैं। इस मौके पर हैदराबाद के जिला कलेक्टर और रिटर्निंग ऑफिसर अनुदीप दुरीशेट्टी ने वीवी पैट पर्चियों की गिनती और पोस्टल बैलेट की गिनती से जुड़ी प्रक्रिया के बारे में बताया। प्रत्येक मतगणना कर्मचारी को सावधानी पूर्वक अपना कर्तव्य निभाने को कहा गया है। कार्यक्रम में हैदराबाद जिले के अतिरिक्त कलेक्टर, सिकंदराबाद के रिटर्निंग अधिकारी हेमंत केशव पाटिल, सिकंदराबाद छावनी के संयुक्त सीईओ, अतिरिक्त आयुक्त (यूबीडी) जिला चुनाव प्रशिक्षण नोडल अधिकारी सुनंदा रानी, एआरओ, माइक्रो ऑब्जर्वर, गिनती पर्यवेक्षक, गिनती सहायक आदि ने भाग लिया।

गठबंधन सरकार किसानों को कानूनी गारंटी के साथ एमएसपी प्रदान करेगी : भट्टी

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा है कि इंडिया गठबंधन सरकार, केंद्र में सत्ता में आने के तुरंत बाद, किसानों की उपज को कानूनी गारंटी के साथ न्यूनतम समर्थन मूल्य प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में किसानों को उनकी मेहनत का उचित इनाम मिलेगा। रविवार को पंजाब राज्य के फरीदकोट लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत मोगा विधानसभा क्षेत्र में कई सभाओं को संबोधित करते हुए भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि देश में किसानों को धान, कपास और गन्ने की फसलों के लिए एमएसपी नहीं मिल रहा है और उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार ने कठिन परिस्थितियों का सामना करते हुए जमीन जोतने और फसल उगाने वाले किसानों की उपज को लूटने के लिए काले कानून लाए हैं। भारत गठबंधन सरकार देश में बेरोजगार युवाओं को अप्रेंटिसशिप का अधिकार देने वाला नया कानून लाएगी। डिप्लोमा और स्नातक पाठ्यक्रम करने वाले सभी लोगों को यह अधिकार दिया जाएगा। देश में सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की कंपनियों में लगभग 30 लाख नौकरियां खाली हैं। भारत गठबंधन सरकार इस साल 15 अगस्त तक इन रिक्तियों को भर देगी। उपमुख्यमंत्री ने आगे कहा कि बेरोजगारों को सरकारी कार्यालयों, सरकारी विश्वविद्यालयों, कॉलेजों, स्कूलों, अस्पतालों में नौकरी दी जाएगी और बेरोजगारों को एक साल के कार्यकाल के साथ पहली नौकरी की गारंटी दी जाएगी और उन्हें मुफ्त प्रशिक्षण मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस अप्रेंटिसशिप एक्ट के तहत करोड़ों बेरोजगार युवाओं के बैंक खातों में एक साल के लिए 8,500 रुपये प्रति माह की दर से एक लाख रुपये नकद जमा किए जाएंगे। भट्टी ने बताया कि वर्तमान रोजगार गारंटी योजना के तहत श्रमिकों को दी जाने वाली दैनिक मजदूरी 250 रुपये से बढ़ाकर 400 रुपये की जाएगी और आंगनवाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं को दी जाने वाली मजदूरी दोगुनी की जाएगी। भट्टी ने अपने चुनाव घोषणा पत्र में किए गए वादों के बारे में बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले 10 वर्षों में 25 उद्योगपतियों के 16 लाख करोड़ रुपये के कर्ज माफ किए हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यह राशि देश के गरीब श्रमिकों के लिए 24 वर्षों तक रोजगार गारंटी योजना को लागू करने के बराबर होगी। उन्होंने कहा, अगर भाजपा सरकार ने देश में 25 लोगों को अरबपति बनाया, तो कांग्रेस सरकार देश के करोड़ों लोगों को लखपति बना देगी। भाजपा सरकार यह नहीं बता रही है कि अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों में कितने एससी, एसटी हैं। सत्ता में आने के तुरंत बाद इंडिया अलायंस आरक्षण के अनुसार सख्ती से पद देगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं को उनकी जनसंख्या के अनुपात के आधार पर 50 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा।

बीआरएस ने कांग्रेस सरकार पर 1100 करोड़ रुपये के घोटाले का लगाया आरोप, जांच की मांग की

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के एक बीआरएस नेता केटी रामा राव ने राज्य सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि हम पिछले 15 दिनोंसे धान खरीद में घोटाले का आरोप लगा रहे हैं। कोई कार्रवाई नहीं हुई अब तक, न ही किसी ने इस पर कोई प्रतिक्रिया दी।

देश में लोकसभा चुनाव चल रहे हैं। अब तक छह चरणों के चुनाव हो चुके हैं। इसी बीच बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव तेलंगाना में धान की बिक्री और बढ़िया चावल की खरीद से संबंधित कांग्रेस सरकार से जुड़े 1,100 करोड़ रुपये से अधिक के घोटाले की मांग की। उन्होंने बताया कि कांग्रेस के नेता जो विभिन्न क्षेत्रों के लोगों से रिश्वत वसूल रहे थे, उन्होंने कार्यालय और दिल्ली के वरिष्ठ नेताओं से जुड़े घोटालों का पर्दाफाश किया।

रविवार को तेलंगाना भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस में रामा राव ने कहा कि पहला घोटाला 35 लाख टन धान की बिक्री के लिए निविदाओं से जुड़ा था, वहीं दूसरा आवासीय कल्याणा छात्रावासों के लिए 2.2 लाख टन बढ़िया चावल की खरीद का है। उन्होंने बताया कि 25 जनवरी को एक समिति नियुक्त हुई, इसी दिन दिशा-निर्देश जारी हुए, निविदाएं आमंत्रित हुईं। यह स्पष्ट रूप से भ्रष्टाचार की ओर इशारा करती है।

उन्होंने यह भी बताया कि स्थानीय चावल मिल मालिकों ने 2,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदने का विकल्प दिया था। लेकिन पात्रता नियमों में बदलाव किया गया और वैश्विक निविदाओं के नाम पर केंद्रीय भंडार एलजी इंडस्ट्रीज, हिंदुस्तान कंपनी और नकाफ जैसी कंपनियों ने 1885 रुपये से 2005 रुपये प्रति क्विंटल के बीच की कीमत पर ये निविदाएं जीतीं।

उन्होंने मांग उठाई कि अगर रेवंत रेड्डी ईमानदार हैं तो वे इन निविदाओं की एक मौजूदा न्यायाधीश द्वारा जांच करवाए। अगर केंद्र, एफसीआई और राज्य सरकार जवाब नहीं देगी तो कानूनी कार्रवाई करेंगे। बीआरएस नेता ने कहा कि 15 दिन पहले घोटाले का पर्दाफाश करने के बावजूद न तो मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और न ही नागरिक आपूर्ति मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने इस पर कोई भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने राज्य सरकार से मांग की है कि तुरंत टेंडर रद्द करें। साथ ही इसमें शामिल कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई करें। इसके साथ ही उन्होंने घोटाले की प्रवर्तन निदेशालय, केंद्रीय जांच ब्यूरो और सतर्कता विभाग जैसी केंद्रीय एजेंसियों से जांच कराने की मांग की।

सरकार ने तेलंगाना में गुटखा पर प्रतिबंध लगाया

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सरकार ने स्वास्थ्य के लिए हानिकारक गुटखा पर प्रतिबंध लगाने का एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इस सीमा तक, खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने गुटखा के निर्माण और बिक्री पर प्रतिबंध लगाने के आदेश जारी किए हैं। अपने आदेशों में, यह स्पष्ट किया गया है कि ये नियम इस वर्ष 24 मई से एक वर्ष के लिए लागू होंगे। गुटखा और पान मसाला पर प्रतिबंध तंबाकू और निकोटीन की उपस्थिति के कारण लगाया गया है, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि अगर गुटखा का निर्माण, भंडारण या बिक्री की गई तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

किशोर लेखिका की पुस्तक का हुआ विमोचन

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सेंट लुइस, यूएसए की एक किशोर लेखिका अंजना गोली ने श्री त्यागराय गण सभा में अपनी पुस्तक 'बेटर ट्रैजेक्टरीज' का विमोचन किया। पुस्तक का विमोचन त्यागराय गण सभा के अध्यक्ष कला जनार्दन मूर्ति ने किया। कैंसर अनुसंधान में लगी 11वीं कक्षा की छात्रा अंजना ने अपनी पुस्तक में समकालीन समय में दान धर्म (दान) की प्रासंगिकता और अनुप्रयोग पर बात की है। 'बेटर ट्रैजेक्टरीज' का उद्देश्य समाज सेवा में लगे ट्रस्टों के लिए एक मार्गदर्शक के रूप में काम करना है। समारोह में वरिष्ठ पत्रकार हस्यब्रह्मा शंकर नारायण, प्रसिद्ध विद्वान डॉ. यल्लप्रगदा मल्लिकार्जुन राव और लेखक रायराव विश्वेश्वर राव सहित कई प्रतिष्ठित अतिथि उपस्थित थे।

सुशील संचेती बने श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा सिकंदराबाद के अध्यक्ष

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा, सिकंदराबाद की वार्षिक साधारण सभा 26 मई को तेरापंथ भवन डी वी कॉलोनी सिकंदराबाद में संपन्न हुई। जिसमे चुनाव अधिकारी ललित बैद और महेंद्र दुगड़ ने सुशील संचेती को आगामी सत्र 2024-2026 के लिए अध्यक्ष मनोनित घोषित किया।

इससे पहले साधारण सभा में अध्यक्ष बाबुलाल बैद ने सभी का स्वागत करते हुए पिछले कार्यकाल में सहयोग देने हेतु सभी को धन्यवाद दिया। मंत्री सुशील संचेती ने विगत वर्ष में हुए कार्यों की जानकारी सदन में रखते हुए सहयोग हेतु सभी का आभार ज्ञापन किया। कोषाध्यक्ष मुकेश चोरडिया ने कार्यकाल के दौरान हुए आय व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया। अंत मे सहमंत्री राकेश सुराणा ने सभी आभार ज्ञापन किया।

कोत्तागुडेम में 2.58 करोड़ का गांजा जब्त

कोत्तागुडेम, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस अधीक्षक बी रोहित राजू ने कहा कि जिले की सीमाओं पर गांजा की तस्करी को रोकने के लिए कड़ी निगरानी रखी जा रही है। मादक पदार्थों की तस्करी के उन्मूलन के तहत जिला पुलिस तेलंगाना एंटी नारकोटिक्स ब्यूरो (टीएसएनएबी) के साथ समन्वय कर सूचना एकत्र कर रही है और गांजा के परिवहन को रोक रही है। एसपी ने रविवार को यहां एक बयान में कहा कि शनिवार को जिले के तीन पुलिस थानों की सीमा के अंतर्गत 1,035 किलोग्राम वजन और 2.58 करोड़ रुपये मूल्य का गांजा जब्त किया गया।

भद्राचलम में वाहनों की जांच के दौरान एसआई विजया लक्ष्मी और कर्मचारियों ने 427 किलोग्राम गांजा जब्त किया जिसे प्लाईवुड शीट में छिपाकर दो वाहनों में ले जाया जा रहा था। इसकी कीमत 1.06 करोड़ रुपये थी। आंध्र प्रदेश के मोथुगुडेम और सुकुमामिडी के सात लोगों को हैदराबाद के मूसापेट में गांजा ले जाते समय पकड़ा गया।

इसी तरह, अश्वरावपेट के एसआई श्रीनिवास और कर्मचारियों ने जंगारेड्डीगुडेम रोड पर साईबाबा मंदिर में वाहन निरीक्षण के दौरान एक पिकअप ट्रक में कटहल के बीच छिपाकर रखा गया 359 किलोग्राम गांजा जब्त किया। इसकी कीमत 89.83 लाख रुपये थी। रोहित राजू ने बताया कि इस घटना में आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीतारामराजू जिले के दारकोंडा के चार लोग पकड़े गए।

अश्वपुरम पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत एक अन्य घटना में, एसआई तिरुपति और कर्मचारियों ने अल्लूरी सीतारामराजू जिले के चिंतूर से तीन लोगों को पकड़ा, जब वे हैदराबाद के लिए एक निजी बस में गांजा ले जा रहे थे। आरोपियों ने बस के पीछे लगेज केबिन में अलमारियां बनाई और बस के अंदर सीटों के निचले हिस्से को काटकर 249 किलोग्राम गांजा छिपा रखा था। इसकी कीमत 62.0% लाख रुपये थी। एसपी ने बताया कि परिवहन में प्रयुक्त वाहन जब्त कर लिए गए हैं तथा आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

मंचेरियल में जीजा से झगड़े के बाद साले ने की आत्महत्या

मंचेरियल, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को लक्सेटिपेट मंडल के चंदाराम गांव में एक 31 वर्षीय व्यक्ति ने अपने बहनोई के साथ झगड़े के बाद अवसादग्रस्त होकर आत्महत्या कर ली।

लक्सेटिपेट के उप-निरीक्षक पी चंद्रकुमार ने कहा कि राठौड़ राजेंदर ने 25 मई को अपने जीजा देवेंदर द्वारा डांटने और पीटने से निराश होकर अपनी जान दे दी। उनके और देवेंदर के बीच एक नृत्य कार्यक्रम को लेकर बहस हो गई थी। वह उसी दिन शाम को मोरीगुडा में एक धार्मिक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए अपने ससुराल में थे। राजेंद्र के पिता नामदेव ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। मामला दर्ज किया गया। जांच चल रही है।

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 15)
न्यायालय वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश, स्थान नागौर
गुलाबचन्द बनाम सरला देवी
वाद बाबत बख्शीशनामा दिनांक 18.09.2014 को अवैध व शून्य घोषित करवाने बाबत आदेश 7 नियम 1 सीपीसी वाद संख्या 42/19

बनाम

1. सरला देवी पत्नी काशीराम माली, जाति माली निवासी मारवाड़ मुण्डवा तहसील मुण्डवा जिला नागौर राज. हाल निवासी मारूति पैलेस, मकान नं. 19-3-966 शमशेरगंज, हैदराबाद, तेलंगाना 500053.
2. विनोद पुत्र श्री काशीराम माली, जाति माली निवासी मारवाड़ मुण्डवा, तहसील मुण्डवा जिला नागौर राज. हाल निवासी मारूति पैलेस, मकान नं. 19-3-966 शमशेरगंज, हैदराबाद, तेलंगाना 500053.
3. श्रीमती तारा देवी भाटी पुत्री श्री काशीराम माली पत्नी श्री जगदीश भाटी, जाति माली, निवासी मारवाड़ मुण्डवा, तहसील मुण्डवा जिला नागौर राज. हाल निवासी मै बालाजी जगदीश (सविरा हाउस) किराणा मर्चेन्ट, विशाल बाजार, बस स्टैण्ड बोलाराम, हैदराबाद तेलंगाना।
4. श्रीमती राखी भाटी पुत्री काशीराम माली पत्नी सुरेश भाटी, जाति माली, निवासी मारवाड़ मुण्डवा, तहसील मुण्डवा जिला नागौर राज. हाल निवासी मारूति पैलेस, मकान नं.19-3-966 शमशेरगंज, हैदराबाद, तेलंगाना 500053.
5. श्रीमती बाऊ पत्नी देवीलाल माली जाति माली निवासी मारवाड़ मुण्डवा, तहसील मुण्डवा जिला नागौर हाल निवासी महावीर रेजीडेन्स, मकान नं. 5-5-57 / 15/ई/ आर डेकन कॉलेज के सामने की गली, गौशामहल, हैदराबाद, तेलंगाना
6. भगवानदास पुत्र देवीलाल जाति माली निवासी मारवाड़ मुण्डवा, तहसील मुण्डवा जिला नागौर हाल निवासी महावीर रेजीडेन्स, मकान नं. 5-5-57/15/ई/आर डेकन कॉलेज के सामने की गली, गौशामहल, हैदराबाद, तेलंगाना।
7. पवन पुत्र श्री देवीलाल माली, जाति माली, निवासी मारवाड़ मुण्डवा, तहसील मुण्डवा जिला नागौर हाल निवासी महावीर रेजीडेन्स, मकान 5-5-57/15/ई/आर डेकन कॉलेज के सामने की गली, गौशामहल, हैदराबाद, तेलंगाना।
8. बसु भाटी पुत्री देवीलाल माली, निवासी मारवाड़ मुण्डवा, तहसील मुण्डवा जिला नागौर निवासी मै. जगदीश प्रसाद, दिनेश कुमार भवानी मार्केट, बेगम बाजार, हैदराबाद, (तेलंगाना) 500012.
9. चुका देवी पत्नी चांदमल सांखला, जाति माली, निवासी मारवाड़ मुण्डवा, तहसील मुण्डवा जिला नागौर हाल निवासी 19-3-161-62, शमशेरगंज, हैदराबाद, तेलंगाना 500053.
10. राजेश सांखला पुत्र श्री चांदमल सांखला, जाति माली, निवासी मारवाड़ मुण्डवा, तहसील मुण्डवा जिला नागौर हाल निवासी 19-3-161-62, शमशेरगंज, हैदराबाद, तेलंगाना 500053

ने आपके विरूद्ध बख्शीशनामा निरस्त के लिए वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 26 माह जुलाई सन् 2024 को दिन में 10.00 अच बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाज़िर होने के लिए वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिए गए हो और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या। जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस । दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करे जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल / सुजराई का दावा या सुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन मे साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसे दस्तावेज को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जाएगा। यह वाद ता.15 माह 5 सन् 2024 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्र लगाकर दिया गया है। रीडर ग्रेड II

वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं
मोहर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नागौर

'आप भैंस और मंगलसूत्र के रास्ते मुजरा तक आ गए

सामाजिक संरचना पर चोट मत कीजिए' तेजस्वी यादव का पीएम को पत्र

पटना, 26 मई (एजेंसियां)। बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने पीएम नरेंद्र मोदी को लंबा चौड़ा एक पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने संविधान और आरक्षण समेत कई मुद्दों को उठाया है। ये पत्र उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने लिखा है कि आप 'भैंस', 'मंगलसूत्र' के रास्ते होते हुए 'मुजरा' तक की शब्दावली पर आ गए। अब आपसे अपेक्षा नहीं है कि आप अपने पद की गरिमा का ख्याल रखेंगे विमर्श को ऊंचा रखेंगे।

'बिहार में की झूठी, आधारहीन और तथ्यहीन बातें'

तेजस्वी ने पत्र में आगे लिखा है कि आप लोकतांत्रिक लड़ाई लड़ने के बजाय एक संघर्षरत 34 वर्षीय युवा को जेल भेजने की धमकी दे रहे हैं। क्या आप ऐसी धमकियाँ देकर संविधान का उल्लंघन नहीं कर रहे हैं? चुनाव आते-जाते रहेंगे लेकिन संविधान, देश की सामाजिक संरचना और उसके ढाँचे पर अब और हमला मत कीजिए। तेजस्वी यादव ने कहा कि आप बिहार आए और यहां आकर आप ने बहुत ही झूठी, आधारहीन और तथ्यहीन बातें कीं। आपसे अब उंचे विमर्श की अपेक्षा नहीं है। उन्होंने ये भी लिखा कि एक विशाल हृदय वाले देश के प्रधानमत्री की भाषा ऐसी होनी चाहिए, आप खुद ही सोचिए। आगे लिखा कि आपके चुनावी भाषणों का गिरता पैमाना ही आपकी राजनैतिक सोच का सही प्रतिबिम्ब है।

तेजस्वी यादव ने पीएम को दलित विरोधी बताया

आरजेडी नेता ने पत्र में ये भी लिखा कि जब हम बिहार में सरकार में आए तो हमने सरकार में आते ही राज्य के खर्चे पर जातिगत सर्वेक्षण कराया। आगे लिखा कि प्रधानमंत्री जी, हमने उस सर्वेक्षण के आलोक में आरक्षण का दायरा 75% तक बढ़ाया और आपसे बार-बार गुजारिश करते रहे और हाथ जोड़कर मांग करते रहे कि इसको संविधान की नौंवी अनुसूची में डालिए, लेकिन प्रधानमंत्री जी, मूलतः आप पिछड़ा और दलित विरोधी मानसिकता के हैं। कौन भूल सकता है कि 1990 में जब मंडल कमीशन लागू हुआ था, तब मंडल कमीशन के विरोध में आप आडवाणी जी के साथ आरक्षण विरोधी रथ के सारथी थे। बहुजन दलित समुदाय कैसे भूल जाएं?।

वाराणसी में फिर पकड़ाया सोना

दो किलो सोने के साथ दो तस्कर अरेस्ट डीआरआई ने की कार्रवाई; 1.63 करोड़ है कीमत

वाराणसी, 26 मई (एजेंसियां)। डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) की वाराणसी यूनिट ने बनारस रेलवे स्टेशन से दो तस्करों को 2.386 ग्राम विदेशी सोने के साथ गिरफ्तार किया है। बरामद सोने की कीमत एक करोड़ 63 लाख 81 हजार 91 रुपये है। डीआरआई की वाराणसी इकाई को खुफिया जानकारी मिली थी कि न्यू दिल्ली सुपरफास्ट एक्सप्रेस के कोच बी-5 की सीट 45 और 46 पर सवार दो तस्कर बनारस रेलवे स्टेशन से सोने की खेप दिल्ली ले जाएंगे। रात ट्रेन बनारस रेलवे स्टेशन से दिल्ली के लिए प्रस्थान करने वाली थी। उससे पहले डीआरआई की टीम ने घेराबंदी कर दोनों तस्करों को सीट से पकड़ लिया। दोनों की तलाशी ली गई तो उनकी कमर में बंधे कपड़े के अंदर से सोने की पट्टियां और जेवर बरामद हुए। पूछताछ में बताया कि बरामद सोना बांग्लादेश से तस्करी कर पश्चिम बंगाल के रास्ते वाराणसी तक लाया गया है।

चंदू ने दिल्ली ले जाने के लिए दिया था सोना

तापस और आशीष ने डीआरआई की पूछताछ में बताया कि वो दिल्ली निवासी आभूषण व्यापारी प्रशांत हनरा के लिए वाराणसी से सोना ले जा रहे थे। वाराणसी में उन्हें सोना व्यापारी चंदू ने दिया था। चंदू की हनी ज्वेलरी नाम से वाराणसी में आभूषण की दुकान है और उसका मालिक प्रशांत हनरा है। दोनों ने कहा कि वह पैसे के लालच में सोने की खेप दिल्ली पहुंचाने के लिए तैयार हुए थे। अगर वह सोना सकुशल पहुंचा देते तो उन्हें आने-जाने के खर्च के अलावा लगभग एक लाख की बचत हो जाती।

ट्रेन के आगे कूदकर युवक ने दी जान, सुसाइड से पहले बता गया पत्नी का कांड

बरेली, 26 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली में दिल दहलाने वाली खबर सामने आई है। यहां पत्नी की बेवफाई से आहत होकर एक युवक ने ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। मरने से पहले युवक ने 17 सेकेंड का वीडियो बनाया। इस वीडियो में पत्नी और उसके प्रेमी पर आत्महत्या के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया है। ट्रैक पर शव को देखने के बाद लोगों ने रेलवे पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं लोगों का कहना है कि युवक को ट्रेन की आगे कूदते हुए देखा गया था। उसके हाथ में मोबाइल था। वहीं पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक का नाम पिंटू है। पूरा मामला बरेली के बहेड़ी थाना क्षेत्र के गांव बौण्डा का है। यहां के रहने वाले पिंटू सिंह ने चलती ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी।

'कौन सी फिल्में देख देख कर ये डायलॉग लिखे जा रहे ?'

पीएम मोदी के 'मुजरा' वाले बयान पर भड़के राजद नेता मनोज झा

पटना, 26 मई (एजेंसियां)। राजद ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'मुजरा' टिप्पणी पर उनकी आलोचना की है। राजद नेता मनोज झा ने कहा कि मैं पहले प्रधानमंत्री से असहमत होता था अब मुझे प्रधानमंत्री की चिंता हो रही है। कौन सी फिल्में देख देख कर ये डायलॉग लिखे जा रहे मनोज झा ने कहा कि वे मेरे देश के प्रधानमंत्री हैं, दुनिया में क्या सोचा जा रहा होगा कि मेरे देश के प्रधानमंत्री की राजनीतिक जुबान कैसी है। कौन सी फिल्में देख देख कर ये डायलॉग लिखे जा रहे हैं?। अगर कोई ये कहने लगे कि मैं दैव्य रास्ते से आया हूं, मेरा जन्म बायोलॉजिकल तरीके से नहीं हुआ है, अगर हम और आप ये बात कहें तो लोग कहेंगे कि इसे डॉक्टर के पास ले चलो। इधर, पीएम मोदी के बयान पर पाटलिपुत्र लोकसभा क्षेत्र से राजद उम्मीदवार मीसा भारती ने कहा कि गांव में महिलाएं कह रही हैं कि बहुत ज्यादा बिजली बिल आ रहा है, इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी तो हम लोग 200 यूनिट बिजली फ्री देने जा रहे हैं। पीएम मोदी को कुछ भी भाषण देने दीजिए, आज भी बिहार में लालटेन युग ही है। मुस्लिम वोट बैंक के लिए 'मुजरा' कर रहा इंडिया गठबंधनः मोदी बता दें कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को बिहार के पाटलिपुत्र में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा था कि मोदी के लिए संविधान सर्वोपरि है। मोदी के लिए बाबा साहब अंबेडकर की भावना सर्वोपरि है। इंडी गठबंधन को अपने वोटबैंक की गुलामी करनी है तो करें। उनको वहां जाकर मुजरा करना है तो भी करें। मैं एससी, एसटी ओबीसी के आरक्षण के साथ डटकर खड़ा हूं, खड़ा रहूंगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि एलईडी के बल्ब का जमाना चल रहा है और बिहार एक लालटेन लेकर घूम रहे हैं। ये ऐसा लालटेन है जो सिर्फ एक ही घर में रौशनी कर रहा है। बिहार में इस लालटेन ने अंधेरा ही अंधेरा फैलाया है।

टॉफी दिलाने के बहाने बुलाया, 6 साल की मासूम से किया गैंगरेप; दिल दहला देगी दरिंदगी

कन्नौज, 26 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले में एक 6 साल की मासूम बच्ची के साथ गैंगरेप की घटना सामने आई है। दादी के साथ खेत में गई बच्ची को उसका नाबालिग चचेरा भाई बहला-फुसलाकर टॉफी देने के बहाने खेत में लेकर गया और वहां उसके साथ उसने गैंगरेप की वारदात को अंजाम दिया। इस शर्मसार करने वाली घटना के कारण बच्ची को काफी चोट आई है। शुरुआती इलाज के लिए बच्ची को पास के अस्पताल में ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसकी हालत को नाजुक बताकर उसे बेहतर इलाज के लिए कानपुर में रेफर कर दिया। इस हैवानियत के कारण बच्ची दर्द से कराह रही थी। घटना की जानकारी होने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर लिया गया है। आरोपी की तलाश की जा रही है।

चुनाव आयोग ने सारण एसपी गौरव मंगला को हटाया कुमार आशीष नए एसपी बनाए गए

छपरा, 26 मई (एजेंसियां)। छपरा में 20 मई को मतदान के अगले दिन हुई हिंसा मामले में सारण के एसपी डॉ गौरव मंगला पर गाज गिरी है। उन्हें कप्तान के पद से हटाकर मुजफ्फरपुर रेल एसपी डॉ। कुमार आशीष को सारण कप्तान का प्रभार दिया गया है। डॉ कुमार आशीष 2012 बैच के आईपीएस हैं। रविवार को गृह विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया। वहीं, एसपी गौरव मंगला को पुलिस मुख्यालय में रिपोर्ट करने को कहा गया है। वेअभी पदस्थापन की प्रत्याशा में पुलिस मुख्यालय में रहेंगे। मालूम हो कि सारण में चुनाव के दौरान हिंसक घटना के बाद आयोग ने ये कदम उठाया है। भारत निर्वाचन आयोग के फैसले पर ये कार्रवाई हुई है। आपको बता दें कल ही इस मामले में कमिश्नर और डीजीआई ने जांच रिपोर्ट चुनाव आयोग को सौंपी गई थी। जिसके बाद से वरीय अधिकारियों से लेकर कई अफसरों पर गाज गिरने की चर्चा तेज हो गई थी। छठे चरण के मतदान के बाद आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में बिहार के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी एचआर श्रीनिवास बताया कि अभी जांच रिपोर्ट का अध्ययन किया जा रहा है। जांच में घटना के दिन से लेकर इस मामले में की गई कार्रवाई तक का उल्लेख किया गया है।

इस दौरान किससे क्या चूक हुई इस पर भी फोकस किया गया है। रिपोर्ट में प्रशासन व अन्य लोगों के द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी के मामले में भी कई तथ्यों का उल्लेख है। आपको बता दें छपरा में 20 मई को मतदान के बाद अगले दिन सुबह हिंसक झड़प में एक आरजेडी समर्थक की गोली लगने से मौत हो गई थी।

ढाबे पर खड़ी बस पर ट्रक पलटने से 11 लोगों की दर्दनाक मौत

10 घायल; पूर्णागिरी दर्शन के लिए जा रहे थे श्रद्धालु

शाहजहांपुर, 26 मई (एजेंसियां)। जिले में रात एक दर्दनाक हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि यहां पर एक बस के ऊपर ट्रक पलट जाने से कुल 11 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 10 लोग घायल बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। मौके पर डीएम, एसपी और अन्य अधिकारियों की टीम पहुंच गई है। एसपी अशोक कुमार मीणा ने बताया कि ढाबे पर लोगों के खाना खाने के लिए बस रुकी हुई थी।

इसी दौरान अनियंत्रित ट्रक बस के ऊपर पलट गया, जिससे ये हादसा हुआ है। हादसे के बाद शाहजहांपुर के एसपी अशोक कुमार मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि 'रात में करीब 11 बजे सूचना मिली कि खुटार थाना क्षेत्र के तहत गोला की तरफ जो रोड जा रहा है वहीं पर ढाबे के पास एक बस खड़ी हुई थी। बस में सवार यात्री पूर्णागिरी दर्शन के लिए जा रहे थे।

यात्रियों के खाना खाने के लिए बस ढाबे पर रुकी हुई थी। कुछ लोग ढाबे पर खाना खा रहे थे जबकि कुछ लोग बस में ही बैठे हुए थे। इसी दौरान एक ट्रक अनियंत्रित होकर इसके ऊपर पलट गई।' उन्होंने आगे बताया कि 'घटना की सूचना मिली तो डीएम साहब, हम और सभी अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। अभी तक जो भी घायल हैं, उन्हें अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। घायलों के इलाज के लिए सीएमओ और अन्य अधिकारी काम कर रहे हैं। ये सभी लोग सीतापुर जिले के कमलापुर थाना क्षेत्र के बड़ाजेठा गांव के रहने वाले हैं। घटना की असली वजह क्या है इसकी जानकारी की जा रही है।' बता दें कि घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों में चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोग भी घटनास्थल पर पहुंच गए। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

अखिलेश यादव और राहुल गांधी पर रवि किशन ने जमकर हमला बोला

गोरखपुर, 26 मई (एजेंसियां)। गोरखपुर में बीजेपी प्रत्याशी और सांसद रवि किशन ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी पर जमकर हमला बोला। रवि किशन ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस की नीतियों ने प्रदेश और देश को पीछे धकेल दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इन पार्टियों ने केवल अपने परिवार और अपने फायदे के लिए काम किया है, जनता के लिए नहीं। रवि किशन ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी राजनीति केवल तुष्टिकरण और जातिवाद पर आधारित है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ने हमेशा से विकास को रोकने का काम किया है और जनता को गुमराह करने की कोशिश की है।

बिजनेसमैन को पुलिस ने उठाया 1 घंटे में मौत

पत्नी बोली-72 साल उम्र थी, झांसी पुलिस ने धक्के मारे, घसीटते हुए ले गई

झांसी, 26 मई (एजेंसियां)। झांसी में गेस्ट हाउस का बंद ताला खुलवाने के लिए पुलिस 72 साल के बुजुर्ग बिजनेसमैन को उनके घर से उठाकर ले गई। गेस्ट हाउस पहुंचने पर उनकी हालत अचानक बिगड़ गई। उल्टी होने के बाद वह बेसुध हो गए। यह देख पुलिस के हाथ-पैर फूल गए और परिजनों को बुला लिया। उनको मोंठ सीएचसी ले गए। वहां से मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। यहां डॉक्टरों ने उनको मृत घोषित कर दिया। उनकी मौत से परिजन गुस्सा गए और मौत का जिम्मेदार पुलिस को ठहराते हुए हंगामा कर दिया। परिजन शव का पोस्टमॉर्टम नहीं कराना चाहते थे। 3 घंटे चले हंगामे के बाद परिजन मान गए। पूरा मामला समथर कस्बे का है। मृतक का नाम ओम प्रकाश अग्रवाल (72) था। वह समथर कस्बे के चोपड़ा बाजार में रहते थे। वह कस्बे के प्रतिष्ठित बिजनेसमैन थे। उनकी कई किराना की दुकानें और गल्ला मंडी के पास रामराजा के नाम से गेस्ट हाउस है। मृतक के बेटे संतोष अग्रवाल ने बताया- एक समाज के लोगों ने शनिवार को सामूहिक विवाह समारोह के लिए गेस्ट हाउस बुक कराया था। 44 हजार रुपए में बुकिंग हुई थी। 18 हजार की पेमेंट हो चुकी थी। शनिवार शाम 6 बजे कार्यक्रम खत्म हुआ, तो पिता ने बकाया पैसा मांगा। तब लोगों ने पैसा देने से मना कर दिया। इससे नाराज ओम प्रकाश ने गेस्ट हाउस के बाहर ताला लगा दिया और घर चले गए। उस समय गेस्ट हाउस के अंदर 20 से ज्यादा लोग मौजूद थे।

'बिहार का शेर है पवन सिंह पार्टी के भरोसे कमजोर लोग आते हैं', खेसारी लाल यादव ने बीजेपी पर ली चुटकी

काराकाट, 26 मई (एजेंसियां)। लोकसभा सीट से भोजपुरी फिल्मों के अभिनेता पवन सिंह चुनाव लड़ रहे हैं। पवन सिंह का मुकाबला एनडीए के उम्मीदवार उपेंद्र कुशवाहा के साथ है। बीते दिनों पहले काराकाट लोकसभा क्षेत्र में पीएम मोदी ने चुनावी रैली की। जनता से पीएम मोदी ने उपेंद्र कुशवाहा के पक्ष में मतदान करने की अपील की। इधर, पवन निर्दलीय तौर पर मैदान में हैं। खबरों के अनुसार, काराकाट लोकसभा सीट पर दोनों उम्मीदवारों के बीच कड़ी टक्कर है। पवन चूंकि भोजपुरी के दिग्गज कलाकार हैं तो उनकी चुनावी सभाओं में गजब की भीड़ जुट रही है। भारी तदाद में युवा पवन सिंह के साथ हैं। हालांकि, देखना होगा कि पवन को मिल रहा समर्थन वोट में कितना तब्दील होता है। बहरहाल, इन सबके बीच पवन सिंह को उनके पुराने दोस्त और भोजपुरी के सुपरस्टार खेसारी लाल यादव का समर्थन मिल गया है। खेसारी लाल यादव पवन सिंह के पक्ष में वोट मांगने के लिए काराकाट आ रहे हैं।

मालूम हो कि जब पवन सिंह से खेसारी लाल यादव के बारे में पूछा गया था तो उन्होंने कहा कि खेसारी लाल मेरा छोटा भाई है, और जब बड़ा भाई आदेश देगा तो वह जरूर आएगा। खेसारी के काराकाट आने से जनता में उत्साह का माहौल है। क्योंकि, भोजपुरी फैंस को कभी-कभी दोनों स्टार को एक साथ देखने का मौका मिलता है। यहां जानकारी के लिए बताते चले कि जब पवन सिंह ने काराकाट लोकसभा से निर्दलीय तौर पर नामांकन किया था तो उन्हें हौसला देने के लिए खेसारी लाल यादव के पिता पहुंचे थे। खेसारी लाल यादव ने मीडिया से कहा कि पवन सिंह बिहार का शेर है। वह राजा है। बीजेपी से पवन सिंह को हटाने पर उन्होंने कहा कि कलाकार के लिए कोई पार्टी मायने नहीं रखती है। किसी पार्टी के भरोसे कमजोर लोग आते हैं।

विधानसभा चुनाव से पहले मिलेगी 10 लाख लोगों को नौकरी, नीतीश कुमार करेंगे वादा पूरा

पटना, 26 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार में विधानसभा चुनाव 2025 में होने वाला है। हमने बिहार के युवाओं से 10 लाख नौकरी देने का वादा किया था। विधानसभा चुनाव से पहले उस वायदे को पूरा किया जायेगा।रविवार को पटना साहिब में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि 2005 से 2020 के बीच हमने 8 लाख लोगों को सरकारी नौकरी दी, लाखों लोगों को रोजगार दिया। हमने 2020 में एक साथ तय किया कि 10 लाख लोगों को नौकरी देंगे। 4 लाख से ज्यादा रोजगार हो गया है, 1 लाख और होने वाला है और 3 लाख पर काम विधानसभा चुनाव से पहले पूरा कर लिया जायेगा। इसकी पूरी तैयारी कर ली गयी है। हम अपना वादा पूरा करेंगे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार में माहौल बदल चुका है।

बिहार विकास के पथ पर अग्रसर है। विरोधियों पर निशाना साधते हुए नीतीश ने कहा कि कुछ लोग सिर्फ अपने बेटा-बेटी में ही लगे रहते हैं। बिना नाम लिए तेजस्वी यादव पर नीतीश ने निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोग अनाप-शनाप प्रचार कर रहे हैं। इतनी बड़ी संख्या में हमने शिक्षकों की बहाली की, लेकिन इसका क्रेडिट कुछ लोग लेने में लगे हैं। जो हर सभा में इसे गिनाते रहते हैं कि हमने 17 महीने में लाखों नौकरियां दी। ये पूरा श्रेय लेने ने लगे हुए हैं। नीतीश कुमार ने कहा कि 4 लाख रोजगार हम लोग ने दिया और वो सब बोलता है हम दिए। आज तक कुछ किया है वो सब। हम लोग अब 10 लाख लोग रोजगार देंगे। आज 30 हजार महिला पुलिस में है।

लालू यादव ने मुसलमानों के लिए कुछ नहीं किया

नीतीश कुमार ने कहा है कि लालू यादव ने अबतक मुसलमानों के लिए कुछ नहीं किया है, बल्कि सिर्फ हिंदू मुस्लिम को लड़वाया है। नीतीश कुमार ने कहा कि सरकार में आते ही हमने हिंदू मुस्लिम सभी लोगों के लिए काम करवाया। पहले हिंदू -मुस्लिम में कितना झगड़ा होता था। वो लोग जो आज उधर हैं वो कुछ नहीं किए। हम सब सरकार में आए तो हम किए, लेकिन आरजेडी वाला फिर भी इनका वोट लेना चाहता है। हम लोग जब भाजपा के साथ थे तो हिंदू मुस्लिम का झगड़ा खत्म करवा दिए। मदरसों को उन लोगों ने कोई सरकारी मान्यता नहीं दी थी, हमलोग मदरसा में जो पढ़ाता था, उन लोगों को भी सरकारी शिक्षक की तरह बहाली निकाल दी। वो लोग सिर्फ वोट लेना जानता है काम करना नहीं।

जिसको राज मिलता है वही लूटने लगता है

इससे पहले आरा में जन सभा को संबोधित करते हुए सीएम नीतीश कुमार ने लालू पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वो लोग कोई काम नहीं करेगा, जिसको राज मिलता है वही लूटने लगता है। याद नहीं है अपने हट गया तो बीवी को मुख्यमंत्री बनवा दिया। उसके बाद बेटा-बेटी अनाप सनाप बोलता रहता है। वो लोग काम करना जानते ही नहीं। पहले की सरकार में शाम में कोई बाहर नहीं जाता था। शिक्षा, स्वास्थ्य बिजली नहीं थी, लेकिन भाजपा के साथ जब हमारी सरकार 2005 में बनी तो हर जगह काम किया। नीतीश कुमार ने कहा कि हमारी सरकार आते ही सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर को बैठाया। पहले मुफ्त दवा मिलता था कोई इलाज होता था। उन्होंने कहा कि हमने स्कूल बनवाया।

योगी सरकार के मंत्री के पति और पूर्व सांसद को खनन माफिया ने दी खुली धमकी, चिट्ठी वायरल

कानपुर, 26 मई (एजेंसियां)। यूपी सरकार में मंत्री प्रतिभा शुक्ला के पति पूर्व सांसद अनिल शुक्ल वारसी को खनन माफिया ने धमकी दी। प्रतिभा शुक्ला के पति कॉल पर मिली धमकी से खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे है। अपनी ही सरकार में मंत्री के पति पुलिस और प्रशासन से मुकदमा लिखने और कार्रवाई करने की गुहार लगा रहे है। उन्होंने कानपुर देहात के थानाध्यक्ष के नाम एक पत्र लिखकर मनोज यादव के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा है। वहीं पूर्व सांसद का आरोप है कि जिला प्रशासन और पुलिस उनकी बात नहीं सुन रहे है। कानपुर देहात के डीएम पर भी पूर्व सांसद ने गंभीर आरोप लगाए है। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी कुछ सुनते ही नहीं है। वह गुंडे और बदमाशों की पैरवी करते है। पूर्व सांसद ने पत्र जारी कर पुलिस और प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाए है, कुछ दिन पहले ही कानपुर देहात पुलिस अधीक्षक से नाराज वारसी ने एसपी के बंगले के बाहर जमीन पर बैठकर धरना दिया था। अनिल शुक्ल वारसी ने अपने पत्र में लिखा कि अकबरपुर रनियॉ विधानसभा में मिट्टी चोरी और अवैध खनन का कार्य राज कॉरपोरेशन लिमिटेड, आरसीएल। कम्पाउण्ड, स्टेशन रोड मैनपुरी द्वारा जोरों पर किया जा रहा है।

कपड़े चेंज करती 320 युवतियों की क्लिप डीवीआर में मिलीं

गाजियाबाद में महंत के काले कारनामों का खुलासा, पकड़ने के लिए छापेमारी कर रही पुलिस

गाजियाबाद, 26 मई (एजेंसियां)। गाजियाबाद में मंदिर के बाहर चेंजिंग रूम में लगे सीसीटीवी कैमरे की जांच में नया खुलासा हुआ। पुलिस को सीसीटीवी के डीवीआर से 320 युवतियों की कपड़े चेंज करते हुए क्लिप्स मिली हैं। डीवीआर विवेक चंद यादव ने बताया- चेंजिंग रूम की जांच में एक सीसीटीवी और उसका डीवीआर मिला। उसमें 5 दिन का डेटा स्टोरेज मिला है। इसमें कपडे. चेंज करते हुए क्लिप्स मिलीं है। आरोपी महंत मुकेश गोस्वामी के मोबाइल की भी जांच की गई। उसके मोबाइल पर सीसीटीवी की लइव फीड दिखती थी। उन्होंने बताया कि महंत फरार है। गिरफ्तारी के लिए 2 पुलिस टीमें लगी हैं। खबर है कि अग्रिम जमानत के लिए महंत इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंचा है। गाजियाबाद में मेरठ रोड पर कस्बा मुरादनगर है। यहां से गंगनहर बहती है। किनारे शनि मंदिर बना है। हर रोज हजारों लोग गंगनहर में स्नान करते हैं और मंदिर के दर्शन करते हैं। स्नान के बाद कपड़े बदलने के लिए शनि मंदिर घाट के ठीक बाहर एक चेंजिंग रूम बना है। 21 मई को एक महिला अपनी 14 साल की बेटी के साथ कपड़े चेंज कर रही थी। तभी उसकी नजर चेंजिंग रूम के ऊपर लगे सीसीटीवी कैमरे पर गई। महिला ने पुलिस को सूचना दी। पता चला कि यह चेंजिंग रूम महंत मुकेश गोस्वामी ने बनवा रखा था। इसके बाद महिला ने महंत के खिलाफ थाना मुरादनगर में एफआईआर कराई थी। डीसीपी ने बताया, महंत के खिलाफ एफआईआर हुई थी। इसलिए उनका मोबाइल भी जांच के लिए लिया गया। महंत के मोबाइल में कोई वीडियो स्टोरेज नहीं पाई गई। डीवीआर और मोबाइल दोनों को जांच के लिए फोरेंसिक लैब भेजा जा रहा है। पीड़िता के कोर्ट में बयान होते ही भागा महंत डीसीपी ने बताया, 21 मई को एफआईआर हुई।

22 मई को महंत मुकेश गोस्वामी का मोबाइल कब्जे में लिया गया। तब तक महंत मंदिर पर ही था। सामान्य तौर पर इस तरह के मामलों में जब तक पीड़िता के कोर्ट में बयान न हो जाएं, तब तक पुलिस आरोपी को गिरफ्तार करने से थोड़ा बचती है। पीड़िता के जैसे ही कोर्ट में बयान हुए, आरोपी फरार हो गया। अब उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें मेरठ, मुजफ्फरनगर, हरिद्वार में उसके ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। सिंचाई विभाग की टीम ने शनिवार को चेंजिग रूम को हटा दिया। शुक्रवार को भी बुलडोजर चलाकर अतिक्रमण हटाया था।

सोमवार को जपें शिव जी के ये मंत्र

शिव नामावली से लेकर पंचाक्षर मंत्र

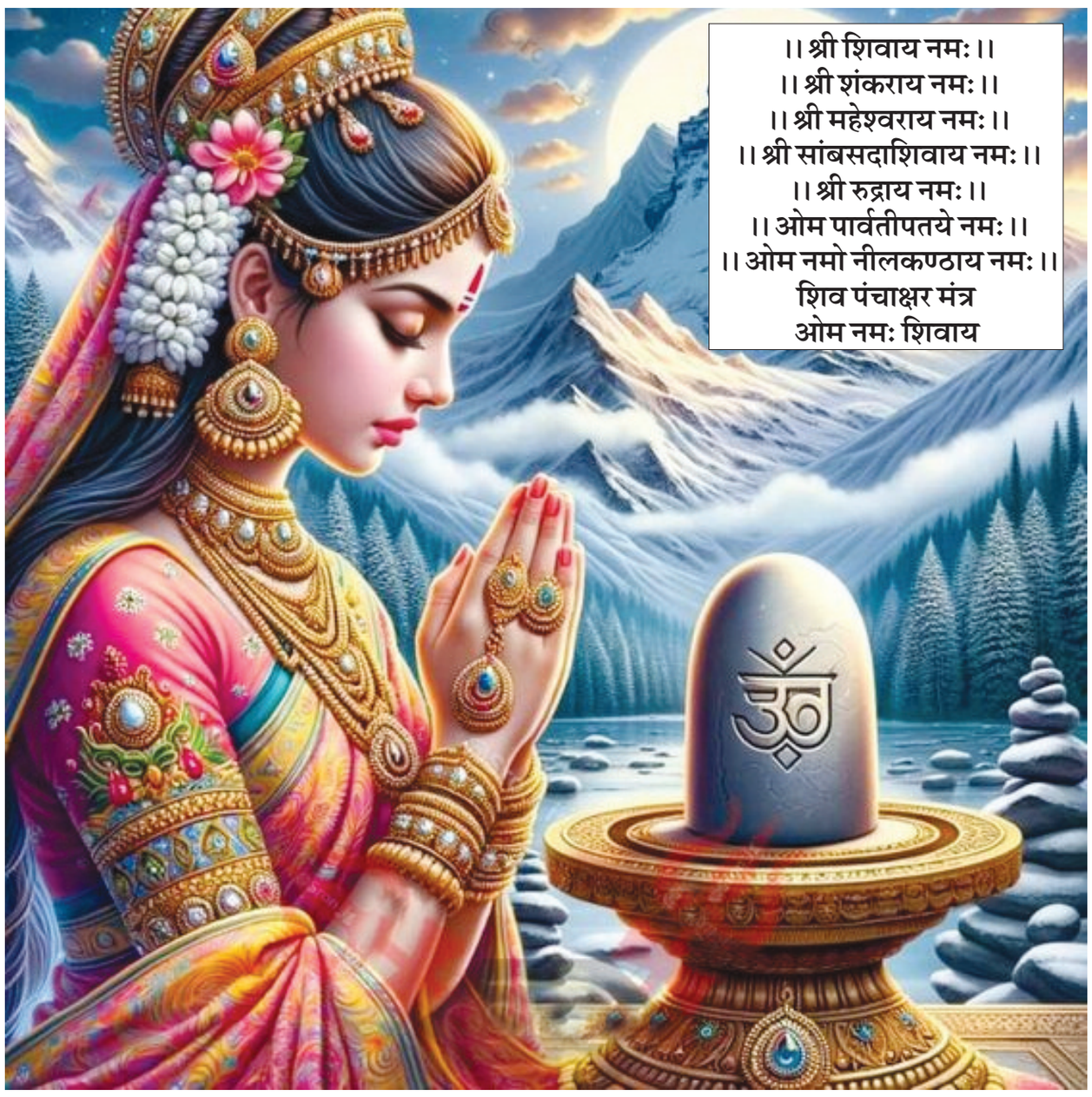

।। श्री शिवाय नमः ।।
।। श्री शंकराय नमः ।।
।। श्री महेश्वराय नमः ।।
।। श्री सांबसदाशिवाय नमः ।।
।। श्री रुद्राय नमः ।।
।। ओम पार्वतीपतये नमः ।।
।। ओम नमो नीलकण्ठाय नमः ।।
शिव पंचाक्षर मंत्र
ओम नमः शिवाय

सोमवार का दिन भोलेनाथ को अत्यंत प्रिय होता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार इस दिन आदि देव महादेव की भक्ति में तल्लीन होकर पूजा अर्चना करने से विशेष फल की प्राप्ति होती है और सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। सभी देवी देवताओं में सबसे सरल स्वभाव के देवता भोलेनाथ को माना जाता है। महादेव भक्तों की प्रार्थना से बहुत जल्द प्रसन्न होते हैं, इसी कारण इन्हें आशुतोष भी कहा जाता है। वैसे तो धर्मग्रंथो में भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए कई स्तुतियां हैं, लेकिन आज हम आपको भोलेनाथ के ऐसे मंत्रों से रूबरू करवाएंगे, जिसके उच्चारण मात्र से भोलेनाथ को प्रसन्न किया जा सकता है। यदि आप किसी कारणवश भोलेनाथ की पूजा नहीं कर पाते, तो इन मंत्रों से ही पूरा फल प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे में आइए एक नजर डालते हैंभो भोलेनाथ के मंत्रों पर।

शिव नामावली मंत्र

भगवान भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए नामावली मंत्र शुभ माना जाता है। सोमवार की पूजा करते समय नामावली मंत्रों का जाप करने से भोलेनाथ जल्दी प्रसन्न होते हैं और सांसारिक कष्टों से मुक्ति मिलती है तथा मानसिक तनाव कम होता है। नियमित तौर पर सुबह शाम 108 बार नामावली मंत्रों का जाप करना अधिक फलदायी माना जाता है। ऐसे में आइए नजर डालते हैं भोलेनाथ के नामावली मंत्रों पर।

भगवान शिव की पूजा करते समय अक्सर आप शिव पंचाक्षर का जाप करते हैं, लेकिन शायद ही आपको पता होगा कि यह शिव पंचाक्षर मंत्र है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मानव जाति के कल्याण के लिए शिव पंचाक्षर की उत्पत्ति हुई। इसका जप करने से समस्त पापों का नाश होता है और मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। इसके अलावा गायत्री मंत्र का जाप करने से भी भोलेनाथ प्रसन्न होते हैं और भक्तों के समस्त कष्टों का निवारण करते हैं।

शिव गायत्री मंत्र

।। ओम तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि तन्नो रुद्रः प्रचोदयात ।।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार गायत्री मंत्र का जाप करने से मन शांत और एकाग्र रहता है। तथा पितृ दोष, कालसर्प दोष, राहु केतु तथा शनि की पीड़ा से मुक्ति मिलती और भोलेनाथ की कृपा सदैव अपने भक्तों पर बनी रहती है।

पूजा से पूर्व भोलेनाथ को प्रसन्न करने का मंत्र

नमः शम्भवाय च मयोभवाय च नमः शंकराय च मयस्कराय च नमः शिवाय च शिवतराय च।। ईशानः सर्वविध्यानामीश्वरः सर्वभूतानां ब्रम्हाधिपतिमहिर्बम्हणोधपतिर्बम्हा शिवो मे अस्तु सदाशिवोम।।
शिव जी को प्रसन्न करना है तो इस मंत्र का जाप पूजन से पहले करें।

देवी पार्वती ने भगवान शिव को पाने के लिए किया था ये त्याग

देवी पार्वती ने भगवान को पति रूप में पाने के लिए घोर तप किया। भगवान शिव ने प्रसन्न होकर उन्हें इच्छित वर दिया और अंतर्ध्यान हो गए। पार्वती जी को तभी अचानक किसी बालक के रोने-चिल्लाने की आवाज सुनाई दी। पार्वती जी बालक की ओर दौड़ीं तो देखा कि एक सुंदर सरोवर में बालक को एक ग्राह (मगरमच्छ) ने पकड़ लिया है। पार्वती जी बोलीं, ''ग्राहराज! बालक को छोड़ दो।''

ग्राह बोला, ''देवी! यह मेरा आहार है, मैं इसे नहीं छोड़ सकता। तुम अपना तप मुझे अर्पण कर दो तो मैं इसे छोड़ सकता हूं।''

पार्वती जी बोलीं, ''इस तप की तो बात ही क्या, मैंने जन्म भर में जो पुण्य संचय किया है सब तुम्हें अर्पण करती हूं, तुम इस बालक को छोड़ दो।''

इतना कहते ही ग्राह का शरीर तप के तेज से चमक उठा। वह बालक को छोड़ कर अंतर्ध्यान हो गया। इधर पार्वती जी का अपना तप चला गया तो उन्होंने दोबारा तप करने का निश्चय किया।

तभी भगवान शिव प्रकट होकर बोले, ''देवी, तुम्हें पुनः तप नहीं करना पड़ेगा। तुमने यह तप मुझे ही दिया है। बालक और ग्राह भी मैं ही था। तुम्हारी दया और त्याग की महिमा देखने के लिए मैंने यह लीला रची। दान के फलस्वरूप तुम्हारी तपस्या अब हजार गुना होकर अक्षय हो गई है।''

अगर बोली में मिठास है तो हमारे सभी रिश्तों में प्रेम बना रहेगा। मीठी वाणी की वजह से हमारे आसपास के सभी लोगों से सहयोग मिलता रहता है।

जिस व्यक्ति का मन अच्छा है, जो सभी का भला सोचता है, उसके जीवन में सुख-शांति बनी रहती है। ऐसे लोग देर ही सही, लेकिन सफल जरूर होते हैं।

इनके विचार से फ्रांस में आई क्रांति

दुनिया को समझाया अर्थशास्त्र, राजनीति और लोकतंत्र

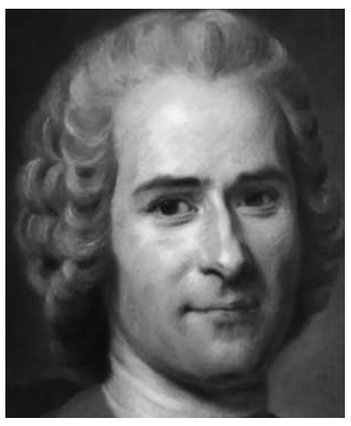

रूसो के विचार ने दुनिया में क्रांति ला दी और हर जगह उनके विचारों को समझा जाने लगा। उनके ही विचार से फ्रांस में क्रांति आई, जो इतिहास में दर्ज हुई। आज भी रूसो के विचार प्रासंगिक बने हुए हैं और दुनिया के लोगों को राह दिखा रहे हैं। उनका पूरा जीवन कष्टों से भरा रहा, उसके बाद वह कइयों के लिए प्रेरणा बने।

विश्व प्रसिद्ध दार्शनिक रूसो की जिंदगी लाचारी और बदहाली से भरी रही। सन 1712 में उन्हें जन्म देते ही उनकी मां मर गई थी। महज 10 वर्ष में पिता उन्हें छोड़कर भाग गए। स्नेह से वंचित बालक रूसो को उनके चाचा ने 14 वर्ष की आयु में पत्थर तराशने का काम सीखने के लिए एक ऐसे व्यक्ति के हवाले कर दिया जो उन्हें बेरहमी से पीटा करता था। तंग आकर वह फ्रांस चले गए। जिंदा रहने के लिए छोटी-मोटी चोरियां करने लगे। यहां तक कि सड़कों पर भीख मांगने को भी मजबूर हुए। हर तरह से बदनाम रूसो को दोस्तों ने भी ठुकरा दिया।

जिन दिनों वह भीख मांगकर गुजारा कर रहे थे, येरेसी नाम की एक अनपढ़ महिला ने उन्हें सहारा दिया। उससे रूसो के पांच बच्चे हुए, पर उसने उनमें से एक को भी स्वीकार नहीं किया। आखिरकार सभी बच्चों को अनाथालय में भिजवाना पड़ा। बचपन की ठोकरें और खराब हालात के चलते उन्हें अच्छी शिक्षा नहीं मिल पाई। लेकिन उन्होंने कभी हिम्मत नहीं हारी और अपनी सोच ऊंची रखी। बुरे हालात उनके विचारों में सेंध नहीं लगा पाए। अपने इस अनुभव के बूते वह समाचार पत्रों में ऐसे विचारणीय लेख लिखने लगे जिसने जनता को बहुत प्रभावित किया। धर्म और राजतंत्र विरोधी उनके विचारों के चलते जिनेवा लौटने पर उन्हें बंदी बनाने का आदेश दिया गया। तत्कालीन फ्रांस सरकार ने भी उन्हें गिरफ्तार करने का आदेश दिया।

वह पेरिस छोड़कर 16 साल तक इधर-उधर भागते फिरे। जान बचाने के लिए उन्हें जर्मनी और इंग्लैंड भी जाना पड़ा। फ्रांस की राज्य क्रांति से 11 वर्ष पहले सन 1778 में 66 वर्ष की उम्र में उनका निधन हो गया। आजीवन संघर्ष करने और प्रतिकूल हालात से जूझते रहने के बावजूद उन्होंने दुनिया को प्रकृति, शिक्षा, अर्थशास्त्र, राजनीति और लोकतंत्र समझाया। सबसे बड़ी बात, उनके विचार फ्रांस में क्रांति लाए।

हाथ में कौड़ी पहनने से मिलते हैं बेशुमार फायदे आप भी आजमाएं एक बार

कौड़ियों को हिंदू धर्म में काफी महत्व दिया गया है। इसे माता लक्ष्मी का रूप भी माना जाता है। कौड़ियां काफी शुभ मानी गई है, मां लक्ष्मी के पूजन में कौड़ियां चढ़ाने से व्यक्ति को जीवन में धन-वैभव की प्राप्ति होती है। ऐसी मान्यता है कि कौड़ी में इतनी शक्ति होती है कि इसे जिस भी स्थान पर रखा जाए ये उस स्थान से नकारात्मकता को खींचकर दूर कर देती है। ऐसे में बता दें कि अगर आप इसे अपने हाथों में पहनते हैं तो इससे भी आपको कई तरह फायदे मिलते हैं और जीवन की तमाम तरह की समस्याओं से छुटकारा मिल जाता है। तो आज की इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे हाथ में कौड़ी धारण करने से क्या लाभ मिलते हैं। तो आइए जानते हैं- ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, हाथ में कौड़ी पहनने से भाग्य खुल जाता है। अगर आपका भाग्य साथ नहीं दे रहा है या दुर्भाग्य के कारण आपको सफलता नहीं मिल पा रही है तो हाथ में कौड़ी अवश्य पहनें। हाथ में कौड़ी पहनने से भाग्य का साथ मिलने लगता है और सौभाग्य में वृद्धि होने लगती है। आगे आपको बता दें कि हाथ में कौड़ी पहनने से नेगेटिव एनर्जी दूर होती है और सकारात्मकता का संचार होता है।वहीं अगर किसी व्यक्ति को कोई मानसिक तनाव है, शारीरिक समस्याओं से घिरे हुए है तो हाथ में कौड़ी जरूर पहनें। हाथ में कौड़ी धारण करने से बुरी नजर भी नहीं लगती है। इतना ही नहीं ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, हाथ में कौड़ी पहनने से नजर दोष से तो छुटकारा मिलता ही है लेकिन साथ ही अगर आपके जीवन में किसी भी प्रकार की बाधा के कारण आपकी तरक्की रुक रही है तो आपको उससे भी निजात मिल जाती है।

तो वही हाथ में कौड़ी पहनने का एक और सबसे ज्यादा लाभ ये है कि इसे धारण करने से आपको व्यवसाय या फिर नौकरी में आ रही सभी तरह की समस्याएं से छुटकारा मिलने लगता है। हाथ में कौड़ी पहनने से आपके कारोबार में वृद्धि होने लगती है और तरक्की के राह खुलते हैं। इसके अलावा ऐसी मान्यता है कि अगर हाथ में कौड़ी पहनी जाए तो इससे धन बाधित करने वाले दोष दूर हो जाते हैं। बता दें कि अगर अपार मेहनत करने के बाद भी आप धन नहीं कमा पा रहे हैं या फिर धन आता तो है लेकिन जल्दी ही खर्च भी हो जाता है तो हाथ में कौड़ी पहनने से पैसा हाथ में टिकने लगता है।

आगे आपको बताते चलें कि यदि आपके बच्चों को बार-बार बुरी नजर लग रही है, तो आप उनके हाथ में काले कपड़े में एक कौड़ी को लपेटकर बांध दें। इससे बच्चों को लगी बुरी नजर दूर हो जाती है। अगर आप भी इन समस्याओं से घिरे हुए है तो हाथ में कौड़ी धारण जरूर करें।

सोये हुए व्यक्ति के चरण स्पर्श की क्यों है मनाही

हिन्दू धर्म में पैर छूने की परंपरा प्राचीन काल से चली आ रही है। भारतीय संस्कृति में इसे मान-सम्मान के तौर पर देखा जाता है। लेकिन इस परंपरा को अपनाते समय नियमों का पालन भी अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। पैर छूते वक्त भी कई नियम लागू होते हैं और लोगों को यह जानने की आवश्यकता है कि किसके पैर छूने चाहिए और किसके नहीं। शास्त्रों में कहा गया है कि सोते हुए व्यक्ति के कभी पैर नहीं छूने चाहिए, चाहे वह आपका बुजुर्ग ही क्यों न हो। इससे आपकी ऊर्जा को नुकसान पहुंचता है। लेकिन ऐसा क्यों नहीं करना चाहिए, चलिए इसके बारे में समझते हैं...

बड़ों के पैर छूने की प्रथा के महत्व और फायदे जानकर चौंक जायेंगे आप! प्राचीन काल में लोगों को इसके जरिये मिले कई वरदान

पैर छूने की प्रथा के पीछे तर्क यह दिया जाता है कि जब हम किसी ऐसे व्यक्ति के पैर छूते हैं, जो उम्र में हमसे बड़ा या सम्मानजनक है, तो ऐसे में उसकी सकारात्मक ऊर्जा उसके आशीर्वाद के जरिये हमारे शरीर में भी प्रवेश करती है और हमारे मस्तिष्क को और हमारी ऊर्जा को भी प्रभावित करती है। आशीर्वाद देने वाला व्यक्ति पूरी तरह चेतना में होता है और वह अच्छे विचारों के साथ हमें आशीर्वाद देता है। पैर छूने के लिए झुकने से कई लाभ भी हमें मिलते हैं, जैसे कि हममें विनम्रता आती है, अहंकार समाप्त होता है और हम जमीन से जुड़े रहते हैं। लेकिन कई बार ऐसा होता है कि हम कहीं जा रहे होते हैं या किसी के घर आये होते है और तभी जब कोई बड़ा या बुजुर्ग सोया होता है, तो उसे परेशान न करने की मंशा से हम उसे जगाते नहीं और सोते हुए ही उसके पैर छू लेते हैं। ऐसे में हमारी मंशा गलत नहीं होती लेकिन पैर छूने का जो उद्देश्य होता और या जो तरीका है, वह यहाँ पूरा नहीं होता। शास्त्रों के अनुसार, सोये हुए व्यक्ति की ऊर्जा अलग तरह की होती है और वह ऊर्जा आपके जगे रहने की ऊर्जा से नहीं मिलती। सोया हुआ व्यक्ति मृत व्यक्ति के समान होता है लेकिन वह जीवित होता है। वह जीवित और मृत के बीच की किसी ऊर्जा में झूल रहा होता है।

एक तरह से कहें तो उसकी ऊर्जा सुप्त होती है और वह उस समय केवल अपने अवचेतन मन से जुड़ा होता है। ऐसे में जब आप किसी के पैर छूते हैं, तो आप ऐसी ऊर्जा ग्रहण कर लेते हैं, जो आपके किसी काम की नहीं और अगर उसके मन में या स्वप्न में कुछ गलत विचार चल रहे होते हैं, तो वह भी आपको नुकसान पहुंचा सकते हैं। सोते हुए व्यक्ति के शरीर में होने ऊर्जा नकारात्मक भी हो सकती है, जिससे आपके शरीर में भी नकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश हो सकती है। इससे जो पैर छू रहा है और जिसके पैर छुए जा रहे हैं, दोनों का नुकसान हो सकता है। सोते हुए व्यक्ति के पैर छूने पर न तो आप पैर छूने के लिए सही अवस्था अपना रहे और ना ही सही ऊर्जा ग्रहण कर रहे। पैर छूने के लिए सही अवस्था अपनाना भी जरूरी है, तभी इसका लाभ मिलता है। इसलिए, तो पैर सही तरीके से कैसे छूना चाहिए, इसके लिए भी नियम बताये गए हैं। ऐसी अवस्था में आपको आशीर्वाद भी नहीं मिलता।सोती हुई अवस्था में केवल उसी व्यक्ति के पैर छूने की सलाह शास्त्र देता है, जो मृत है। आप मृतक के पैर छू सकते हैं लेकिन किसी जीवित व्यक्ति के नहीं क्योंकि जीवित व्यक्ति के शरीर में एक प्रकार की ऊर्जा संचालित हो रही है, जो सोते समय अधिक संवेदनशील और गतिमान हो जाती है।

सीप की चूड़ी पहनने से खुलता है सुहागिन महिलाओं के लिए सौभाग्य का द्वार

सनातन धर्म में सुहागिन महिला की पहचान उसके श्रृंगार से की जाती है। जैसे कि सिंदूर, पायल, बिछिया और मंगलसूत्र आदि। इसी के साथ हाथ में पहनने वाली चूड़ियां भी बहुत अहम भूमिका निभाती हैं। वैसे तो आज-कल बाजार में बहुत तरह की चूड़ियां मिलती हैं लेकिन कांच और सीप चूड़ियां ज्यादा खास होती हैं। सुंदरता के साथ-साथ ये चूड़ियां ज्योतिष शास्त्र में बहुत महत्वपूर्ण होती हैं। तो चलिए ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जानते हैं कि सीप की चूड़ियां पहनने से क्या लाभ मिलता है।

सीप की चूड़ी पहनने के लाभ

शास्त्रों के अनुसार सीप की चूड़ी का सीधा संबंध धन की देवी मां लक्ष्मी के होता है। जो भी महिला इसे पहनती है उसके पति को कभी भी आर्थिक तंगी का सामना नहीं करना पड़ता है। इसके अलावा ऐसा करने से चंद्र दोष से भी मुक्ति मिलती है और घर-परिवार में कभी भी पैसों से जुड़ी परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ता है। चूड़ियां सुहागिन महिलाओं की पहचान होती हैं ऐसा करने से पति की आयु में वृद्धि होती है। मां दुर्गा की पूजा करते समय उनको भी चूड़ियां चढ़ाई जाती हैं। चूड़ियों का दान करने से कुंडली में बुध ग्रह की स्थिति स्ट्रांग होती है। वास्तु शास्त्र के मुताबिक चूड़ियों की आवाज घर में बेहद ही शुभ मानी जाती है।

सेहत के लिए बेहद ही फायदेमंद है सीप की चूड़ियां

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सीप की चूड़िया मन को शांत करने का काम करती हैं। अगर कोई महिला मानसिक तनाव से परेशान है तो उसे इस तरह की चूड़ियां पहननी चाहिए। कहते हैं आपस में जब चूड़ियाँ टकराती हैं तो सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इसके अलावा इन्हें पहनने से दिल से जुड़ी परेशानियों से निजात मिलता है।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 27 मई - 2024

जानलेवा आग, 44 मौतें

उत्तर भारत में इन दिनों आग बरसाती गर्मी पड़ रही है। इसलिए आग की घटनाएं भी लगातार बढ़ रही हैं। पिछले कुछ दिनों से लगातार आ रही आग की 5 घटनाओं में अब तक 44 लोगों की मौत हो चुकी है। कई जगहों पर तापमान 45 से 49 डिग्री के पार तक पहुंच गया है। झुलसा देने वाली गर्मी के इस मौसम में आग लगने की घटनाएं भी काफी बढ़ गई हैं। मात्र चार दिन में गुजरात के राजकोट से लेकर दिल्ली के विवेक विहार तक आग ने 44 मासूमों की जान ले ली। सबसे दर्दनाक घटना गुजरात के राजकोट में हुई, जहां एक मॉल के गेमिंग जोन में शनिवार को भीषण आग लगने से 33 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में ज्यादातर बच्चे हैं। हालांकि पुलिस ने गेम जोन के मालिक और मैनेजर समेत दस लोगों को राउंडअप किया है। कहा जा रहा है कि इलेक्ट्रिक कारणों से गेम जोन में आग लगी थी। हैरानी है उक्त गेम जोन फायर बिना एनओसी के चल रहा था और इसे निगम के मनोरंजन विभाग से भी कोई मंजूरी नहीं मिली थी। इसके बाद भी ये कई सालों से बेधडक कैसे चल रहा था, यह भी जांच का विषय है। दूसरा हादसा भी शनिवार रात करीब साढ़े 11 बजे हुआ। दिल्ली के विवेक विहार इलाके में स्थित एक बेबी केयर हॉस्पिटल में आग लग गई। घटना के वक्त केयर सेंटर में 12 नवजात बच्चे मौजूद थे। स्थानीय लोगों का कहना है कि इमारत के ग्राउंड फ्लोर में कई ऑक्सीजन सिलेंडर थे, जिसमें ब्लास्ट हुआ। देखते ही देखते पूरी बिल्डिंग आग की लपटों से घिर गई।

स्थानीय लोग सीढ़ी लगाकर पहली मंजिल पर स्थित केयर सेंटर से बच्चों को निकालने लगे। फायर विभाग की 16 गाड़ियां जब पहुंची तब फायर की टीम ने लोगों के साथ मिलकर 12 बच्चों को रेस्क्यू किया। लेकिन इलाज के दौरान 7 बच्चों की मौत हो गई और 5 बच्चों का इलाज चल रहा है। इसी तरह दिल्ली के कृष्णा नगर इलाके में भी शनिवार देर रात एक चार मंजिला इमारत में आग लग गई। आग इमारत की ग्राउंड फ्लोर पर बनी पार्किंग में लगी और देखते ही देखते पूरी बिल्डिंग में आग फैल गई। जब सूचना पाकर फायर विभाग की टीम मौके पर पहुंची तो उन्हें एक बुजुर्ग की जली हुई बॉडी मिली। फायर की टीम ने घर में से दो और लोगों को रेस्क्यू किया और अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस तरह कृष्णा विहार अग्निकांड में तीन लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा 11 स्कूटी/बाइक भी आग की चपेट में आ गए हैं। इसी हफ्ते दिल्ली के रोहिणी सेक्टर-8 में तीन मंजिला शोरूम में आग लग गई। आग लगने के दौरान एक महिला को मामूली चोटें आईं और उन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया।

गनीमत रही कि फायर विभाग की टीम के पहुंचने से पहले अंदर फंसे लोगों को पीछे के रास्ते से निकाल लिया गया था। तीन फ्लोर की बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर में फर्नीचर का काम होता था, बेसमेंट सेफ है उसमें कोई आग नहीं लगी है। पिछले सप्ताह दिल्ली के आईटीओ स्थित इनकम टैक्स ऑफिस में आग लग गई। इस हादसे में एक कर्मचारी की दम घुटने से मौत हो गई थी। जिस वक्त आग लगी तब ज्यादातर लोग लंच कर रहे थे। आग लगने के बाद धुएं का गुबार उठने लगा। मौके पर तुरंत फायर विभाग की टीम पहुंच गई और अंदर फंसे लोगों को बाहर निकाला गया, जिससे लोगों की जान में जान आई।

घाटी में विधानसभा चुनाव कब ,और कैसे

नवीन जैन

जम्मू _कश्मीर के लोग अब विधानसभा चुनावों की बांट जोह रहे हैं। वैसे भी सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिए हैं कि इस साल की 30सितंबर तक इस सूबे में विधानसभा चुनाव भी करा लिए जाएं। पता हो कि इस प्रदेश में आखिरी बार 2014में विधानसभा चुनाव हुए थे , और फिलहाल यह केंद्र शासित प्रदेश है , लेकिन इस बार लोकसभा चुनावों में हुए बंपर मतदान के बाद इस उम्मीद को पर लगे हैं, कि इस राज्य में यदि अन्य बातें भी ठीक _ठाक रहीं ,तो विधानसभा चुनाव भी 30सितंबर तक कराने में कोई ख़ास दिक्कत नहीं जाने वाली । खास बात यह हैं कि क्या जम्मू कश्मीर की कुल 90 विधानसभा की सीटों के साथ पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की कुल 24 नामित विधानसभा सीटों पर भी चुनाव कैसे कराए जाएंगे। जान लें कि वर्तमान केन्द्र शासित सरकार चलते रहने ,और विधानसभा चुनाव न कराने के पीछे कुछ अहम कारण जैसे आरक्षण ,परिसीमन के तहत सीटों के भौगोलिक क्षेत्रों में बदलाव ,और सीटों की संख्या बढ़ाना प्रमुख थे।

स्थानीय लोगों का एक बड़ा तबका पीएम नरेंद्र मोदी ,और गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बार _बार की गई इस घोषणा को गंभीरता से ले रहे हैं कि भारत जब चाहेगा ,पाक अधिकृत कश्मीर उर्फ पीओके को अपने कब्जे में ले लेगा ।याद दिला दें , कि पीओके के रास्ते ही भाड़े के आतंकी भेजकर पाकिस्तान ने दशकों से घाटी के मासूम लोगों का जीना हराम कर रखा था,जहां अब अमन चैन लौटने लगा है। पिछले कुछ सालों से पाकिस्तान की लचर होती जा रही अर्थ व्यवस्था ने भी कश्मीर के लोगों को ये तय करवा दिया है , कि मान लीजिए कल को घाटी भी पाकिस्तान के कब्जे में आ गई,तो उनकी अच्छी _भली ज़िंदगी के हाल बुरे हो जाएंगे। इसीलिए उनकी भलाई भारत के साथ रहने में ही है ।वैसे स्वर्गीय पी नरसिंहराव जब प्रधानमंत्री थे, तभी संसद में एक प्रस्ताव पारित हुआ था, कि पाक अधिकृत कश्मीर मूलतः भारत का ही अंग है। कई इतिहासकार बताते हैं कि इस सूबे के तत्कालीन महाराजा हरिसिंह ने 1947_48 में एक बार तत्कालीन प्रधानमंत्री स्वर्गीय पंडित जवाहरलाल नेहरू को संदेश भेजा था कि यदि चौबीस घंटे के अंदर भारत की ओर से उन्हें सैन्य सहायता नहीं मिली तो वे अपने इस सूबे का विलय पाकिस्तान में ही कर देंगे। यह संदेश कोई धमकी नहीं था । दरअसल पाकिस्तान के हुक्मरानों ने सैनिकों के रूप में बहुरूपिए कबिलाइयों को घाटी पर कब्जा करने के लिए भेज दिया था।तत्कालीन गृहमंत्री स्वर्गीय सरदार वल्लभ भाई पटेल की तो इच्छा थी कि किसी भी तरह पाक अधिकृत कश्मीर को भी इस कथित जंग में भारत के अधीन कर लिया जाए,लेकिन कहा जाता है कि शांति के कपोत (कबूतर) उड़ाने में मशहूर हुए पंडित नेहरू का ये कथित आदर्शवाद सरदार पटेल के निर्णय के सामने एक तरह से बिल्ली की तरह रास्ता काट गया।

बाद की कांग्रेस सरकारों ने भी कुल मिलाकर कथित शांति से काम लेने का ही प्रयोग किया और मामले को लटकाए रखा। इस बीच पाकिस्तान में एक नया फलसफा गढ़ा गया कि जो काफिरों (हिंदुओं और ईसाइयों) को मारेगा उसके अभिनंदन में जन्नत की 72 हुरे रास्ता देख रही होंगी।पुरुष की इस नैसर्गिक कमजोरी के तहत दोनो तरफ के मेडिकल और इंजिरियरिंग तक के छात्रों का पाकिस्तान में बैठे आतंकी सरगना ब्रेन वॉश करते रहे। जब पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेट कप्तान और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने पद की शपथ ली थी तब भी उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय मीडिया को स्पष्ट रूप से कहा था कि उनके देश में कम से कम 40 हजार छोटी मोटी आतंकी तंजीमें (संगठन)सक्रिय हैं।

पाकिस्तान बारूद के ढेर पर !

रघु ठाकुर

पिछले कुछ समय से पाकिस्तान देश और दुनिया की खबरों में प्रमुखता से छाया हुआ है। इसके अनेक कारण हैं, जिनकी चर्चा मैं आगे करूंगा। जो खबरें प्रमुखता से आ रही हैं वह यह है कि, पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पतन की ओर अग्रसर है और एक अर्थ में डूबती अर्थव्यवस्था कही जा सकती है। पिछले दशकों में पाकिस्तान ने दुनिया से, विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से भारी कर्ज लिया है, उस कर्ज को चुकाना संभव नहीं हो रहा है। हाल ही में ऐसी खबरें आईं हैं कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की टीम पाकिस्तान को इस कर्ज के भुगतान की स्थिति से बचाने के लिये और एक नया कर्ज जो उसे बेल आउट करने के लिये है, उसे किन शर्तों पर दिया जाय, इसकी चर्चा करने पाकिस्तान पहुंची है।

अफगानिस्तान के जिन तालिबानियों को पाकिस्तान ने अपने यहां रखा था वे और उनका कट्टर पंथ पाकिस्तान के लिये खतरा बन गया है। उन तालिबानियों को पाकिस्तान अपने देश से निकाल कर अफगानिस्तान भेजना चाहता है। क्योंकि वे अनियंत्रित हो चुके हैं और पाकिस्तान की स्थितरता को खतरा बन चुके हैं। दूसरी ओर अफगानिस्तान की तालिबान हुकूमत उन्हें संरक्षण दे रही है और कुछ अर्थों में पीठ सहला रही है। अफगान और पाक सीमा के दोनों ओर भारी तनाव है और हालात एक छोटे-मोटे मुठभेड़ के रूप में उभर रहे हैं।

पाकिस्तान के तीन हिस्सों में भयावह बैचेनी है। और वहां का जनमत पाकिस्तान और सेना के दबाव से मुक्ति चाहता है। बलूचिस्तान जहां के खान अब्दुल गफ्फार खान थे। वह गांधी के अनुयायी और भारत विभाजन के खिलाफ थे। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक जो आजादी के पहले महात्मा गांधी की मांग पर बुलाई गई थी उस बैठक में महात्मा गांधी के भारत विभाजन के विरोध के प्रस्ताव का समर्थन करने वाले जो मात्र तीन लोग थे उनमें से एक सीमांत गांधी थे। उन्हें अपने भारत विभाजन के विरोध की भारी कीमत भी चुकानी पड़ी तथा पाकिस्तान बनने के बाद उन्होंने अपने जीवन का अधिकांश समय पाक हुकूमत की जेलों में काटा या नजरबंद रहे। पख्तून लोगों ने कभी भी पाकिस्तान को इस रूप में स्वीकार नहीं किया और वे एकधर्म का देश बनाने के पक्षधर भी नहीं थे। किंतु मुस्लिम लोग और उसके मुखिया जिन्ना जो ब्रिटिश हुकूमत के हाथों खेल रहे थे और अपनी महत्वाकांक्षाओं के चलते भारत को बांटने के आपराधिक खेल में लगे थे। उन्होंने अंग्रेजों के साथ सांठ-गांठ कर पख्तूनों की आवाज को दबा दिया। कांग्रेस का उस समय का शीर्ष नेतृत्व केवल महात्मा गांधी को छोड़कर जो कांग्रेस के संगठनात्मक नेता भी नहीं थे वह न सदस्य और न पदाधिकारी थे, वह केवल नैतिक नेता थे। गांधी को कांग्रेस संगठन के नेतृत्व ने धोखा दिया। बापू की उस राष्ट्रीय कार्यकारिणी में घोर अवमानना की गई, जिसका शब्दसरू वर्णन डॉ. राममनोहर लोहिया ने अपनी पुस्तक श्भारत विभाजन के अपराधीय में किया है। नेहरू और पटेल जैसे गांधी के शिष्यों ने न केवल धोखा दिया बल्कि उन्हें अपमानित भी किया। गांधी के भारत विभाजन के विरोध को नकार दिया और उनके इस महत्वपूर्ण प्रस्ताव को भी महत्व नहीं दिया कि अगर भारत का विभाजन करना ही है तो वह अंग्रेज न करे। वे भारत छोड़कर चले जायें, बाद में हम भारतवासी आपस में मिलकर तय कर लेंगे। किंतु इसको भी कांग्रेस नेतृत्व ने स्वीकार नहीं किया। इस प्रस्ताव के बारे में डॉ. लोहिया ने लिखा कि मैंने अपने जीवन में कूटनीतिक प्रस्ताव कोई और नहीं देखा है। अगर इतना भी कांग्रेस नेतृत्व ने स्वीकार कर लिया होता तो भारत का विभाजन भी टल सकता था। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस तथ्य के बाद भी कुछ लोग एक योजना के तहत महात्मा गांधी को भारत विभाजन का अपराधी मानते हैं। सीमांत गांधी इस बंटवारे से इतने क्षुब्ध हुये थे कि उन्होंने कांग्रेस के नेतृत्व को सार्वजनिक रूप से इंगित कर कहा था कि आपने मुझे भेड़ियों के सहारे छोड़ दिया, वे सिंध और पंजाब के मुस्लिम नेताओं की कट्टरता और सत्ता की हवस को समझते थे, जो उस समय मुस्लिम लीग के और जिन्ना की टोली के सबसे बड़े भार बन चुके थे।

जिन्ना की मुस्लिम लीग भी देश के पश्चिम और पूर्व से ज्यादा समर्थन प्राप्त कर रही थी जहां कट्टरता और कट्टर तत्व मुस्लिम लीग के नेतृत्व में हिंसक रास्ते पर थे। जहां एक तरफ कांग्रेस नेतृत्व ने महात्मा गांधी की बात नहीं मानी, वहीं दूसरी ओर मुस्लिम लीग ने (डायरेक्ट एक्शन) यानी सीधी मारकाट कर बंटवारे की आग में घी झोंक दिया था। जो थोड़े बहुत विभाजन के खिलाफ मुस्लिम भाई थे, उनकी आवाज नक्कारखाने में तूती की आवाज बन गई थी। 1943 में भारत के एक पक्षधर अल्लाह बक्स की भारत के विभाजन के पक्षधरों और कट्टरपंथियों के द्वारा हत्या के बाद मुस्लिम लीग की उग्रता आसमान पर थी। ब्रिटिश हुकूमत का उनको संरक्षण था। वह कितना अधिक था इसका प्रमाण इससे मिलता है कि महात्मा गांधी के अनुयायी और भारत विभाजन के विरोधी अल्लाह बक्स की हत्या के मुकदमे में अभियोजन याने सरकार ने ठीक पैरवी तक नहीं की, जिससे हत्यारे रिहा हुये। यहां तक कि फैसला देने वाले जज ने दुखी होकर लिखा कि मैं अपराधियों को निर्दोष नहीं मानता हूँ परंतु प्रमाणों के अभाव में उन्हें छोड़ना मेरी लाचारी है।

बलूचिस्तान भी कभी बंटवारे के पक्ष में नहीं था। और बलूचिस्तान के लोगों का पंजाब और सिंध के कट्टरपंथ तथा मुस्लिम लीग के साथ मतभेद थे। पाकिस्तान बनने के बाद पंजाब और सिंध के कट्टरपंथी सत्ताधीशों ने कभी भी बलूचिस्तान नागरिकों को बराबरी का दर्जा नहीं दिया और न न्याय संगत भागीदारी दी। आज स्थिति यह है कि बलूचिस्तान का जनमत उसी प्रकार पाकिस्तान से अलग होना चाहता है जिस तरह से पख्तूनिस्तान का। पाक अधिद्धत कश्मीर भी अब न केवल मानसिक बल्कि भौतिक रूप से विद्रोह की कगार पर है। वैसे भी यह अंचल भारतीय भूभाग था। जिसे हिंदुस्तान की संसद ने भी सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर भारतीय भूभाग माना है। यह तथ्य किसी से छिपा हुआ नहीं है कि जब कश्मीर के राजा ने पाकिस्तानी सेना के कबीलाई के रूप में हमले के बाद भारत में विलय का निश्चय किया। तब यह पीओके का हिस्सा कश्मीर का अभिन्न अंग था और स्वाभाविक है कि कश्मीर के विलय के बाद यह भारत का हिस्सा था। जिसे पाकिस्तान की सेना ने एक प्रकार से बलपूर्वक ले लिया था। उस समय भी कांग्रेस सरकार के नेतृत्वकर्ता पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपनी सेना को आक्रमण करने से रुकवा दिया था बल्कि स्वतरू संयुक्त राष्ट्र संघ जाकर युद्ध विराम के प्रस्ताव को रखना, वह उनकी भारी भूल थी। तभी से पाकिस्तान की सरकारें पीओके के नागरिकों के साथ दोहरा व्यवहार कर रही हैं। वहां निर्वाचन के नाम पर बलात पाकिस्तान की सैन्य हुकूमत पर दलालों को बंदूक की दया पर निर्वाचित घोषित कर दिया जाता है। अपने इस भेदभावपूर्ण जीवन से पीओके के नागरिक इतने दुखी हो चुके हैं कि वे पिछले कई सप्ताहों से सड़कों पर हैं और पाक से अलग होने के मानस में जी रहे हैं।

काश अगर आज गांधी जिंदा होते तो उनके प्रति समूचे भारतीय भूभाग के विश्वास और श्रद्धा की छत्रछाया में भारत विभाजन की नकली रेखा मिट जाती। काश अगर आज लोहिया जिंदा होते तो वे इस समूचे विद्रोह की आग में जल रहे अंचलों को साथ लेकर पाकिस्तान का राजनैतिक स्वरूप बदल देते। लोहिया की संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी का जो जीवंत रूप 1960 के दशक में था, अगर आज होता तो इस समय विभाजन की रेखा को मिटाने के लिये एक महत्वपूर्ण भूमिका पार्टी निभा सकती थी। इस समय पूरे देश को एकजुट होकर पीओके को आजाद कराने और वापिस लेने की भूमिका में होना चाहिए। पर यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस के एक पूर्व नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर पाकिस्तान के परमाणु हथियार की चर्चा कर पीओके को आजाद होने से और पाकिस्तान विभाजन को रोकने के अंतरराष्ट्रीय षडयंत्र के जाने अनजाने हिस्सेदार बन रहे हैं। जम्मू कश्मीर का वर्तमान नेतृत्व और फारूख अब्दुल्ला तथा उनकी पार्टी ढुलमुल और रार्ष्ट्रविरोधी लाइन लेती रही है। यहां तक कि जब वे भाजपा के अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में केंद्रीय मंत्री थे तब वे भाजपा के प्रचार में छिंदवाड़ा आये थे।

मुस्लिम आरक्षण पर चुप्पी कितनी खतरनाक ?

मुनीष त्रिपाठी

प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी अपनी ज्यादातर जनसभाओं में मुस्लिम आरक्षण पर चिंता व्यक्त करते हुए इंडिया गठबंधन के नेताओं पर हमला बोल रहे है 1 वह कह रहे है कि सत्ता में आने पर इंडिया गठबंधन दलितों और पिछड़ों का आरक्षण काट कर मुस्लिमों को दे देगी 1 देश का विभाजन करवा देंगे 1 मोदी ने राहुल गाँधी को ऐसा न करने के लिए वायदा करने को कहा परंतु राहुल गाँधी इस बाबत मौन ही रहे, इसके विपरीत इंडिया गठबंधन के घटक दल समाजवादी पार्टी के सांसद एसटी हसन ने बयान में कहा कि इंडिया गठबंधन की सत्ता में आने पर संविधान में संसोधन कर मुस्लिमों को आरक्षण दिया जायेगा 1

इसी बीच हाल ही में कोलकाता हाईकोर्ट ने अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी के तहत राज्य में 2010 के बाद जितने भी लोगों को प्रमाण पत्र जारी किए हैं, उन्हें रद्द कर दिया गया 1 लोकसभा चुनाव के बीच आए इस जजमेंट ने राज्य ही नहीं बल्कि देश की राजनीति में भी उबाल ला दिया 1 ऐसा इसलिए क्योंकि ओबीसी के तहत ममता बनर्जी सहित कांग्रेस व विपक्ष के कई शासक दलों ने मुसलमानों को इस श्रेणी में आरक्षण दिया था 1 भारतीय जनता पार्टी और अन्य विपक्षी दल अपने अपने तरीके से इसे चुनवी मुद्दा बनाने में जुटे हैं 1 इसी बीच बड़ा सवाल यह है कि आखिर देश के कितने राज्यों में मुस्लिम समाज को आरक्षण दिया गया है? किस राज्य में कितने प्रतिशत मुस्लिम आरक्षण की व्यवस्था की गई है? आपको इसके बारे में बताते हैं 1

दरअसल, एक, दो या तीन नहीं बल्कि देश के 9 राज्यों में मुस्लिम आरक्षण की व्यवस्था की गई है 1 मौजूदा वक्त में केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक (कोर्ट का स्टे), बंगाल (अब रद्द कर दिया गया), तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार और राजस्थान में यह व्यवस्था है 1 केरल में शिक्षा में 8 फीसदी और नौकरियों में 10 फीसदी सीटें मुस्लिम समुदाय के लिए आरक्षित हैं 1 वहीं, तमिलनाडु में मुसलमानों को 3 ।5% आरक्षण दिया जाता है 1 कर्नाटक में मुस्लिमों के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण दिया गया था, जिसे बीजेपी सरकार ने ख़त्म कर दिया था 1 अब कांग्रेस ने राज्य में सत्ता में आते ही दोबारा मुस्लिम आरक्षण को लागू करने की कोशिश की, जिसपर कोर्ट ने स्टे लगा दिया 1 कर्नाटक में 32% ओबीसी कोटा के भीतर मुस्लिमों को 4% उप-कोटा मिला हुआ है 1 केरल में 30% ओबीसी कोटा में 12% मुस्लिम कोटा है 1 तमिलनाडु में पिछड़े वर्ग के मुसलमानों को 3 ।5% आरक्षण मिलता है 1 यूपी में 27 फीसदी ओबीसी कोटा के अंदर ही 28 मुस्लिम जातियों के लिए आरक्षण की व्यवस्था है 1 तेलंगाना में मुस्लिमों को ओबीसी कैटेगरी में 4 प्रतिशत आरक्षण है 1 आंध्र प्रदेश में ओबीसी आरक्षण में मुस्लिम रिजर्वेशन का कोटा 7% से 10% तक है 1 इसके अलावा बिहार, राजस्थान समेत कई राज्यों में जाति के आधार पर मुस्लिमों को ओबीसी आरक्षण में शामिल किया गया है 1 दरअसल, बीजेपी नेताओं के मुस्लिम आरक्षण पर दिए बयान के बाद इस बात की चर्चा हो रही है कि क्या इस व्यवस्था पर समीक्षा की जाएगी 1 इस मामले में राजस्थान की भजनलाल सरकार ने ओबीसी कोटे में 14 जातियों में शामिल मुस्लिमों को दिये जाने वाले आरक्षण की समीक्षा करने का फैसला किया है 1

सबसे पहले मुस्लिम आरक्षण की शुरुआत जो कि राजनैतिक था, 1909 के मार्ले मिंटो अधिनियम में मुस्लिमों के लिए पृथक निर्वाचन की व्यवस्था की गई 1 उस समय कांग्रेस ने इसका पुरजोर विरोध किया लेकिन 1916 के कांग्रेस के मुस्लिम लीग से लखनऊ समझौते में कांग्रेस ने पृथक निर्वाचन को स्वीकार कर लिया 1 बाद में इसका आगे के अधिनियमों में कई क्षेत्रों में उत्तरोत्तर बढ़ता गया जो आगे चलकर भारत के विभाजन का मुख्य कारण बना 1 धर्म-आधारित आरक्षण 1936 में केरल में भी लागू किया गया था, जो उस समय त्रावणकोर-कोच्चि राज्य था 1 साल 1952 में इसे 45% के साथ सांप्रदायिक आरक्षण से बदल दिया गया, 35% आरक्षण ओबीसी को आवंटित किया गया था, जिसमें मुस्लिम भी शामिल थे 1 साल 1956 में केरल के पुनर्गठन के बाद लेफ्ट की सरकार ने आरक्षण का प्रतिशत बढ़ाकर 50 कर दिया गया जिसमें ओबीसी के लिए आरक्षण 40% शामिल था 1 सरकार ने ओबीसी के भीतर एक सब कोटा बना दिया जिसमें मुसलमानों की हिस्सेदारी 10% थी जबकि भारत के संविधान में धर्म के आधार पर आरक्षण का प्रावधान नहीं है और तब भी नही था 1 खुद संविधान निर्माता बाबा साहेब आंबेडकर भी कहते थे कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जा सकता 1

दरअसल, राज्य स्तर पर मुस्लिमों की कई जातियों को ओबीसी लिस्ट में आरक्षण दिया जाता है 1 यह कैसे किया जाता है इसके पीछे संविधान के कुछ अनुच्छेदों में छिपी अस्पष्ट भावना का सहारा लेकर किया जाता है 1 संविधान के अनुच्छेद 16(4) के मुताबिक राज्य को पिछड़े वर्ग के नागरिकों के पक्ष में आरक्षण का प्रावधान करने में सक्षम बनाता है 1 इसी तरह अनुच्छेद 15(1) राज्य को नागरिकों के विरुद्ध धर्म और जाति के आधार पर भेदभाव करने से रोकता है 1 अनुच्छेद 16(1) अवसर की समानता प्रदान करता है और अनुच्छेद 15 (4) राज्य नागरिकों के किसी भी सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्ग की उन्नति के लिए प्रावधान कर सकता है 1 इसके अलावा अगर कोई दलित व्यक्ति हिंदू धर्म छोड़कर इस्लाम या ईसाई धर्म कबूल कर लेता है,

तो क्या उसे आरक्षण का लाभ मिलेगा ? ये मामला अभी सुप्रीम कोर्ट में है 1 इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट में संविधान के उस आदेश पर भी फैसला होना बाक़ी है, जिसमें कहा गया है कि हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म के दलितों के अलावा किसी और धर्म के लोगों को अनूसूचित का दर्जा नहीं दिया जा सकता 1 आदेश में ये भी कहा गया था कि ईसाई और इस्लाम धर्म को आदेश से इसलिए बाहर रखा गया है क्योंकि इन दोनों धर्मों में छुआछूत और जाति व्यवस्था नहीं है 1 यहां सबसे अधिक चौकाने वाली बात यह है कि संविधान बदलने की दुहाई देने वाले राजनेताओं के साथ कथित दलित और अंबेडकरवादियों ने देश के 9 राज्यों में ओबीसी कोटे में मुस्लिम आरक्षण की व्यवस्था पर चुप्पी साधे हुए है 1

एक महीने की नींद के बाद जागे देवगौडा

राजनीति में जितना लम्पट कोई हो सकता है, उतना किसी और प्रोफ़ेशन में संभव तक नहीं है। राजनीति में न उम्र का कोई बंधन है और न ही नैतिकता के किसी आधार पर कोई रोक-टोक। कई महिलाओं का बलात्कार करने और उनका वीडियो बनाने के बाद एक युवा सांसद विदेश भाग जाता है और उसके दादा पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौडा चुप्पी साधे बैठे रहते हैं। न इस मामले में उन्होंने कोई नैतिकता दिखाई और न ही ज़िम्मेदार राजनीतिज्ञ होने का परिचय दिया। पोते प्रज्वल रेवन्ना के विदेश भाग जाने के लगभग एक महीने के बाद अब देवगौडा ने मुँह खोला है कि मैं प्रज्वल से कहना चाहता हूँ कि तुरंत देश लौटें और जाँच का सामना करें।

अगर प्रज्वल ने मेरी बात नहीं मानी तो उसे पूरे परिवार के ग़ुस्से का सामना करना पड़ेगा। देवगौडा ने यह भी कहा कि हमारा परिवार जाँच के कार्य में किसी तरह का कोई हस्तक्षेप नहीं करेगा। अगर देवगौडा साहब को क़ानून और जाँच और न्याय व्यवस्था पर इतना ही भरोसा है तो पोते को देश से भागने ही क्यों दिया? सवाल यह है कि परिवार की दुहाई देने वाले नेताजी से क्या भागने से पहले प्रज्वल ने सलाह- मशविरा नहीं किया होगा? ज़रूर किया ही होगा, लेकिन इसके किसी के पास कोई सबूत तो हो नहीं सकते। लगता तो यह भी है कि कोई बड़ा आश्वासन मिलने पर ही देवगौडा ने पोते से देश लौटने की अपील की होगी। वर्ना एक महीने से मुँह में दही जमाए क्यों बैठे रहते?

मामला यह है कि सांसद रहते हुए प्रज्वल ने घर में काम करने वाली युवती सहित कई महिलाओं के साथ ग़लत काम किया। किसी के साथ ज़बर्दस्ती और किसी के साथ मर्ज़ी से रिश्वत के रूप में। दरअसल रिश्वत में अस्मत का यह देश का सबसे बड़ा और अनोखा मामला है। महिलाओं की अस्मत लूटकर उन्हें अलग- अलग विभागों में नौकरी दी गई। पहचान उजागर होने के डर से कई महिलाएँ अपना मुँह खोलने को तैयार नहीं है।

इसके अलावा कर्नाटक के सबसे बड़े इस राजनीतिक परिवार का डर भी उन्हें सता रहा है। यह मामला पहली बार तब उजागर हुआ जब देवगौडा परिवार के घर काम करने वाली एक महिला ने प्रज्वल के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई। इस बीच कर्नाटक सरकार लगातार केंद्र सरकार से माँग कर रही है कि कई महिलाओं का यौन शोषण करने वाले प्रज्वल रेवन्ना का राजनयिक पासपोर्ट तुरंत रद्द किया जाए।

उफ्फ इतनी गर्मी बचें हीट स्ट्रोक से !

डॉ घनश्याम बादल

मई जा रहा है और कुछ ही दिनों में जून आ जाएगा लगता इस बार सूरज कुछ ज्यादा ही गुस्से में है और धरती तथा इस पर रहने वाले जीव जंतुओं को जलाने पर तुला है । इस साल उत्तरी भारत में भी गर्मियों का तापमान 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचाने की भविष्यवाणी की गई थी जो अब सच होती दिख रही है। कहना आसान है लेकिन गर्मियों और उससे होने वाली बीमारियों से बचना बहुत मुश्किल है यदि आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि देश में वार्षिक रूप से होने वाली सर्वाधिक मौतों की जिम्मेदार यह जालिम गर्मी ही है । सामान्यतः गर्मियों में भी उत्तर भारत में तापमान 40 डिग्री के बीच ही सीमित रहता है लेकिन इस बार यह 48 डिग्री की सीमा तो छू चुका है तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि जून में क्या हाल होगा तथा जुलाई की आर्द्र गर्मी कैसे जानलेवा बन सकती है । अब गर्मी है तो है, लेकिन इससे बचने के उपाय हमें सोचने होंगे यदि गर्मी में होने वाली सबसे प्रचलित बीमारी 'हीटस्ट्रोक' जिसे सामान्य भाषा में 'लू लगना' कहा जाता है से बचाना है तो उसके बारे में जानना, उसके लक्षणों को पहचानना और फिर बचने के उपाय को अपनाना बेहद मददगार साबित हो सकता है।

लू लगने का सबसे सामान्य लक्षण है शरीर का तापमान अचानक बढ़ जाना । प्रायः देखने में आता है कि यदि तीन-चार दिन तक शरीर का सामान्य तापमान 90 डिग्री से ऊपर रहे तथा अचानक ही यह है 103 या 104 डिग्री तक पहुंच जाए नाड़ी की गति एकदम बढ़ जाए, शरीर में डिहाइड्रेशन के लक्षण नजर आने लगें , पसलियों की धड़कन बहुत तेज हो जाए, शरीर में बहुत अधिक कमजोरी लगने लगे, बार-बार अत्यधिक प्यास लगे तो समझ लेना चाहिए कि आप लू के शिकार हो गए हैं। यदि लू लग जाए तो इसे लापरवाही से नहीं लेना चाहिए अपितु शुरुआती दौर में ही इससे होने वाली हानियों से बचने का उपाय कर लेना चाहिए ।

बड़े बूढ़े कहा करते थे कि लू से बचने का सबसे पहले उपाय तो यही है कि हम नंगे सिर, नंगे बदन तेज धूप में न निकलें । पहले के लोग बाहर निकलते समय सिर पर टोपी या पगड़ी पहनते थे अथवा गीला कपड़ा या गमछा आदि रख लेते थे इसके पीछे आम धारणा लू से बचने की ही होती थी और यह बहुत कामयाब उपाय भी था । दूसरा उपाय वे लोग अपने खान-पान से कर लेते थे प्राचीन भारत में बाहर के खाने को कभी भी अच्छा नहीं माना गया । यदि तीखा, चटपटा एवं मसालेदार भी खाना होता था तो प्रायः घर में ही बनाकर खाया जाता था जिससे शुद्धता की गारंटी होती थी तथा पेट की बीमारियां नहीं होती थी गर्मी में भारतीय भोजन में मुख्य रूप से तरल पदार्थ एवं जल से भरपूर फलों का सेवन मुख्य रूप से होता था । घर में बनाए गए पेय पदार्थों में शिकंजी, शरबत, आम का पना, लुंजी,सत्तू, पौदीने,आम एवं प्याज की चटनी प्याज, टमाटर, खरबूजे, तरबूज, ककड़ी, खीरे आदि का भरपूर सेवन किया जाता था और इनकी वजह से शरीर

में तेज धूप में भी डिहाईड्रेशन की समस्या न के बराबर होती थी । इसके अतिरिक्त तत्कालीन समय में सी बिजली के पंखे या कूलर आदि न के बराबर थे तब घर भी कच्ची चिकनी मिट्टी के बनाते थे छत पर लकड़ी की शहतीर या कड़ियां डाली जाती थी और उनके ऊपर फूंस डालकर उन्हें गीली चिकनी मिट्टी से लेप दिया जाता था । कच्ची मिट्टी से मोटी दीवारें बनाई जाती थी जो पर्याप्त मात्रा में नमी को सोंख लेती थी तथा गर्मी को सीधे घर में प्रवेश नहीं करने देती थी। एक तरह से यह फूंस व चुना इंसुलेटर का काम करते थे और सूरज की गर्मी को परावर्तित कर देते थे और आम व्यक्ति भी लू के थपेड़ों से बच जाता था । लेकिन आज जीवन शैली बदल गई है और हम लोग पंखों कलरों या एक पर निर्भर हो गए हैं तो ध्यान रहे यदि लू से बचना है तो कम से कम इलेक्ट्रिक पंखों पर निर्भर रहने की गलती न करें क्योंकि ये पंखे केवल बाहर की हवा को ही खींच कर अंदर लाते हैं तथा आपकी लू से रक्षा नहीं कर सकते न ही आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा सकते हैं। यदि लू से बचना है तो कुछ सामान्य से उपाय एवं सावधानियां अपना गर्म दिन में कभी भी लोगों या पालतू जानवरों को बंद कार में न छोड़ें। यदि आपके घर में एयर कंडीशनिंग उपलब्ध नहीं है तो कूलिंग सेंटर पर जाएँ। ठंडे पानी से स्नान या शॉवर लें। ढीले, हल्के, हल्के रंग के कपड़े पहनें। अपने घर में तापमान कम करने में मदद के लिए अपने ओवन का कम उपयोग करें। यदि आप बाहर हैं, तो छाया ढूंढ़ें। अपने चेहरे की सुरक्षा के लिए पर्याप्त चौड़ी टोपी पहनें। हाइड्रेटेड रहने के लिए खूब सारे तरल पदार्थ पिएं। यदि संभव हो तो दोपहर की गर्मी के दौरान उच्च ऊर्जा वाली गतिविधियों या बाहर काम करने से बचें। गर्मी की ऐंठन, गर्मी की थकावट और हीट स्ट्रोक पर नजर रखें। पालतू जानवरों भी यदि बाहर हैं, तोउनके पास भरपूर ठंडा पानी और आरामदायक छाया हो।

श्रीदेवी के जाने के बाद धार्मिक हो गईं जान्हवी मां की मौत को नहीं स्वीकार कर पाई हैं अभिनेत्री

जान्हवी कपूर अपनी आगामी फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' को लेकर चर्चा बटोर रही हैं। यह एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है, जिसमें जान्हवी कपूर के साथ राजकुमार राव अहम भूमिका में हैं। हाल ही में जान्हवी ने बताया कि मां श्रीदेवी के जाने के बाद वह पहले से ज्यादा धार्मिक हो गई हैं और हर छोटी बात का खास ख्याल रखती हैं। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है।

हाल ही में, एक इंटरव्यू में जान्हवी ने श्रीदेवी के बारे में बताते हुए कहा, "वह ऐसी बातों में विश्वास करती थीं, जिस पर किसी का ध्यान नहीं जाता था। वह मानती थीं कि कुछ कामों को विशेष तिथियों पर किया जाना चाहिए,' 'शुक्रवार को बाल नहीं काटने चाहिए क्योंकि यह देवी लक्ष्मी को घर में प्रवेश करने से रोकता है,' और 'शुक्रवार को काले कपड़े पहनने से बचें।' मैंने कभी इस तरह के अंधविश्वास पर विश्वास नहीं किया।

श्रीदेवी का इन प्रथाओं में था विश्वास

जान्हवी ने आगे कहा, उनके निधन के बाद, मैंने उनमें विश्वास करना शुरू कर दिया, शायद बहुत ज्यादा। मुझे नहीं पता कि जब वह जीवित थीं तो मैं इतनी धार्मिक और आध्यात्मिक रूप से इच्छुक थी या नहीं। हम सभी इन प्रथाओं का पालन करते थे क्योंकि मम्मा करती थीं, लेकिन उनके निधन के बाद, हमारी संस्कृति और इतिहास का हिंदू धर्म के साथ संबंध... मुझे लगता है कि मैंने अपने धर्म में बहुत अधिक शरण लेना शुरू कर दिया है।

तिरुपति मंदिर जाने के पीछे की वजह का किया खुलासा

जान्हवी कपूर ने आंध्र प्रदेश के तिरुपति में तिरुमाला के श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर के भगवान बालाजी के प्रति अपनी मां की भक्ति के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा, "वह हर समय उनका नाम पुकारती रहती थीं, 'नारायण नारायण नारायण।' जब वह काम करती थीं तो हर साल अपने जन्मदिन पर वह मंदिर जाती थीं। अपनी शादी के बाद उन्होंने जाना बंद कर दिया। उनके निधन के बाद, मैंने हर साल उनके जन्मदिन पर मंदिर जाने का फैसला किया। पहली बार जब मैंने ऐसा किया, तो मैं बहुत भावुक हो गई, लेकिन मुझे बहुत मानसिक शांति भी मिली।"

'सलार 2' के ठंडे बस्ते में जाने की अफवाह, प्रशांत नील-प्रभास ने जमाई महफिल

प्रभास की एक्शन फिल्म 'सलार पार्ट 1: सीजफायर' 22 दिसंबर, 2023 को रिलीज हुई, जिसे दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाते हुए 750 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। फिल्म में प्रभास के साथ पृथ्वीराज सुकुमारन और शूरति हासन कई दिग्गज कलाकारों की टुकड़ी थी। प्रभास की फिल्म के पहले पार्ट में ही 'सलार पार्ट 2-शौर्यांग पर्वम' की भी पुष्टि हो गई। वहीं अब प्रशंसकों को फिल्म के सीक्वल का बेसब्री से इंतजार है, जिसकी नई जानकारियों का भी दर्शकों को इंतजार रहता है। हाल ही में अफवाह फैली थी कि फिल्म बंद होने वाली है, जिसे लेकर अब नई जानकारी सामने आई है।

'सलारः पार्ट 1- सीजफायर' के जरिए पैन इंडिया स्टार प्रभास और कन्नड़ निर्देशक प्रशांत नील ने पहली बार साथ काम किया था। वहीं अब वे 'सलार पार्ट 2-शौर्यांग पर्वम' के जरिए दूसरी बार साथ आ रहे हैं। हाल ही में निर्माताओं ने पुष्टि की कि 'सलार 2' का निर्माण इस महीने के अंत में शुरू होगा। हालांकि, पिछले कुछ दिनों में सोशल मीडिया पर कई तरह की अफवाह फैली हैं, जिसमें बताया गया है कि प्रभास और प्रशांत नील के बीच रचनात्मक मतभेदों के कारण फिल्म को बंद कर दिया गया है, जिससे कई लोग इन दावों पर विश्वास कर रहे हैं।

वहीं अब निर्माताओं ने अपने अंदाज में इन अफवाहों पर चुप्पी तोड़ी और इन फिल्म के ठंडे बस्ते में जाने वाली खबरों को खारिज किया। इन खबरों का खंडन करने के लिए फिल्म के निर्माताओं ने निर्देशक प्रशांत नील और प्रभास की एक तस्वीर साझा की, जिसमें वे मुस्कुराते हुए दिख रहे हैं। तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा है, 'वे अपनी हंसी नहीं रोक पा रहे हैं।' ऐसा लग रहा है कि टीम ने अप्रत्यक्ष रूप से यह प्रमाण दिया है कि ये खबरें झूठी हैं। उनकी इस पुष्टि ने प्रशंसकों को आश्वस्त किया कि फिल्म अभी भी पटरी पर है।

अगली कड़ी 'सलार पार्ट 2-शौर्यांग पर्वम' की कहानी की बात करें तो यह सलार और शौर्यांगस जनजाति के बीच संघर्ष को उजागर करेगी। इससे पहले चर्चा थी कि प्रशांत नील और प्रभास के बीच रचनात्मक मतभेद के कारण फिल्म बंद कर दी गई है। कहा गया कि प्रशांत अपनी अगली फिल्म के लिए जूनियर एनटीआर के साथ काम कर रहे हैं, जिसका अस्थाई शीर्षक 'एनटीआर 31' है, जिसकी शूटिंग अगस्त में शुरू होगी और इस वजह से प्रशांत 'सलार 2' के निर्माण पर ध्यान नहीं दे पाएंगे। हालांकि, अब निर्माताओं के पोस्ट ने इन खबरों पर रोक लगा दिया है।

'सलार' में प्रभास के साथ पृथ्वीराज सुकुमारन, श्रुति हासन, श्रिया रेड्डी, मीनाक्षी चौधरी, जगपति बाबू और अन्य शामिल थे। 'सलार 2' में पहले भाग के मुख्य कलाकार वापस आएंगे, साथ ही कुछ नए किरदार भी होंगे।

शहनाज गिल तपती गर्मी में समंदर किनारे ले रही हैं राहत की सांस, पर फैंस को क्यों याद आए सिद्धार्थ शुक्ला?

शहनाज गिल इन दिनों मॉरीशस में हैं, जहां इस समय तापमान काफी खुशनुमा है। बारिश की वजह से वादियां और ज्यादा खूबसूरत हो गई हैं और तपती गर्मी में शहनाज समंदर किनारे वहां राहत की सांस ले रही हैं। उनका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। आपने देखा क्या? 'बिग बॉस 13' से सुर्खियां बटोरने वाली शहनाज गिल अक्सर चर्चा में रहती हैं। इन दिनों वो मॉरीशस में हैं और वेकेशन इंजॉय कर रही हैं। उन्होंने आज अपना एक नया वीडियो शेयर किया है, जिसमें वो तपती गर्मी में समंदर किनारे ठंडी हवाओं के बीच राहत की सांस लेती दिख रही हैं। पर उन्होंने बैकग्राउंड में जिस गाने का इस्तेमाल किया है, उसे सुनकर फैंस को दिवंगत एक्टर सिद्धार्थ शुक्ला की याद आ गई! इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं। अपने 18 मिलियन फॉलोअर्स को अपडेट्स दिया करती हैं। वो पिछले दो दिनों से मॉरीशस में वेकेशन पर हैं और वहां की खूबसूरत वादियों में क्वालिटी टाइम बिता रही हैं।

शहनाज गिल ने अब अपना एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वो कभी बादलों से घिरे मॉरीशस की खूबसूरती दिखा रही हैं तो कभी समंदर किनारे रेत पर चलते हुए सनसेट इंजॉय कर रही हैं। स्विमिंग पूल में पानी में छई-छपाक-छई भी कर रही हैं।

इस वीडियो में शहनाज गिल ने 'साथिया' फिल्म के गाने 'ऐ उड़ी उड़ी उड़ी...' का इस्तेमाल किया है और यही वजह है कि उनके पोस्ट के कॉमेंट सेक्शन में फैंस सिद्धार्थ शुक्ला का जिक्र कर रहे हैं। दरअसल, शहनाज और सिद्धार्थ जब 'बिग बॉस 13' में थे, तब इसी गाने पर सिद्धार्थ और रश्मि देसाई ने रोमांटिक वीडियो शूट किया था, जिसे शहनाज गिल ने डायरेक्ट किया था। मालूम हो कि 2 सितंबर 2021 को हार्ट अटैक से सिद्धार्थ का निधन हो गया था।

बुरा व्यवहार करने वालों को श्राप देती हैं फराह बोलीं- मेरी काली जुबान से फिल्में होती हैं फ्लॉप

फराह खान बॉलीवुड की मशहूर फिल्म निर्माताओं में से एक हैं। हाल ही में, फराह द ग्रेट इंडियन कपिल शो का हिस्सा बनीं, जहां पर उन्होंने अपने प्रशंसकों के साथ खूब मस्ती की और अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी ढेर सारे खुलासे किए। नौवें एपिसोड की शुरुआत शानदार अंदाज में हुई, जब दोनों मेहमान फराह और अनिल कपूर अपने डांस मूव्स के साथ स्टेज पर पहुंचे, और फिर शो के मजाकिया होस्ट कपिल शर्मा के साथ हंसी-मजाक में उतर गए।

शो पर बातचीत के दौरान जब कलाकारों से पूछा गया कि क्या वह बदला लेने में विश्वास करते हैं। इस पर बहुमुखी प्रतिभा के धनी अनिल ने अपनी राय साझा की। अनिल ने कहा कि उन्हें अच्छा काम कर के बदला लेना पसंद है। हालांकि, फराह ने कहा कि वह बदला लेने में विश्वास नहीं करती हैं और नेगेटिव लोगों के प्रति अच्छी भावनाएं भी नहीं रखती हूं। मैं तो चाहती हूं कि मेरा नुकसान करने के बाद उनका जितना भी नुकसान हो, उतना कम है।

कोरियोग्राफर ने दिया यह मजेदार जवाब

जब फराह खान से यही सवाल पूछा गया तो उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा, मैं बदला नहीं लेती, लेकिन नकारात्मक भावनाएं रखती हूं।

मैं मन में बोलती हूं, 'तेरी वाट लग जाए !' मेरी जुबान काली है।

फराह आगे कहती हैं कि अगर किसी ने उन्हें बहुत दुख पहुंचाया है या उनके साथ बुरा व्यवहार किया है, तो वह उन्हें श्राप देती हैं। फराह कहती हैं, बेटा तेरी अगली दो-तीन पिक्चर तो गई! इसलिए जिनकी भी हाल के दिनों में फ्लॉप फिल्में आई हैं, उन्हें समझ लेना चाहिए कि ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि मैंने उन्हें श्राप दिया था। जब अनिल ने कहा, मेरी तो सब हिट है, तो फराह ने जवाब दिया, पापा जी, मैं आपके लिए ऐसा कभी नहीं चाहूंगी। मैं आपसे प्यार करती हूँ।

नैंसी त्यागी किंग खान के लिए बनाना चाहती हैं खास ड्रेस

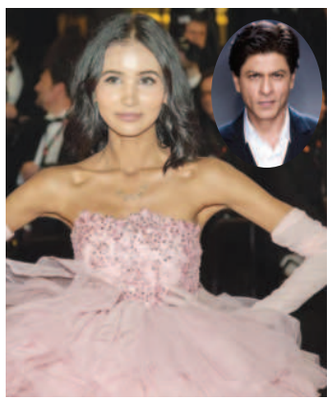

कान फिल्म फेस्टिवल में जितनी वाहवाही ऐश्वर्या राय बच्चन या फिर कियारा आडवाणी नहीं बटोर पाईं। उससे कहीं ज्यादा सराहना फैशन इंफ्लुएंस नैंसी त्यागी की हो रही है। उत्तर प्रदेश से कान फिल्म फेस्टिवल तक का सफर तय करने वाली नैंसी ने अपने आउटफिट्स से बड़े-बड़े फैशन डिजाइनर्स को मात दे दी है। कान फिल्म महोत्सव में हर नजर अपनी तरफ खींचने वाली नैंसी ने छोटे शहर से निकलकर अंतरराष्ट्रीय प्लेटफॉर्म पर भारत का प्रतिनिधित्व करने तक का सफर तय किया है। सोनम कपूर से लेकर भूमि पेडनेकर, रिया कपूर, सोनम कपूर और अर्जुन कपूर सहित कई बॉलीवुड सेलेब्स ने सोशल मीडिया के जरिए उन्हें अपना समर्थन दिया है। नैंसी ने अपनी एक ख्वाहिश की हैं कि वह किंग खान के लिए एक ड्रेस डिजाइन करनी चाहती हैं।

कौन हैं पायल कपाड़िया? 'कान' में सम्मान पाने वाली पहली भारतीय निर्देशक

कान फिल्म महोत्सव की धूम हर जगह हैं। पायल कपाड़िया की फीचर फिल्म 'ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट' का प्रीमियर 23 मई को 2024 कांस फिल्म फेस्टिवल में कॉम्पिटिशन सेक्शन में किया गया था। इस फिल्म फेस्टिवल में 30 साल बाद किसी फिल्म का प्रीमियर किया गया। यह फिल्म कॉम्पिटिशन सेक्शन में दिखाई जाने वाली पहली भारतीय फिल्म है। 77वें कांस फिल्म फेस्टिवल के आखिरी दिन शानदार अवॉर्ड फंक्शन हुआ, जहां भारतीय फिल्म 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' ने इतिहास रच दिया। पायल कपाड़िया की फीचर फिल्म ने इस फेस्टिवल में 'ग्रैंड प्रिक्स' अवॉर्ड जीता है। बता दें कि 'ग्रांड प्रिक्स पाल्मे डी' अवॉर्ड फिल्म फेस्टिवल का दूसरा सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार है। कान में फिल्म को 8 मिनट का स्टैंडिंग ओवेशन मिला। तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा हॉल गूंज उठा। आइये आपको बताते हैं कि आखिर कौन हैं पायल कपाड़िया।

कौन हैं पायल कपाड़िया

पायल कपाड़िया एक भारतीय फिल्म निर्देशक हैं, जिनकी फीचर फिल्म 'ऑल वी इमैजिन ऐज लाइट' कान फिल्म मोहत्सव के कॉम्पटीशन तक पहुंची है। 77वें कान फिल्म फेस्टिवल में फीचर फिल्म 'ऑल वी इमैजिन ऐज लाइट' ने सभी का दिल जीत लिया। दुनियाभर में पायल की इस फिल्म की चर्चा हो रही है। कान फेस्टिवल में 'ऑल वी इमैजिन ऐज लाइट' का प्रीमियर हुआ, जिसकी तारीफ में वहां पर मौजूद लोगों ने 8 मिनट तक खड़े होकर लगातार तालियां बजाईं। इस फिल्म के बेहतरीन निर्देशन का श्रेय पायल कपाड़िया को जाता है। इससे पहले पायल की फिल्म 'ए नाइट ऑफ नोइंग नथिंग' को 2021 में कान फिल्म फेस्टिवल में सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री फिल्म के लिए 'गोल्डन आई' अवार्ड मिला था। उनकी फिल्म आफ्टरनून क्लाउड्स एक ऐसी भारतीय फिल्म थी, जिसे 70वें कान फिल्म फेस्टिवल के लिए चुना गया था। उन्होंने अपनी फिल्म 'ऑल वी इमैजिन एज लाइट' के लिए 2024 के कान फिल्म फेस्टिवल में 'ग्रैंड

प्रिक्स' अवार्ड जीता है।

'ऑल वी इमैजिन ऐज लाइट' की कहानी

'ऑल वी इमैजिन ऐज लाइट' एक फीचर फिल्म है। इसकी कहानी दो नर्सों (प्रभा और अनु) पर आधारित है, जो साथ में रहती हैं। प्रभा की शादी अरेंज्ड मैरिज हुई और उसका पति विदेश में रहता है। दूसरी तरफ अनु की शादी नहीं हुई है, लेकिन उसे एक लड़के से प्यार है। प्रभा और अनु अपनी दो दोस्तों के साथ एक ट्रिप पर जाती हैं, जहां वो खुद को पहनाने की कोशिश करती हैं और फिर उन्हें आजादी के मायने समझ आते हैं। इस फिल्म में कनी कुश्रुति, दिव्या प्रभा, ऋधु हरूण, छाया कदम और अजीस नेदुमंगड़ जैसे सितारों ने बेहतरीन काम किया है।

2021 में शॉर्ट फिल्म को कान में मिला था अवॉर्ड

पायल कपाड़िया ने साल 2014 से लेकर 2024 तक चार शॉर्ट फिल्में बनाई हैं। उन्होंने 'ए नाइट ऑफ नोइंग नथिंग' नाम की शॉर्ट फिल्म का निर्देशन किया था, जिसे कान फिल्म फेस्टिवल में 2021 में दी गोल्डन आई अवॉर्ड मिला था। इसके आलावा उनकी शॉर्ट फिल्मों में 'एंड व्हॉट इज द समर सेइंग', 'द लास्ट मैंगो बिफोर द मॉनसून', 'आफ्टरनून क्लाउड्स' और 'वॉटरमेलन, फिश एंड द हाफ घोस्ट' शामिल हैं।

कौन है कार्तिक आर्यन की 'चंदू चैंपियन' में दिखी 'मिस्ट्री गर्ल' भाग्यश्री बोर्स ?

हाल ही कार्तिक आर्यन की फिल्म 'चंदू चैंपियन' का ट्रेलर रिलीज किया गया, जिसे अच्छा रिस्पॉन्स मिला। लेकिन सभी की नजरें एक 'मिस्ट्री गर्ल' पर ठहर गईं और हर कोई जानना चाहता था कि आखिर यह कौन? प्रोमो में नजर आए ज्यादातर सितारे तो पहचान में आ गए, पर हीरोइन कौन है, यह पता नहीं चला। दरअसल 'चंदू चैंपियन' की इस 'मिस्ट्री गर्ल' का नाम भाग्यश्री बोर्स है। 'सैसी संडे' सीरीज इसी खूबसूरत हसीना के बारे में बता रहे हैं।

तेलुगू फिल्मों में किया काम, मॉडल भी

भाग्यश्री पुणे की रहने वाली हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने तेलुगू फिल्म इंडस्ट्री में भी काम किया है। वह रवि तेजा स्टारर 'मिस्टर बच्चन' में नजर आई थीं।

इतनी पढ़ी-लिखी हैं भाग्यश्री बोर्स

भाग्यश्री बोर्स ने नाइजीरिया से अपनी पढ़ाई की और फिर इंडिया वापस आकर बिजनेस मैनेजमेंट का कोर्स किया। इसी दौरान वह मॉडलिंग करने लगीं और कुछ ब्रांड्स को एंडोर्स किया।

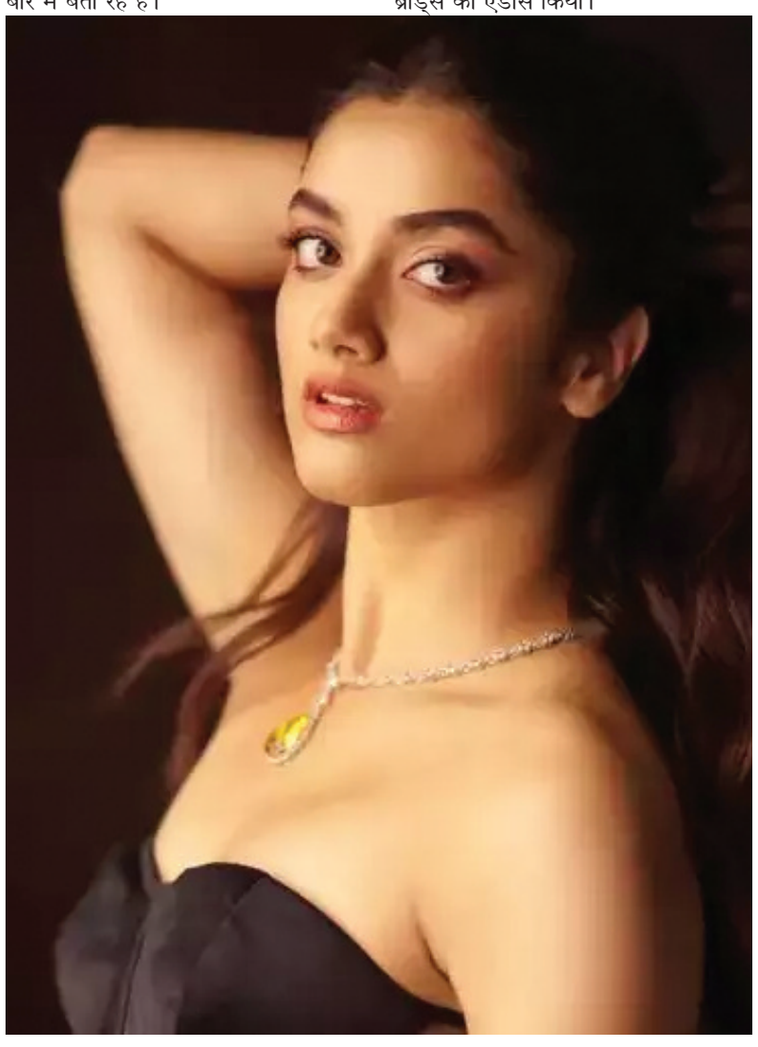

भाग्यश्री बोर्स ने 'यारियां 2' से किया था बॉलीवुड डेब्यू

भाग्यश्री एक मॉडल और एक्ट्रेस हैं। वह साल 2023 में आई फिल्म 'यारियां 2' में एक छोटे से रोल में नजर आई थीं। वह 'चंदू चैंपियन' में छोटे, लेकिन खास रोल में नजर आएंगी। भाग्यश्री ने 'यारियां 2' से बॉलीवुड डेब्यू किया था।

डांस और एक्टिंग का शौक

भाग्यश्री के बारे में वैसे तो और ज्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन उन्हें एक्टिंग के अलावा डांस का बेहद शौक है।

विजय देवरकोंडा संग फिल्म की चर्चा

रिपोर्ट्स हैं कि भाग्यश्री बोर्स अब विजय देवरकोंडा की फिल्म VD12 में नजर आ सकती हैं। लेकिन अभी कोई अनाउंसमेंट नहीं की गई है।

'हमें तोड़ने वाले बहुत थे, जोड़ने वाले कम', बादशाह ने हनी सिंह से खत्म किया विवाद, दीं शुभकामनाएं

बादशाह भारत के मशहूर गायक-रैपर हैं। उन्होंने कई सुपरहिट गाने दिए हैं। मौजूदा दौर की बॉलीवुड फिल्मों में उनकी जबर्दस्त मांग है। उनके गाने को हिट की गारंटी माना जाता है। हालांकि, एक वक्त ऐसा भी था, जब संगीत की दुनिया में बादशाह नहीं मशहूर रैपर हनी सिंह की तूती बोलती थी। हनी सिंह उस वक्त देश के एकमात्र मशहूर रैपर थे। उस दौर में बादशाह भी हनी सिंह के साथ काम किया करते थे। हालांकि, इसके बाद दोनों में दूरियां आ गई थी और फिर दोनों के बीच लगातार तकरार देखने को मिलती रही।

बादशाह ने हनी सिंह से विवाद खत्म किया

बादशाह और हनी सिंह के बीच विवाद सार्वजनिक है, लेकिन शुक्रवार को देहरादून कॉन्सर्ट में बादशाह ने हनी सिंह के साथ लंबे समय से चले आ रहे विवाद को खत्म कर दिया है। 38 वर्षीय रैपर ने देहरादून में ग्रैफेस्ट 2024 में अपने प्रदर्शन के दौरान इन विवादों पर विराम लगाते हुए कहा कि वह आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं। मशहूर रैपर बादशाह ने कहा, ₹मेरे जीवन में एक ऐसा दौर था जब मेरे मन में एक व्यक्ति के प्रति काफी द्वेष था और अब मैं इसे खत्म करना चाहता हूं। उस व्यक्ति से द्वेष को अब पीछे छोड़ना चाहता हूं और वो व्यक्ति हैं हनी सिंह।

हमें तोड़ने वाले बहुत थे- बादशाह

बादशाह ने आगे कहा ,₹मैं कुछ गलतफहमी के कारण दुखी था, लेकिन फिर मुझे अहसास हुआ कि जब हम साथ थे तो जोड़ने वाले बहुत कम थे, मगर तोड़ने वाले बहुत थे। आज, मैं बस सभी को यह बताना चाहता हूं कि मैंने वह दौर पीछे छोड़ दिया है और अब मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं₹। हालांकि, बादशाह के इस बयान पर 41 वर्षीय हनी सिंह ने अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है।

श्रुति हासन जल्दबाजी में सिर पर तौलिया लपेटे ही निकल आईं बाहर, हाल देखकर खुद की ही छूटी हंसी

श्रुति हासन हड़बड़ी में कुछ ऐसा कर बैठीं कि हाल देखकर उनकी खुद की हंसी छूट गई। श्रुति हासन जल्दी-जल्दी में सिर पर तौलिया लपेटे हुए ही निकल आईं और पता नहीं चला।श्रुति हासन ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर तस्वीर शेयर कर हाल बताया और खुद ही हंसने पड़ीं।

हाल ही श्रुति हासन के साथ कुछ ऐसा हो गया, जिससे वह शर्मिंदा हो गईं। दरअसल वह जल्दबाजी में घर से निकलीं तो सिर से तौलिया हटाना ही भूल गईं। वह सिर पर तौलिया लपेटे हुए ही बाहर आ गईं। श्रुति को जब इसका अहसास हुआ तो वह झेंप गईं। हालांकि, एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर सिर पर तौलिया लपेटे हुए अपनी तस्वीर शेयर की, जो वायरल हो रही है।

तस्वीर शेयर कर श्रुति हासन ने लिखा था, 'कितना अस्त-व्यस्त हो गया है। मैं जल्दबाजी में सिर पर तौलिया लगाए ही निकल आई।' अपनी इस हरकत पर श्रुति हासन को खुद ही हंसी आ रही थी। लग रहा है कि श्रुति हासन अपनी किसी रिहर्सल में जा रही थीं और जल्दबाजी में ऐसी गलती कर बैठीं। यश की 'टॉक्सिक' में बॉलीवुड की दो हसीनाओं की एंट्री, करीना कपूर बनेंगी रॉकिंग स्टार की बहन, होगा साउथ डेब्यू!

शांतनु हजारिका संग ब्रेकअप से चर्चा में

श्रुति हासन हाल ही शांतनु हजारिका संग अपने ब्रेकअप को लेकर चर्चा में आईं। पिछले काफी समय से दोनों के ब्रेकअप की खबरें आ रही थीं, लेकिन एक्ट्रेस कुछ भी कहने से बच रही थीं। श्रुति हासन और शांतनु हजारिका लिव-इन में रह रहे थे, पर उन्होंने अप्रैल में इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो भी कर दिया था। प्रोफेशनल फ्रंट की बात करें, तो श्रुति हासन के पास अभी तो अहम प्रोजेक्ट हैं। एक फिल्म रजनीकांत के साथ है, जिसका नाम 'कुली' है। इसे लोकेश कनगराज डायरेक्ट करेंगे। दूसरी फिल्म एक्टर अदिवि शेष के साथ है, जिसका नाम 'डकैत' है।

गैस सिलेंडर से लेकर बैंक से जुड़े नियम, 1 जून को होंगे कई बड़े बदलाव, आम आदमी की जेब पर पड़ेगा सीधा असर

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)। देश में हर महीने की पहली तारीख को कई बड़े बदलाव होते हैं। अब मई का महीना खत्म होने वाला है। कुछ ही दिन बाद जून के महीने की शुरुआत हो जाएगी। एक जून से भी कई बड़े बदलाव होने जा रहे हैं। इन बदलावों का असर सीधा आम आदमी की जेब पर पड़ने वाला है। यहां हम आपको इन सभी बदलावों की जानकारी देने जा रहे हैं, जिससे आपको किसी तरह की कोई समस्या न हो। इन बदलावों में गैस सिलेंडर की कीमतों से लेकर बैंकों से जुड़े नियम आदि शामिल हैं। आपको इन सभी बदलावों की जानकारी होना जरूरी है। आईए आपको बताते हैं एक जून से क्या बड़े बदलाव होने जा रहे हैं।

एलपीजी सिलेंडर की कीमत

देश में हर महीने की पहली

तारीख को एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बदलाव होता है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियां रसोई गैस के सिलेंडर की कीमत तय करती हैं। कंपनियां 14 किलो वाले घरेलू और 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर के दाम तय करती हैं। इसी के साथ ही सीएनजी और पीएनजी की कीमतें भी तय होती हैं। ऐसे में जून की पहली तारीख में गैस की कीमतों में बदलाव हो सकता है। 1 जून को ऑयल मार्केटिंग कंपनियां गैस सिलेंडर की कीमतें तय करेंगी।

आधार कार्ड अपडेट

यूआईडीएआई ने आधार कार्ड को फ्री में अपडेट करने की तारीख 14 जून कर दी है। आधारकर्ता आसानी से ऑनलाइन आधार कार्ड को अपडेट कर सकते हैं। हालांकि, ऑफलाइन अपडेट यानी आधार केंद्र में जाकर अपडेट करवाने पर 50 रुपये प्रति अपडेट चार्ज देना होगा।

लगेगा भारी जुर्माना

देश में वाहन चलाने की उम्र 18 साल है। अगर 18 साल से कम उम्र का कोई नाबालिग गाड़ी चलाता है तो उस पर मोटा जुर्माना लगेगा। नाबालिग गाड़ीचलाते हुए पाते हैं तो उसे 25,000 रुपये तक का जुर्माना देना होगा। इसके अलावा माइनर को 25 साल की उम्र तक लाइसेंस भी नहीं मिलेगा।

नियमों में बदलाव

देश में एक जून से ट्रैफिक के नियमों में भी बदलाव हो रहे हैं। जून में ड्राइविंग लाइसेंस के नए नियम लागू होंगे। अगर कोई व्यक्ति इन नियमों का उल्लंघन करता है तो उसे भारी जुर्माना भरना पड़ेगा।

विदेशी निवेशकों की बढ़ गई चिंता

मई में अब तक निकाले 22 हजार करोड़ रुपये

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)। विदेशी निवेशकों की भारतीय शेयर बाजार में बिकवाली लगातार जारी है। चुनावी नतीजों को लेकर विदेशी निवेशकों का भरोसा डगमगाया हुआ है। विदेशी निवेशक शेयर बेचकर अपना पैसा निकाल रहे हैं। इस महीने यानी मई में भी विदेशी निवेशकों ने जमकर बिकवाली की है। इसका असर शेयर बाजार पर देखने को मिल रहा है। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। बीते सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ था। लोकसभा चुनाव के नतीजों को लेकर अनिश्चितता और चीन के बाजारों के बेहतर प्रदर्शन के कारण विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने अबतक भारतीय शेयरों से 22,000 करोड़ रुपये की भारी निकासी की है।

इससे पहले मॉरीशस के साथ भारत की कर संधि में बदलाव और अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल में निरंतर वृद्धि को लेकर चिंता के बीच एफपीआई ने अप्रैल में शेयरों से 8,700 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी की थी। वहीं एफपीआई ने मार्च में शेयरों में 35,098 करोड़ रुपये और फरवरी में 1,539 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। आगे चलकर जैसे-जैसे चुनाव के मोर्चे पर चीजें स्पष्ट होंगी, एफपीआई की भारतीय बाजार में लिवाली बढ़ेगी।

चुनाव के बाद कर सकते हैं खरीदारी

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, एफपीआई की लिवाली का सिलसिला चुनावी नतीजों से पहले भी शुरू हो सकता है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने (24 मई तक) शेयरों से शुद्ध रूप से 22,047 करोड़ रुपये निकाले हैं। एफपीआई की भारी बिकवाली की वजह चीन के शेयर बाजार का बेहतर प्रदर्शन है। भारत में आम चुनाव की वजह से भी एफपीआई बिकवाली कर रहे है।

चुनावी नतीजों का इंतजार

जानकारों के मुताबिक, आम चुनाव के नतीजों को लेकर अनिश्चितता के बीच विदेशी निवेशक इस समय भारतीय शेयर बाजारों में उतरने से कतरा रहे हैं। वे इसके लिए चुनावी नतीजों का इंतजार कर रहे हैं। समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने ऋण या बॉन्ड बाजार में 2,009 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

इससे पहले एफपीआई ने मार्च में बॉन्ड बाजार 13,602 करोड़ रुपये, फरवरी में 22,419 करोड़ रुपये और जनवरी में 19,836 करोड़ रुपये का निवेश किया था।

कुल मिलाकर इस साल एफपीआई शेयरों से 19,824 करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं। इस दौरान उन्होंने बॉन्ड बाजार में 46,917 करोड़ रुपये डाले हैं।

डिजिटल पेमेंट में नंबर 1 है भारत, फिर ऐपल को दिल्ली-मुंबई में क्यों लगानी पड़ी नोट गिनने की मशीन?

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)। भारत डिजिटल पेमेंट के मामले में दुनिया में नंबर वन है लेकिन आईफोन बनाने वाली अमेरिका की दिग्गज कंपनी ऐपल को भारत में अजीब समस्या का सामना करना पड़ रहा है। कंपनी ने पिछले साल अप्रैल में दिल्ली और मुंबई में अपने स्टोर खोले थे। लेकिन बड़ी संख्या में ग्राहक ऑनलाइन पेमेंट करने के बजाय कैश पेमेंट करना पसंद करते है। इस कारण कंपनी को दोनों स्टोर्स में नोट गिनने वाली मशीनें लगानी पड़ी। सूत्रों के मुताबिक भारत में अमेरिकी कंपनी के दो स्टोर्स में होने वाली कुल बिक्री में 7-9% हिस्सा नकद भुगतान का है। अमेरिका या यूरोपीय देशों में कंपनी के स्टोर्स पर कैश पेमेंट की हिस्सेदारी एक फीसदी से भी कम है। कई स्टोर्स में तो कैश पेमेंट जीरो है। लेकिन भारत में ग्राहक अब भी मोबाइल फोन या कंप्यूटर खरीदने के लिए नकदी के बंडल लेकर स्टोर पर आते रहते हैं।

सूत्रों का कहना है कि सवाल-

जवाब वाली सोशल वेबसाइट लोग इस तरह के सवाल पूछते हैं कि क्या भारत में ऐपल के स्टोर्स पर कैश में पेमेंट किया जा सकता है। एक सूत्र ने बताया कि ऐपल के दिल्ली स्टोर में नकद भुगतान करने वाले ग्राहकों की संख्या मुंबई की तुलना में ज्यादा है। भारत में दोनों स्टोर्स की रिपोर्टिंग लाइन सीधे अमेरिका में ऐपल रिटेल टीम को है। वे ऐपल इंडिया के सेल्स ऑपरेशन को रिपोर्ट नहीं करते हैं। उनकी सेल्स ग्लोबल फाइनेंशियल रेकॉर्ड्स में भी शामिल है। हालांकि, ऐपल भारत में कैश पेमेंट्स की समस्या से जूझने वाली अकेली कंपनी नहीं है। सरकार ने 2017 से प्रति व्यक्ति रोजाना दो लाख रुपये नकद लेनदेन की सीमा लागू की है। इसका उद्देश्य डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करना और काले धन पर अंकुश लगाना है।

कैश इन सर्कुलेशन

भारत में डिजिटल ट्रांजैक्शन में बढ़ोतरी के बावजूद कैश इन सर्कुलेशन में भी भारी तेजी देखी गई है। मार्च 2017 में यह 13.35 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर मार्च 2023 में 35.15 लाख करोड़ रुपये हो गई है। यह स्थिति तब है जबकि देश में यूपीआई के माध्यम से डिजिटल भुगतान में पर्याप्त वृद्धि हुई है। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल 2023 के अंत तक 19.64 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई, जो मार्च 2017 में 2,425 करोड़ रुपये थी। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन का अनुमान है कि भारत में 15% से 20% तक कारों की खरीद लोग अपने पैसों से करते हैं। यहां तक कि लग्जरी गाड़ियों को खरीदने के लिए भी लोग दो लाख रुपये तक का नकद भुगतान करते हैं। बाकी रकम का भुगतान विभिन्न तरीकों से किया जा सकता है। इनमें अकाउंट पेयी चेक, बैंक ड्राफ्ट, इलेक्ट्रॉनिक क्लियरिंग सिस्टम, नेट बैंकिंग या डेबिट कार्ड शामिल हैं।

जर्मनी की लक्जरी कार कंपनी मर्सिडीज-बेंज इंडिया के मुताबिक मुंबई और बेंगलुरु में नकद और सेल्फ फंडेड परचेज खरीद का हिस्सा 25% है, जबकि देशभर के अन्य बाजारों में यह 15% है। मर्सिडीज बेंज इंडिया के एमडी संतोष अय्यर ने कहा कि लगभग 20% ग्राहक पूरी तरह नकद खरीदारी करना पसंद करते हैं। दिल्ली में एक कार डीलर ने बताया कि एक खरीदार पूरी तरह कैश में सुपर लग्जरी कार खरीदना चाहता था।

मनीष राज सिंघानिया ने कहा कि कई ग्राहक ब्याज से बचने के लिए फाइनेंशियल विकल्पों का लाभ नहीं उठाना चाहते हैं और इसके बजाय अपनी बचत का उपयोग करके पूर्ण भुगतान करना पसंद करते हैं। कुछ खरीदारों के पास बैंक लोन के लिए आवश्यक दस्तावेज, जैसे आयकर रिटर्न नहीं होते हैं या उन्हें ऋण-योग्य नहीं माना जा सकता है।

गेहूं खरीद पिछले साल के पार पंजाब और हरियाणा से सबसे ज्यादा मंगाए गए अनाज

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय पूल में गेहूं की खरीद पिछले साल के आंकड़े को पार कर गई है। पंजाब और हरियाणा में कुछ दिन पहले जोरदार खरीद के कारण इस सत्र में पहली बार पिछले साल से अधिक खरीदारी हुई है। 1 अप्रैल से 22 मई तक के आंकड़ों से पता चलता है कि केंद्रीय पूल में 262.9 लाख टन गेहूं खरीदा गया है, जबकि पिछले साल की समान अवधि में 261.6 लाख टन गेहूं खरीदा गया था।

प्रमुख मंडियों में आवक कम होने के साथ ज्यादातर विशेषज्ञों का कहना है कि इस सीजन में कुल खरीद 270 से 290 लाख टन के बीच रह सकती है, जो पिछले साल के 261.9 लाख टन से मामूली अधिक होगी। यह वित्त वर्ष 2025 के लिए 300 से 320 लाख टन खरीद के लक्ष्य की तुलना में बहुत कम है। इसका यह भी मतलब है कि लगातार तीसरे साल केंद्रीय पूल में भारत की आधिकारिक गेहूं खरीद लक्ष्य से कम रहेगी, जिसका इस्तेमाल गरीबों को अनाज देने के लिए किया जाता है। खरीद में गिरावट की प्राथमिक वजह यह है कि किसान अपना उत्पाद ज्यादा दाम पर निजी खरीदारों को बेचना पसंद कर रहे हैं। गेहूं खरीद में गिरावट की बड़ी वजह मध्य प्रदेश से कम खरीद है। मध्य प्रदेश से 80 लाख टन खरीदने का लक्ष्य था, जबकि करीब 48 लाख टन खरीदा गया है, जो पिछले साल हुई खरीद का करीब 33 प्रतिशत है। ज्यादातर कारोबारियों का कहना है कि मध्य प्रदेश में गेहूं की फसल अनुमान से कम है।

उम्मीद से ज्यादा उत्पादन से काबू में रहेंगे चीनी के दाम

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)। सबसे अधिक चीनी उत्पादन करने वाले देश ब्राजील में चीनी उत्पादन कम होने के बावजूद इस वर्ष वैश्विक चीनी उत्पादन में खास असर की संभावना नहीं है। अमेरिकी कृषि विभाग के मुताबिक इस वर्ष वैश्विक चीनी उत्पादन 250 लाख टन बढ़कर 1860 लाख मीट्रिक पहुंचने का अनुमान है जो ब्राजील के कम उत्पादन की भरपाई कर देगा। भारत में चीनी उत्पादन अधिक होने का अनुमान है। खपत के मुकाबले उत्पादन अधिक होने से चीनी कीमतें स्थिर रहने वाली है इसके साथ ही भारतीय उद्योग की निर्यात मांग को मजबूत किया है। इस साल भारतीय चीनी संगठन देश में चीनी उत्पादन कम रहने का भले ही अनुमान लगा रहे है लेकिन वैश्विक रिपोर्ट भारत में चीनी उत्पादन पिछले साल के अपेक्षा अधिक रहने का अनुमान लगा रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक ब्राजील में चीनी उत्पादन में गिरावट की भरपाई दक्षिण पूर्व एशिया में उच्च उत्पादन से हो जाएगी। भारत में चीनी उत्पादन बढ़कर 345 लाख टन पहुंचने का अनुमान है जो पिछले सीजन के मुकाबले पांच लाख टन अधिक है। थाईलैंड में चीनी उत्पादन 16 फीसदी बढ़कर 102 लाख टन होने की उम्मीद है। ऑस्ट्रेलिया का उत्पादन एक लाख टन बढ़कर 42 लाख टन, चीन में उत्पादन पांच लाख टन बढ़कर 104 लाख टन होने का अनुमान है।

चौथी तिमाही में 6.1-6.7 प्रतिशत रहेगी आर्थिक वृद्धि दर

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)। बीते वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.1 से 6.7 प्रतिशत के बीच रहने की उम्मीद है। यह इससे पिछली तिमाहियों में दर्ज आठ प्रतिशत की वृद्धि दर से कम है। विभिन्न अर्थशास्त्रियों ने यह अनुमान लगाया है। सरकार चौथी तिमाही के जीडीपी आंकड़े और पूरे वित्त वर्ष के लिए अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर का अनुमान 31 मई को जारी करेगी। अर्थशास्त्रियों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2023-24 में वृद्धि दर 7.6-7.8 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है।

भारतीय अर्थव्यवस्था 2023-24 की जून तिमाही में 8.2 प्रतिशत, सितंबर तिमाही में 8.1 प्रतिशत और दिसंबर तिमाही में 8.4 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। कोटक महिंद्रा बैंक की मुख्य अर्थशास्त्री उपासना भारद्वाज ने कहा कि मुख्य आंकड़े व्यापक रूप से मजबूत वृद्धि का संकेत देते हैं। उन्होंने कहा, ''विनिर्माण गतिविधियां भी अच्छी रही हैं, और निर्माण से जुड़े और निवेश क्षेत्रों का प्रदर्शन भी बेहतर रहना चाहिए। हालांकि, कृषि क्षेत्र की वृद्धि धीमी पड़ सकती है। हमारा अनुमान है कि चौथी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 6.1 प्रतिशत रहेगी और पूरे वित्त वर्ष के लिए यह आंकड़ा 7.6 प्रतिशत के करीब रहेगा।'' 31 मई, 2023 को जारी अनुमान के अनुसार, वित्त वर्ष 2022-23 की मार्च तिमाही में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.1 प्रतिशत रही थी। पूरे वित्त वर्ष 2022-23 के लिए यह आंकड़ा सात प्रतिशत था।

भारद्वाज ने कहा, ''हम सेवा क्षेत्र और औद्योगिक क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों में कुछ नरमी देख रहे हैं। यही कारण है कि चौथी तिमाही में सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) 5.7 प्रतिशत और जीडीपी वृद्धि दर 6.1 प्रतिशत रहने की उम्मीद है।''

जीडीपी एक निश्चित अवधि में उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं का कुल मूल्य होता है। वहीं जीडीपी में शुद्ध करों (कुल कर संग्रह में से सब्सिडी हटाकर) को हटाने पर जीवीए निकलता है।उन्होंने कहा, ''जहां तक चालू वित्त वर्ष (2024-25) का सवाल है, कोटक महिंद्रा बैंक को उम्मीद है कि वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत रहेगी। हालांकि, इसके ऊपर की ओर जाने की गुंजाइश है।''भारद्वाज ने कहा कि ग्रामीण खपत में तेजी आने की संभावना है। हालांकि, चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में निर्यात वृद्धि प्रभावित हो सकती है।उन्होंने कहा, ''फिलहाल, निर्यात काफी अच्छा बना हुआ है। हमने निर्यात पर मांग में किसी भी वैश्विक व्यवधान का बहुत अधिक प्रभाव देखने को नहीं मिला है। हालांकि, आगे चलकर इसका कुछ प्रभाव दिखने की उम्मीद है। यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां वृद्धि को झटका लगने की आशंका है।''

चुनाव में जीती बीजेपी तो ये 10 शेयर बना देंगे करोड़पति!

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)। आम चुनाव 2024 के लिए सात चरणों में से छह चरण पूरे हो चुके हैं। एक चरण बाकी है। यह 1 जून 2024 को पूरा हो जाएगा। नतीजे 4 जून 2024 को घोषित होंगे। भारतीय शेयर बाजार इस समय नई ऊंचाइयों को छू रहा है। बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी दोनों ही अपने ऑल-टाइम हाई के करीब हैं। निवेशक उत्साहित हैं। इस दौर में निवेशकों को कहां निवेश करना चाहिए और इस समय कौन से शेयर सही हैं? टॉप एक्सपर्ट्स ने इस पर अपनी राय जाहिर की है।

इन शेयरों पर दांव लगा रहे हैं एक्सपर्ट्स

लोक चुनाव 2024 पर विशेष कार्यक्रम के दौरान मार्केट एक्सपर्ट विनीत बोलिन्जकर और आशीष माहेश्वरी ने ईटी नाउ स्वदेश से खास बातचीत की। उन्होंने 10 ऐसे शेयर सुझाए हैं जो लोकसभा चुनाव के नतीजे बीजेपी के पक्ष में आने पर करोड़पति बना सकते हैं। इस जोड़ी ने जिन शेयरों पर दांव लगाया है उनमें अडानी एंटरप्राइज, एसबीआई, एचएएल, एनटीपीसी, तेजस नेटवर्क, पीरामल फार्मा, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल), रेस्पॉन्सिव इंडस्ट्रीज, अमारा राजा बैटरीज और केफिनटेक शामिल हैं। आइए, इनमें से हरेक शेयर का टारगेट प्राइस देखते हैं।

अडानी एंटरप्राइजेज अडानी ग्रुप की प्रमुख कंपनी है। यह कोयला और आयरन ओर के खनन और व्यापार में शामिल है। अडानी एंटरप्राइजेज के शेयर का मौजूदा बाजार मूल्य बीएसई पर 3,384.65 रुपये प्रति शेयर है। एक्सपर्ट आशीष माहेश्वरी ने इसमें 'खरीद' की सलाह दी है। छह महीने की अवधि के लिए शेयर का टारगेट प्राइस 4,400 रुपये प्रति शेयर तय किया है। मार्केट एक्सपर्ट विनीत ने सीएमपी पर एसबीआई के शेयरों में 'खरीद' की सलाह दी है। उन्होंने 2 साल की अवधि के लिए 1100 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) देश में सार्वजनिक क्षेत्र का सबसे बड़ा बैंक है। इसका बाजार पूंजीकरण 7.39 लाख करोड़ रुपये है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर एसबीआई स्टॉक का मौजूदा बाजार मूल्य 828.60 रुपये प्रति शेयर है। HAL के शेयर पिछले महीने 30 फीसदी बढ़े हैं। इसका वर्तमान बाजार मूल्य (CMP) 5,160.90 रुपये प्रति शेयर है। पिछले एक साल में स्टॉक ने 250% का रिटर्न दिया है। आशीष माहेश्वरी के अनुसार, छह महीने की अवधि में स्टॉक के लिए 6,000 रुपये का टारगेट प्राइस रखा गया है। चुनाव नतीजों से पहले एक और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (PSU) के शेयर ने बाजार विशेषज्ञों का ध्यान खींचा है। पावर पीएसयू कंपनी एनटीपीसी के शेयर में पिछले महीने 5% की बढ़ोतरी हुई है। एनटीपीसी के शेयर का मौजूदा बाजार मूल्य (सीएमपी) 374.85 रुपये प्रति शेयर है। पिछले साल इस शेयर ने 115% का रिटर्न दिया है। विनीत ने 2 साल की अवधि के लिए इसमें 450 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर तेजस नेटवर्क के शेयर का मौजूदा बाजार मूल्य 1153.80 रुपये है। कंपनी दूरसंचार उपकरण और सहायक उपकरण के निर्माण में शामिल है। आशीष माहेश्वरी ने तेजस नेटवर्क के शेयरों के लिए 6 महीने की अवधि में 1400 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है।

पिरामल फार्मा के शेयर ने पिछले साल 107% की बढ़त दिखाई है। फिलहाल, शेयर का बाजार मूल्य 149 रुपये है। विनीत ने 2 साल की अवधि में पिरामल फार्मा के लिए 250 रुपये का टाइगेट प्राइस दिया है।

यह बाजार विशेषज्ञों के पसंदीदा स्टॉक में से एक है। पिछले एक वर्ष में शेयर ने 173% का रिटर्न दिया है। बीईएल स्टॉक का वर्तमान बाजार मूल्य 297 रुपये है। पिछले दो हफ्तों में यह 20% बढ़ा है। बाजार विशेषज्ञ माहेश्वरी ने बीईएल स्टॉक के लिए 6 महीने की में 360 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह	स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	वृष	में	वृष--	04-58 बजे
चंद्र-	धनु	में	मिथुन..	06-58 बजे
मंगल	मीन	में	कर्क...	09-11 बजे
बुध-	मेष	पें	सिंह...	11-24 बजे
गुरु-	वृष	में	कन्या..	13-29 बजे
शुक्र-	वृष	पें	तुला....	15-36 बजे
शनि-	कुंभ	में	वृश्चिक..	17-45 बजे
राहु-	मीन	में	धनु.....	20-00 बजे
केतु-	कन्या	में	मकर...	22-05 बजे
			कुंभ....	23-55 बजे
			मीन...	01-33 बजे
			मेष....	03-09 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु -ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 05-45 सूर्यास्त. -18-41
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- चतुर्थी 16-53 तक उपरान्त पंचमी
मास - ज्येष्ठ कृष्ण , सोमवार 27 May
नक्षत्र - पूर्वाषाढा 10-13 तक उपरान्त उत्तराषाढा
योग - शुभ 06- 36 तक उप शुक्ल
करण- बालव 16-53 तक उप कौलव
विशेष:-
व्रत -त्योहार -

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 07:20 से 08:58 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
अमृत.	05:45 - 07:20 शुभ	चंचल	18:41 - 20:06 शुभ
काल..	07:20 - 08:58 अशुभ	रोग	20:06 - 21:29 अशुभ
शुभ.	08:58 - 10:36 शुभ	काल	21:29 - 22:51 अशुभ
रोग.	10:36 - 12:13 अशुभ	लाभ	22:51 - 24:13 शुभ
उत्पात	12:13 - 13:51 अशुभ	उत्पात	24:13 - 01:36 अशुभ
चंचल	13:51 - 15:29 शुभ	शुभ	01:36 - 02:58 शुभ
लाभ	15:29 - 17:06 शुभ	अमृत.	02:58 - 04:20 शुभ
अमृत	17:06 - 18:41 शुभ	चंचल	04:20 - 05:45 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

ये समय अपनी प्रतिभा पर ध्यान केंद्रित करने और अपनी कमजोरियों के बारे में चिंता न करने का है । यह आप के लिए जीत का युग है! आप अपनी रणनीति के साथ दृढ़ हैं और अपने शब्दों के साथ अत्यंत सटीक रहेंगे । आपको पैतृक संपत्ति से या अपने अतीत के निवेश से कुछ अप्रत्याशित धन प्राप्त हो सकता है , लेकिन मौद्रिक लेनदेन में शामिल किसी पर भी भरोसा न करे और सावधान रहे ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आज आप एक दार्शनिक मुद्रा में रहेंगे और गहरी सोच वाली ऐसी किसी भी नौकरी में आज आप सफलता को छुएंगे । शिक्षकों, वकीलों, दार्शनिकों, प्रचारकों और राजनेताओ के लिए आज का दिन बहुत अच्छा रहेगा । लेकिन आपको सांसारिक एवं जीवन के गहरे सवालों के बीच ध्यान देने की जरूरत है।व्यावहारिक स्थिति से अपना मुख मोड़ना आज आपकी सबसे बड़ी समस्या है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

आप अपने समकक्षों के साथ भागीदारी प्राप्त करने के लिए कठिन प्रयास कर रहे है और आज आपकी यात्रा एक संतोषजनक स्थिति पर समाप्त होगी ! आप उस पुरस्कार राशि के लाभार्थी हो सकते है जो इस साझेदारी का नतीजा है । आपका एक करीबी सहयोगी आपको अपना समर्थन देने के लिए विशेष शब्दों के साथ आपका धन्यवाद कर आपको सम्मानित कर सकता है ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

आज आपके मितव्ययी होने की संभावना हैं, और आप एक असाधारण अवस्था में रहेंगे । आप एक महंगी कला की वस्तु खरीद सकते है क्यों की आप कला के पुजारी है । आप अपने पास के किसी व्यक्ति के लिए एक महंगा उपहार खरीद सकते है जो की उस व्यक्ति को आश्चर्यचकित कर सकता है । आपके कार्यस्थल में सब कुछ सुचारू रूप से चलेगा ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आप आज कुछ अतिरिक्त जिम्मेदारी ले। अगर आप इसे अच्छी तरह से करते हैं, तो आपको एक दैनिक आधार पर इस तरह की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। इस के साथ, वेतन में वृद्धि भी आयेगी । इसलिए ईमानदारी से काम करते रहे और लगातार अपने आप को प्रेरित करते रहे। हो सकता है की लाभ आज दिखाई न दे, लेकिन आप एक बेहतर जीवन के लिए कल की दिशा में काम कर रहे हैं।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)

आज आपको लगेगा की कुछ चीजों पर आपका नियंत्रण नहीं हैं और उनकी वजह से आप अपना सर्वश्रेष्ट प्रदर्शन नहीं कर पा रहे है । लेकिन विश्वास रखे । आप ईमानदार और मेहनती है। यहां तक की आपके मालिक आपकी बाधा और परेशानी को समझते हैं, इसलिए आप ईमानदार रहे और हमेशा की तरह काम करते रहे । लाभ बनाने के लिए आपको विदेश में किसी के साथ साझा काम करने की जरुरत है।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आज आपके भावनाओं में बहने की उम्मीद थोड़ी ज्यादा है ।किसी छोटी सी बात पर भी आप उदास हो जायेंगे या पुराने बेहतर समय को याद करने लगेंगे ।किसी पुराने दोस्त से संपर्क साधने की कोशिश कर सकते हैं । आज आप अपनी वर्त्तमान समस्या को सुलझाने के लिए कोई संतोषजनक समाधान खोजने या किसी की तरफ दोस्ती का हाथ बढाने के मूड में हैं ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आप सकारात्मक तरंगों से भरपूर हैं ।लेकिन इसे औरों के साथ ना बाँटें ,लोग आपकी सलाह का सम्मान नही करेंगे । रचनात्मक उर्जा से भरे होने के बावजूद भी चुपचाप बैठा रहना आपके लिए तनाव का कारण बन सकता है,लेकिन इससे परेशान न हों।आपकी पहचान को कोई नुकसान नही होगा,केवल इसमें देरी हो सकती है। ऐसी क्षणिक खुशियों के चक्कर में नाऐ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आज आपको अपने कार्य करने के लिए विशेष ध्यान देना होगा क्योकि आपके वरिष्ठ अधिकारी बारीकी से आपकी प्रगति को देखेंगे । वे आपके समर्पण भाव और मजबूत नेतृत्व के गुणों से प्रभावित होंगे । आज आपके थोड़े अधिक प्रयासों से आपके करियर को नयी गति मिल सकती है क्योकि आपके वरिष्ठ अधिकारी आपके इन गुणों को ध्यान में रखेंगे

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

अगर आप अपनी क्षमता से कार्य करने की कोशिश करेंगे, तो आपके प्रयासों को उदारता से पुरस्कृत किया जाएगा , तो अपने काम और जिम्मेदारी पर ध्यान केंद्रित करे । आपकी ओर से की गयी कोई लापरवाही आप के लिए भारी पड़ सकती हैं, हालांकि दिन मौद्रिक लाभ के लिए शुभ है । आपका पिछला निवेश आपको अच्छी आमदनी दे सकता है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आप धोखाधड़ी के शिकार हो सकते है। आज का दिन किसी भी बड़े निवेश या खरीद के लिए उपयुक्त नहीं है। आज धन के मामलो में किसी भी अनजान व्यक्ति पर भरोसा न करे अन्यथा आपको काफी वित्तीय नुकसान उठाना पड़ सकता है , फिर भी सही समय पर पर्याप्त विवेक के साथ आसानी से आप अपने धन की रक्षा कर सकते हैं।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

हालाँकि , आप ईमानदार और मेहनती हैं पर आज सफलता आपकी पहुंच से दूर रह सकती है । कुछ मामूली गलतियाँ आपको परेशान कर सकती है । आप अपने कार्यस्थल पर किसी भी विवाद से बचे । आज का दिन निवेश के लिए उपयुक्त नहीं है। हालांकि, ये दिन अपने दोस्तों के साथ आराम करने के लिए काफी ठीक रहेगा । इसके लिए यदि संभव हो , तो आप एक दिन का अवकाश भी ले सकते हैं।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

सरकार चलाएगी 'मिशन कर्मयोगी'

कर्मचारियों को मिलेगा स्किल डेवलपमेंट का मौका

जयपुर, 26 मई (एजेंसियां)। सरकारी कर्मचारियों की क्षमता में विस्तार करने के लिए राजस्थान सरकार 'मिशन कर्मयोगी' लागू करने जा रही है। यह योजना केंद्र सरकार की है। जिसे सितंबर 2020 में केंद्रीय कैबिनेट ने मंजूरी दी थी। इसमें कर्मचारियों की क्षमताओं का विस्तार करने के लिए उनके स्किल डेवलपमेंट के कोर्स चलाए जाते हैं। इसमें कर्मचारियों को ट्रेनिंग प्रदान की जाएगी, ई-लर्निंग कंटेंट प्रदान किया जाएगा।

राजस्थान में विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि 'मिशन कर्मयोगी' ऑनलाइन प्लेटफार्म के जरिए कर्मचारियों को उनकी रुचि के अनुसार कोर्सेज में पंजीकरण करवाया जाए। इसमें कोर्स कंप्लीट करने वाले कर्मचारी को सर्टिफिकेट भी प्रधान किया जाएगा।

हालांकि ये योजना केंद्रीय कर्मचारियों के लिए लागू की गई थी, लेकिन इसके बाद कई राज्यों ने भी इसे अपनाना शुरू कर दिया।

भरतपुर के पूर्व राजपरिवार विवाद में जाट महासभा की एंट्री

पूर्व मंत्री विश्वेंद्र के बेटे अनिरुद्ध पर क्यों भड़के राजाराम मील?

भरतपुर, 26 मई (एजेंसियां)। भरतपुर के पूर्व राजपरिवार का विवाद अब जाति तक पहुंच गया है। पूर्व मंत्री विश्वेंद्र के बेटे अनिरुद्ध ने खुद को राजपूत बताकर नया बखेड़ा खड़ा कर दिया है। अनिरुद्ध सिंह की ओर से भरतपुर राज परिवार का निकास करौली से बताने के बाद राजस्थान जाट महासभा ने पलटवार करते हुए कहा कि भरतपुर राज परिवार का निकास भरतपुर के यदुवंशीय जाटों से है। महासभा ने अनिरुद्ध के बयान को गलत बताते हुए इसकी निंदा भी की है।

अध्यक्ष राजाराम मील की ओर से जारी बयान में महासभा ने इतिहासकार ज्ञात वंश कुंवर रिसाल सिंह यादव, अंग्रेज लेखक इलियट भाग-3, कालिका रंजन कानूनगो के हिस्ट्री ऑफ द जाट्स एवं भरतपुर का इतिहास के लेखक रामवीर सिंह वर्मा आदि

ग्रन्थों के आधार पर कहा है कि श्रीकृष्ण से लेकर भरतपुर के अन्तिम नरेश तक भरतपुर राजपरिवार यदुवंशीय जाट क्षत्रिय है। महासभा ने दावा किया है कि यदुवंश की वंशावली से ज्ञात होता है कि तहनपाल के कई पुत्र थे, जिनमें ज्येष्ठ पुत्र धर्मपाल से करौली और उसके तीसरे पुत्र मदनपाल से भरतपुर जाट राजवंश के सिनसिनवार व सीगरिया परिवार निकले हैं।

भरतपुर राजपरिवार का निकास करौली से नहीं

करौली का राजपरिवार जादोन राजपूत कहे जाते हैं और भरतपुर का राजपरिवार जाट। भरतपुर राजपरिवार का निकास करौली से नहीं है अपितु करौली राजपरिवार का निकास भरतपुर के यदुवंशीय जाटों से है। भरतपुर के महाराजा किशन सिंह ने अखिल भारत वर्षीय जाटमहा सभा का सम्मेलन जो सन् 1925 ई. में पुष्कर में हुआ था। शिलालेख में उनका नाम दर्ज है। इस सम्मेलन में महाराजा किशन सिंह ने अध्यक्षीय भाषण देते हुए कहा कि मुझे इस बात का अभिमान है कि मेरा जन्म जाट जाति में हुआ है। हमारी जाति की शूरता के चरित्रों के इतिहास में भरे हैं। मैं विश्वास करता हूं कि शीघ्र ही हमारी जाट जाति की यश पताका संसार भर में फहराने लगेगी।

विश्वेन्द्र कह चुके कि जाट थे उनके पूर्वज

भरतपुर राजवंश के महाराजा सूरजमल से लेकर अन्तिम शासक महाराजा बृजेन्द्र सिंह ने अनेक अवसरों पर कहा कि वे जाट हैं व 4 जनवरी 2023 को राजस्थान के प्रमुख समाचार पत्रों में वक्तव्य जारी कर विश्वेन्द्र सिंह ने पेधोर चामड़ मन्दिर पर आयोजित पंचायत में स्पष्ट कहा था कि उनके पूर्वज जाट थे, जाट हैं और जाट ही रहेंगे।

इसी तरह 5 मार्च 2023 को जयपुर में आयोजित जाट महाकुंभ में भी महाराजा विश्वेन्द्र सिंह ने भाषण दिया था।

महासभा ने कहा है कि ऐतिहासिक तथ्यों के विपरीत व अपने पूर्वजों के विरुद्ध अनिरुद्ध सिंह का आचरण भरतपुर के महान जाट शासकों की प्रतिष्ठा और ऐतिहासिक तथ्यों के विपरीत तो है ही उन्होंने अपने पिता जाट समाज के गौरव विश्वेन्द्र सिंह के विरुद्ध भी निन्दनीय व्यवहार किया है।

अनिरुद्ध बोले-क्या मुझे देना चाहिए मानहानि का नोटिस

पूर्व कैबिनेट मंत्री विश्वेंद्र सिंह के बेटे अनिरुद्ध ने परिवार में चल रहे विवाद के बीच राजाराम मील के पोस्ट पर टैग करते हुए लिखा कि राजपूत भाइयो, क्या कहते हो, क्या मुझे ब्लॉक के खिलाफ मानहानि का नोटिस भेजना चाहिए।

राजस्थान पहुंचा आरक्षण का जिन्न

14 मुस्लिम जातियों के ओबीसी कोटे पर संकट, मंत्री गहलोत ने कही ये बात

जयपुर, 26 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनावों के बीच कर्नाटक से उठा मुस्लिम आरक्षण का मुद्दा राजस्थान तक जा पहुंचा है। राजस्थान के सामाजिक न्याय मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार के दौरान जिन 14 मुस्लिम जातियों को ओबीसी श्रेणी में आरक्षण दिया गया था, उसकी जल्द ही समीक्षा की जाएगी।

गहलोत ने कहा कि चार जून के नतीजों का इंतजार किया जा रहा है। इसके बाद प्रदेश में 14 मुस्लिम जातियों को ओबीसी में आरक्षण दिए जाने के फैसलों की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा कि देश में धर्म के आधार आरक्षण संविधान के विरुद्ध है। इस मामले की एक उच्चस्तरीय समिति के जरिए समीक्षा कराई जाएगी।

अविनाश गहलोत ने कहा कि राजस्थान में 1997 से 2013 के दौरान तुष्टीकरण की नीति पर चलते हुए कांग्रेस सरकार ने मुस्लिमों को आरक्षण दिया। वहीं, कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने आरोप लगाया है कि लोकसभा चुनावों के लिए भाजपा हिंदू-मुस्लिम की राजनीति कर रही है।

अगर ये संविधान विरुद्ध था, तो पिछली भाजपा सरकार ने इसे खत्म क्यों नहीं किया। इस पर गहलोत ने कहा कि वे नहीं जानते कि पिछली सरकारों ने ये क्यों नहीं किया, लेकिन अब धर्म के आधार पर दिए गए आरक्षण की समीक्षा की जाएगी।

दिन के साथ रातें भी तोड़ रही रिकॉर्ड, कब तक जारी रहेगा गर्मी का सितम

जयपुर, 26 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में गर्मी के हालात ऐसे हैं कि न दिन में चैन है न रातों को आराम। बीते 24 घंटों में फलौदी का दिन सबसे गर्म रहा। यहां अधिकतम पारा 50 डिग्री तक पहुंच गया। वहीं, बाड़मेर में रात्रि का तापमान सबसे ज्यादा रहा। बाड़मेर में न्यूनतम तापमान 33.6 डिग्री सेल्सियस रहा।

मौसम विभाग की चेतावनी है कि अगले तीन दिन गर्मी का टॉर्चर जारी रहेगा। राजस्थान के सभी संभागों में दिन में हीट वेव चल रही हैं। वहीं जोधपुर, अजमेर, उदयपुर और बीकानेर संभाग में उष्ण रात्रि दर्ज की गई है। आज रविवार को राजस्थान के

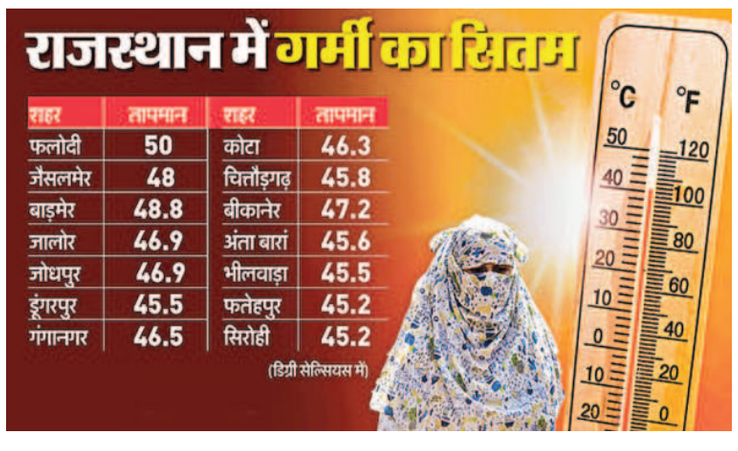

अधिकांश जिलों में रेड अलर्ट जारी किया गया है।

राजधानी जयपुर में अगले दो दिनों में अधिकतम पारा 47 डिग्री तक पहुंच सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक दक्षिण पूर्वी राजस्थान, मध्यप्रदेश और तेलंगाना में समुद्र तल से 0.9 किलोमीटर उपर एक चक्रवाती संचरण बना हुआ है, जिसके चलते मौसम में यह प्रभाव देखने को मिल रहा है। प्रदेश में हीट स्ट्रोक से अब तक राजस्थान में कुल 18 लोगों की मौत गर्मी से हो चुकी है। जालौर, भीलवाड़ा और अजमेर में लू से मौतें होने की सूचना है। हालांकि अब तक इनकी पोस्टमोर्टम रिपोर्ट नहीं आई है।

नशा तस्करी रोकने को पुलिस सजग

आमजन के सहयोग से अंकुश लगाने की कवायद

सिरोही, 26 मई (एजेंसियां)। पूलिस ने जिले में नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए आमजन से सहयोग का आग्रह किया है। आमजन से सूचना लेने के लिए वाट्सअप हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं। इसमें सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूर्णतया गुप्त रखने का आश्वासन दिया गया है।

सिरोही जिला पुलिस अधिक्षक अनिल कुमार ने बताया कि जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम के लिए पुलिस लगातार कारवाई कर रही है। इसमें एक के बाद एक कार्रवाई कर अवैध मादक पदार्थों की जब्ती कर तस्करों को गिरफ्तार किया जा रहा है।

नशे के कारोबार पर पूर्णतयाः शिकंजा कसा जा सके इसके लिए आमजन का भी सहयोग जरूरी है। उन्होंने आमजन से अफीम, डोडा पोस्त, गांजा व ड्रग्स (स्मैक, एमडी) जैसे अवैध मादक पदार्थों की तस्करी व बिक्री संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी होने पर पुलिस अधीक्षक सिरोही के मोबाईल/वॉट्स एप नम्बर 9530431300 पर साझा करने का आग्रह किया।

पुलिस अधीक्षक ने सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूर्णतयाः गोपनीय रखने का भी आश्वासन दिया है। सिरोही जिले को नशा मुक्त बनाने में पुलिस का सहयोग करने का आह्वान किया गया है।

रिजल्ट आने से पहले बांसवाड़ा सीट को लेकर आए बड़े संकेत!

फलोदी सट्टा बाजार ने बता दिया हार-जीत का गणित

जयपुर, 26 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 के परिणाम का सभी इंतजार कर रहे है। लेकिन परिणाम 4 जून को घोषित होंगे। ऐसे में रिजल्ट से पहले राजस्थान की सभी 25 सीटों पर फलोदी सट्टा बाजार का ताजा अनुमान सामने आया है। जिसमें बांसवाड़ा लोकसभा सीट को लेकर बड़ी भविष्यवाणी की गई है। हालांकि राजनीतिक पार्टियों के हार-जीत को लेकर अपने-अपने दांवे है, लेकिन फलोदी सट्टा बाजार के अनुसार अबकी बार ऐसा होता नहीं दिख रहा।

फलोदी सट्टा बाजार के अनुमान में इस बार कांग्रेस की बल्ले-बल्ले होती दिख रही है, लेकिन राजस्थान की बांसवाड़ा हॉट सीट पर भाजपा एक फिर झंडे गाढ़ने जा रही है। इस सीट से भाजपा ने कांग्रेस से शामिल हुए महेंद्रजीत सिंह मालवीया को टिकट दिया है तो वहीं इंडिया गठबंधन ने राजकुमार रोत को अपना प्रत्याशी बनाया है। दोनों के बीच मजबूत टक्कर बनी हुई है।

फलोदी सट्टा बाजार बांसवाड़ा लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी महेंद्रजीत मालवीया की जीत का अनुमान लगा रहा है। यहां भाजपा की जीत के भाव 50 से 80 पैसे वहीं इंडिया गठबंधन के राजकुमार रोत पर 1 रुपए 15 पैसे भाव चल रहा है। फलोदी सट्टा बाजार में जो भाव चल रहे हैं, उनमें जिसके भाव जितने कम हैं उनकी जीत की प्रबल संभावना उतनी अधिक है। सट्टा बाजार के भाव के अंतर के आधार पर जीत-हार के अंतर को भी समझा जा सकता है।

प्रसूता ने बीच सड़क बच्चे को दिया जन्म तो हुआ कुछ ऐसा...

हर कोई कर रहा राजस्थान पुलिस की तारीफ

प्रतापगढ़, 26 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले में पुलिस का संवेदनशील चेहरा देखने को मिला। गश्त के दौरान पुलिस ने मानवीयता दिखाते हुए बीच सड़क पर हुए प्रसव के बाद जच्चा और बच्चा को जिला चिकित्सालय पहुंचाकर मातृ शिशु इकाई वार्ड में भर्ती करवाया। जच्चा और बच्चा दोनों स्वस्थ है।

दरअसल, बड़ी बंबोरी निवासी धर्मवीर मीणा बाइक से अपनी पत्नी को लेकर प्रतापगढ़ जिला चिकित्सालय प्रसव करवाने के लिए आ रहा था। इसी दौरान जिला चिकित्सालय से 300 मीटर पहले जीरो माइल चौराहे पर प्रसूता को तेज दर्द होने लगा। धर्मवीर मीणा ने चौराहे पर ही बाइक रोकी और प्रसूता को जमीन पर बैठाया। तेज दर्द के बाद प्रसूता ने वहीं एक बच्चे को जन्म दिया। इस दौरान वहां से गुजर रही कोतवाली थाने की जीप में सवार सहायक पुलिस निरीक्षक रामावतार और पुलिस टीम ने मानवीयता दिखाई और तुरंत जच्चा और बच्चा दोनों को जीप में लेकर जिला चिकित्सालय पहुंचे। यहां पर मातृ शिशु इकाई में तैनात चिकित्सक ने दोनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया और उन्हें जिला चिकित्सालय में भर्ती किया। जच्चा और बच्चा दोनों की हालत ठीक बताई जा रही है। पुलिस के इस कार्य की सभी ने सराहना की।

तूरजी का झालरा घूमने आए किशोर की डूबने से मौत

जोधपुर, 26 मई (एजेंसियां)। भीतरी शहर के प्रसिद्ध तूरजी का झालरा में घूमने आए एक किशोर की डूबने से मौत हो गई। 17 वर्षीय एक युवक का पांव फिसला और वो झालरा में डूब गया। किशोर के डूबने की सूचना के बाद मौके पर काफी संख्या में लोगों की भीड़ लग गई। सूचना मिलने पर किशोर के परिजन व सदर कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंची और गोताखोरों की मदद से शव को बाहर निकाला गया। सदर कोतवाली थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार नागौरी गोट निवासी सद्दाम पुत्र शौकत अली (17) घूमने के लिए तूरजी का झालरा गया था। यहां पर उसका पैर फिसलने से वह पानी में गिर गया और गहराई में चला गया। मौके पर मौजूद लोगों ने गोताखोरों व पुलिस को सूचना दी। एक घंटे की मेहनत के बाद शव को पानी से बाहर निकल मोर्चरी पहुंचाया।

महिला की मौत पर कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई तो पूरे गांव में मचा हड़कंप

जयपुर, 26 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के दौसा जिले की महवा क्षेत्र के पलानहेड़ा गांव में एक महिला की मौत हो गई। महिला की मौत होने व कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने की जानकारी मिलते ही चिकित्सा विभाग सहित गांव में हड़कंप मच गया। ब्लॉक सीएमएचओ डॉक्टर संगीत चौधरी ने बताया कि पलानहेड़ा निवासी गल्ला देवी (71) पत्नी रामभरोसी मीणा को पिछले माह लकवा आने पर जयपुर एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया था। 14 अप्रेल को डिस्चार्ज होने के बाद वह एक मई को अपने घर पर ही गिर गई। पैर में फ्रैक्चर आने पर उन्हें एक बार फिर महुवा अस्पताल फिर 17 मई को एसएमएस हॉस्पिटल जयपुर में भर्ती करवाया गया। जहां गल्ला देवी की मौत हो गई और उनकी कोरोना रिपोर्ट पॉजीटिव आई है। ब्लॉक सीएमएचओ डॉक्टर संगीत चौधरी ने बताया कि मृतका की कोरोना रिपोर्ट पॉजीटिव आने के बाद मनीष कुमार, लोकेश अवस्थी, रामखिलाड़ी मीणा सहित अन्य चिकित्सा कर्मियों की टीम पलानहेड़ा पहुंची और आसपास के 50 घरों का सर्वे किया गया। साथ ही मतिका के घर पहुंच कर परिजनों की जांच भी की गई। जिनमें सभी स्वस्थ पाए गए। चौधरी ने बताया कि 2 दिन का अवकाश होने के बावजूद चिकित्सा टीम द्वारा पलानहेड़ा में आरटीपीसीआर जांच की जाएगी और रविवार को टीम बीटी विआल लेकर गांव पहुंचेगी। उन्होंने बताया कि पलानहेड़ा में महिला के घर के आसपास के घरों में सर्दी जुकाम बुखार के मरीजों की भी पहचान की जा रही है। पलानहेड़ा में महिला की मौत हुई है और उसकी रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आई है। फिर भी मौत के कारणों की पुष्टि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी ।

तेज रफ्तार का कहर, दो लोगों की दर्दनाक मौत, मची चीख पुकार

बूंदी, 26 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में एक बार फिर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। बूंदी जिले के हिण्डोली में रविवार तड़के अनियंत्रित पिकअप के पलटने से दो लोगों की मौत हो गई। वहीं, 7 लोग गंभीर घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही बसोली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को बूंदी के सरकारी अस्पताल भेजा गया। जहां पर सभी घायलों का उपचार जारी है। वहीं, पुलिस हादसे के कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है।

पुलिस उपाधीक्षक घनश्याम मीणा ने बताया कि हादसा हिण्डोली के बसोली थाना क्षेत्र में नेशनल हाइवे 148डी पर रविवार तड़के हुआ। हादसे के वक्त पिकअप में एक दर्जन लोग सवार थे, जो किसी सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए ब्यावर से कोटा जिले के मंडाना जा रहे थे। तभी हिण्डोली थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग पर बसौली मोड स्थित जीएसएस के पास तेज रफ्तार पिकअप अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में एक महिला और एक पुरुष की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, 7 लोग गंभीर घायल हो गए। थाना प्रभारी पवन मीणा ने बताया कि सड़क हादसे में मांगीलाल पुत्र जीवन और लालीबाई पत्नी छोटूलाल निवासी भेरुखेड़ा थाना साकेतनगर जिला ब्यावर की मौके पर ही मौत हो गई है। दोनों मृतकों के शवों को सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। वहीं, गंभीर घायल रामदेव पुत्र दाया, छोटुलाल पुत्र नारायण, संतोष पत्नी लालाराम, रोजीबाई पत्नी भवर लाल, ढगलाराम पुत्र दयाल, जयराम पुत्र हजारी और जीनू पुत्र लालाराम निवासी भेरूखेड़ा का बूंदी के सरकारी अस्पताल में उपचार जारी है। हादसे के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। लोगों के चिल्लाने की आवाज सुनकर मौके पर भीड़ जमा हो गई। कुछ ही देर में सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से पिकअप में फंसे लोगों को बाहर निकाला। इधर, हादसे के बाद नेशनल हाइवे पर जाम लग गया।

हिस्ट्रीशीटर उस्मान हत्याकांड

आरोपी हरिओम मीना गिरफ्तार कुरुक्षेत्र के एक आश्रम में छिपा था

गंगापुर, 26 मई (एजेंसियां)। बालाघाट थाना क्षेत्र के गांव रानोली में करीब तीन सप्ताह पूर्व हिस्ट्रीशीटर उस्मान की गोली मारकर हत्या करने के मामले में बालघाट थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने हत्याकांड के आरोपी हरि ओम मीणा निवासी रानोली को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी से पुलिस पूछताछ मे जुटी है। वहीं एक अन्य आरोपी की तलाश की जा रही है। बालघाट थानाधिकारी संतोष कुमार ने बताया कि डीएसपी मुरारी लाल मीणा के निर्देशन में थाना पुलिस टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। थानाधिकारी ने बताया कि करीब तीन सप्ताह पूर्व बालघाट थाना क्षेत्र के गांव रानोली में हिस्ट्रीशीटर उस्मान की रात्रि में अज्ञात बदमाशों द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। परिजनों द्वारा बालघाट थाने में मामला दर्ज करवाया गया। मामले में पुलिस को अनुसंधान के दौरान सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपी को पहचानने में मदद मिली।

रेलवे स्टेशन के सामने ढाबे में लगी आग

अंदर रखे घरेलू गैस सिलेंडर में हुआ धमाका, तीन दुकानें जलीं

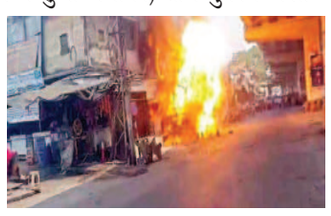

अजमेर, 26 मई (एजेंसियां)। अजमेर में रेलवे स्टेशन के सामने एक ढाबे की रसोई में रखे सिलेंडर में धमाका हो गया। धमाके के साथ सिलेंडर फटा तो आसपास की तीन दुकानें भी आग की चपेट में आ गईं। इस दौरान इलाके में ट्रैफिक रोक कर दमकलों ने डेढ़ घंटे में आग पर काबू पाया। गनीमत रही कि इसमें कोई जनहानि नहीं हुई। ढाबे का स्टाफ पहले ही बाहर निकल गया था। क्लॉक टावर थाना प्रभारी दिनेश चौधरी ने बताया कि काके दी हट्टी नाम के ढाबे सुबह साढ़े 10 बजे के करीब खाना बनाया जा रहा था। इस दौरान अचानक सिलेंडर ब्लास्ट हो गया। इससे अफरा-तफरी मच गई। होटल मालिक व स्टाफ भागकर बाहर आ गए। धमाके के कारण आग आसपास की तीन दुकानों में भी फैल गई। कोई जनहानि नहीं हुई है। फायर ऑफिसर गौरव तंवर ने बताया कि पुलिस की सूचना पर मौके पर पहुंचे थे। एक सिलेंडर फट गया था और तीन सिलेंडर सुरक्षित निकाल लिए गए। डेढ़ घंटे में आग पर काबू पा लिया गया। इस दौरान पुलिस ने दोनों तरफ का यातायात डायवर्ट कर दिया था।

पता चला है कि जो सिलेंडर बलास्ट हुआ, वो रसोई गैस सिलेंडर था। इसका व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा था। बाहर निकाले गए तीन सिलेंडर भी घरेलु गैस सिलेंडर ही थे। ऐसे में यह तय हो गया कि ढाबे पर रसोई गैस का अवैध रूप से व्यवसायिक उपयोग किया जा रहा था। अब रसद विभाग भी इस मामले में जांच में जुटा है। घटना के बाद विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी मौके पर पहुंचे और मौका मुआयना किया। इस दौरान व्यापारियों व आस पास के लोगों से भी बात की। बाद में अधिकारियों को निर्देश भी दिए। इस दौरान भाजपा शहर जिलाध्यक्ष रमेश सोनी सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे।

चावल खरीद को लेकर भाजपा, बीआरएस कांग्रेस सरकार पर जहर उगल रही है : उत्तम

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नागरिक आपूर्ति मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने धान उठाव और चावल खरीद को लेकर राज्य सरकार पर जहर उगलने के लिए भाजपा और बीआरएस पार्टियों की आलोचना की है। रविवार को यहां गांधी भवन में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, उत्तम कुमार रेड्डी ने मंत्री श्रीधर बाबू, एमएलसी जीवन रेड्डी और महेश कुमार गौड़, विधायक लक्ष्मण कुमार और संजीव कुमार के साथ आरोप लगाया कि भाजपा और बीआरएस दोनों पार्टियां कांग्रेस सरकार के खिलाफ झूठ और असत्य फैला रही हैं और विपक्षी दलों द्वारा की गई आलोचनाओं में कोई सच्चाई नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार के दौरान नागरिक आपूर्ति विभाग पर 58,000 करोड़ रुपये का कर्ज था और बीआरएस नेताओं ने विभाग को दिवालिया बना दिया। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा, कांग्रेस सरकार ने किसानों से धान की उपज खरीदना शुरू कर दिया है और पिछली बीआरएस सरकार की तुलना में तेलंगाना राज्य भर में धान खरीद केंद्र स्थापित कर दिए हैं। तेलंगाना भारत का एकमात्र ऐसा राज्य है जो बारिश में भीगे धान को एमएसपी पर खरीद रहा है। उन्होंने बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव और भाजपा विधायक महेश्वर रेड्डी पर धान उठाव और चावल खरीद पर झूठ बोलने का आरोप लगाया और चेतावनी दी कि वे भविष्य में गैरजिम्मेदाराना आरोपों को बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया, यह पूरी तरह से निराधार आरोप है कि मैंने मिलरों से पैसे लिए हैं। कम से कम मैं व्यक्तिगत रूप से किसी मिलर से नहीं मिला हूं। उन्होंने आगे बताया कि कांग्रेस सरकार चावल मिलिंग उद्योग को प्रोत्साहित कर रही है, लेकिन डिफॉल्टरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है।

ट्रक की चपेट में आने से किशोर की मौत

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नौवीं कक्षा के एक छात्र की मेडचल में आउटर रिंग रोड (ओआरआर) पर अचानक मतली के कारण रुकने के बाद ट्रक की चपेट में आने से जान चली गई। तेरह वर्षीय एम. पूजिता राम उल्टी करने के लिए अपने वाहन से बाहर निकले और एक तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। भद्राचलम के निवासी राम, गर्मी की छुट्टियों के दौरान कुकटपल्ली में रिश्तेदारों से मिलने के लिए अपने परिवार के साथ हैदराबाद गए थे। यह दुर्घटना शनिवार को हुई जब परिवार ओआरआर के रास्ते कुकटपल्ली से बीबी नगर लौट रहा था।

मेडचल सब इंस्पेक्टर एस लावण्या के अनुसार, जब वे मेडचल खंड के पास पहुंचे तो राम को उल्टी महसूस हुई। कार चला रहा एक रिश्तेदार हाई-स्पीड एक्सप्रेसवे पर रुक गया, और राम दाहिनी ओर के दरवाजे से बाहर निकल गया।

नेहरू चिड़ियाघर में दिखी भारी भीड़

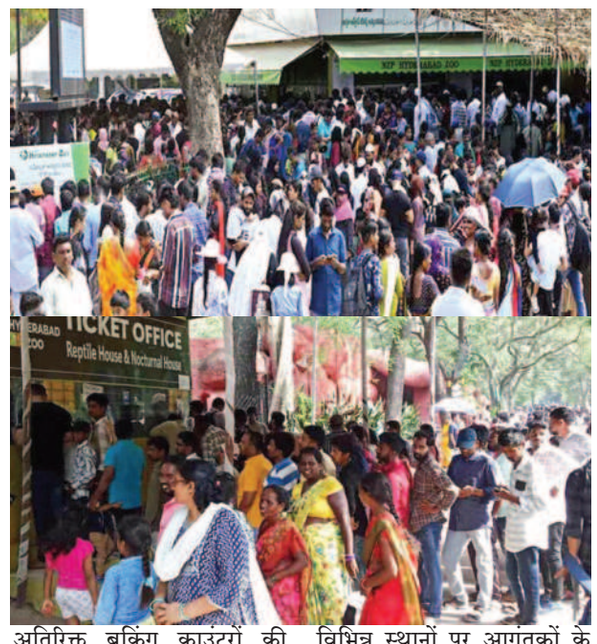

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नेहरू प्राणी उद्यान में सप्ताहांत में भीड़ चरम पर रही और विशाल परिसर में रिकॉर्ड संख्या में पर्यटक उमड़े। शैक्षणिक संस्थानों में गर्मी की छुट्टियाँ बंद होने की ओर बढ़ने के साथ, रविवार को आगंतुकों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई। चिड़ियाघर के अधिकारियों के अनुसार, जिस सुविधा में बड़ी संख्या में जानवर, सरीसृप रहते हैं और एक हलचल भरा पक्षीघर है, उसने आज 30,361 आगंतुकों की मेजबानी की।

बड़ी संख्या में परिवार शुरुआती समय से ही टिकट काउंटरों पर कतार में खड़े थे और जैसे-जैसे समय बीतता गया, भीड़ बढ़ती गई। चिड़ियाघर प्रबंधन ने अतिरिक्त बुकिंग काउंटर खोले और वेबसाइट/मोबाइल ऐप के माध्यम से ऑनलाइन टिकट बुकिंग प्रणाली का प्रसारण किया।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि आगंतुकों को किसी भी कठिनाई का सामना न करना पड़े, अधिकारियों ने मुख्य प्रवेश द्वार पर अतिरिक्त पेयजल इकाइयों, आश्रयों, मोबाइल गश्ती टीमों, अतिरिक्त बुकिंग काउंटरों की व्यवस्था की। बैटरी चालित वाहनों और टॉय ट्रेन चलाने वाले कर्मचारियों को भी सतर्क किया गया और सुचारू प्रबंधन के लिए आवश्यक व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया।

शिक्षा और जागरूकता की दिशा में, मुख्य प्रवेश द्वार और विभिन्न स्थानों पर आगंतुकों के लिए वन्यजीव संरक्षण और प्रजनन कार्यक्रम पर एक लघु फिल्म दिखाई गई। डॉ. सुनील एस हीरेमथ, निदेशक (एफएसी) और क्यूरेटर, नेहरू प्राणी उद्यान ने चिड़ियाघर को अपने रविवार की छुट्टी गंतव्य के रूप में चुनने के लिए आगंतुकों को धन्यवाद दिया।

गीत चाँदनी का बुद्ध पूर्णिमा पर विश्व-शांति कवि सम्मेलन

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नगरद्वय के कवियों की संस्था गीत चाँदनी के तत्वावधान में मासिक कवि सम्मेलन का आयोजन एन.टी. आर. गार्डन के पास स्थित डॉ. भीम राव अंबेडकर की 125 फीट ऊँची प्रतिमा के सम्मुख विश्व-शांति कवि सम्मेलन के रूप में संपन्न हुआ। वरिष्ठ गीतकार चंपालाल बैद ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। श्रुतिकांत भारती, कवि अंजनी कुमार गोयल विशेष अतिथि रूप में मंच पर उपस्थित थे। विशेष वक्ता जी. परमेश्वर ने कहा जीवन में दुख का सबसे बड़ा कारण आशा है। स्वार्थपरता की भावना को मन से हटा दें तो सुख प्राप्त होता है। आशा को अपने मन से निकाल दो, क्योंकि आशा का कोई अंत नहीं है। श्रुतिकांत भारती, जी परमेश्वर ने अपने विचार प्रस्तूत किए।

कवि ठाकुर दिनेश सिंह ने कहा कि गौतम बुद्ध को सनातन धर्म से अलग नहीं कर सकते हैं। गौतम बुद्ध दशावतार थे। गौतम बुद्ध को हम समाज सुधारक माने। गीतकार चंपालाल बैद ने अध्यक्षीय वक्तव्य में कहा कि गौतम बुद्ध ने जीवन में सही मार्ग बताने का कार्य किया। जग को सत्य, प्रेम और अहिंसा का पाठ पढ़ाया है। अहिंसा के इतने बड़े देव इस देश में पैदा हुए हैं यह देश का सौभाग्य है।

कवि सम्मेलन में नगरद्वय के कवियों ने बुद्ध की शिक्षाओं, राष्ट्रीय एकता, सद्भावना, विश्व बंधुत्व, विश्व-शांति, देश की समसामयिक परिस्थितियों, आतंकवाद जैसी ज्वलंत समस्याओं पर कविताओं का पाठ किया। कविता पाठ करने वाले कवियों में संतोष कुमार मिश्र माधुर्य, अनिल कुमार गुप्ता, जी. परमेश्वर, गोविंद अक्षय, रत्नकला मिश्र, अंजनी कुमार गोयल, चंपालाल बैद, डी. प्रेमराज, पूनम जोधपुरी, ठाकुर दिनेश सिंह, शोभा देशपांडे, सुनील मिश्रा, दीपक चिंडालिया वाल्मीकि, सत्यनारायण काकड़ा, चंद्र प्रकाश दायमा के नाम सम्मिलित हैं।

संदीप मकतला ने बोत्सवाना के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. एडविन डिकोलोटी से मुलाकात की

गैबोरोन, बोत्सवाना, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। डब्ल्यूटीआईटीसी के अध्यक्ष संदीप कुमार मकतला ने डब्ल्यूटीआईटीसी नेटवर्क और बोत्सवाना के बीच सहयोगात्मक अवसरों का पता लगाने के लिए बोत्सवाना के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. एडविन डिकोलोटी के साथ उनके कार्यालय में एक उच्च स्तरीय बैठक की। चर्चा का फोकस स्वास्थ्य सेवा, फार्मास्यूटिकल्स और अभिनव टीकंसल्ट पहल पर था। बैठक के दौरान, संदीप मकतला ने डॉ. डिकोलोटी को डब्ल्यूएचओ विश्व स्वास्थ्य सभा की अध्यक्षता संभालने पर बधाई दी, जो बोत्सवाना के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। मंत्री ने टीकंसल्ट पहल का गर्मजोशी से स्वागत किया, विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में नवाचार और प्रौद्योगिकी के आदान-प्रदान में क्रांति लाने की इसकी क्षमता को स्वीकार किया। टीकंसल्ट, दुनिया के सबसे बड़े नवाचार परिसर टीएचयूबी में विकसित एक अग्रणी मंच है, जो डॉक्टरों को रोगियों, किसानों को कृषि वैज्ञानिकों से जोड़ता है, और कानूनी और टेलीकंसल्टेशन सेवाएं प्रदान करता है। यह पहल बोत्सवाना से शुरू होकर दुनिया भर में शुरू होने वाली है और इसका उद्देश्य स्वास्थ्य सेवा, फार्मा, कृषि, कानूनी, शिक्षा और व्यापार में व्यापक टेलीकंसल्टेशन सेवाएं प्रदान करना है। टी कंसल्टेंट ने भारत में, विशेष रूप से कोविड 19 महामारी के दौरान, 20,000 से अधिक ऑनलाइन परामर्श प्रदान करके एक महत्वपूर्ण छाप छोड़ी, जिससे लोगों के डर को कम करने और आवश्यक चिकित्सा सहायता प्रदान करने में मदद मिली। इस उपलब्धि को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर नेताओं द्वारा मान्यता दी गई, जिसमें भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा भी शामिल है। टी कंसल्टेंट को कई पुरस्कार मिले हैं, जिनमें प्रतिष्ठित एसकांस पुरस्कार और विभिन्न राज्य सरकार के सम्मान शामिल हैं। मंत्री डिकोलोती ने टी कंसल्टेंट पहल के लिए अपनी प्रशंसा और आभार व्यक्त किया, बोत्सवाना की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली पर इसके संभावित प्रभाव को मान्यता दी। उन्होंने इस वैश्विक पहल के लिए बोत्सवाना को लॉन्चपैड के रूप में चुनने के लिए टीम कंसल्टेंट टीम की सराहना की, जो अफ्रीकी महाद्वीप में महत्वपूर्ण प्रगति और अवसर लाने का वादा करता है। टी कंसल्टेंट विभिन्न टेलीकंसल्टेशन की सुविधा के लिए डिज़ाइन किया गया एक ऐप भी लॉन्च करेगा, जो इसकी सेवा वितरण और पहुंच को और बढ़ाएगा। यह पहल अफ्रीका में जीवन को बेहतर बनाने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रौद्योगिकी और नवाचार का लाभ उठाने के लिए डब्ल्यूटीआईटीसी नेटवर्क की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। डब्ल्यूटीआईटीसी नेटवर्क के सदस्य ईवी श्रीनिवास, वेंकट थोटकुरा, चल्लानगरी नरेंद्र, थिरुनाहारी वामशिकृष्णा, डॉ. निरुपमा, डॉ. प्रवीण गेगिली, रवि तेजा, किशोर पुल्लुरी, किरणमयी और अन्य उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज मैरेज डेटा कमिटी की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की मैरेज डेटा कमिटी की बैठक समाज के चिरागअली स्थि कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में बालक एवं बालिकाओं के क़रीब 15 अभिभावक गण उपस्थित होकर नए बायोडेटा एवं उनके द्वारा दिए गये पहले के बायोडेटा के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। बैठक में मैरेज डेटा कमेटी के चेयरमेन मुकुंद लाल अग्रवाल, वाइस चेयरमेन सतीश कुमार अग्रवाल, दीनबंधु अग्रवाल, सुनील मित्तल, अशोक कुमार दादरीवाला, बालाकृष्ण सुरेखा एवं बालक बालिकाओं के अभिभावक आदि उपस्थित थे।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

जम्मू कश्मीर में...

महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश भी मुक्त हैं। पशुपतिनाथ से तिरुपति तक तथाकथित नक्सली गलियारे में माओवादियों की कोई मौजूदगी नहीं है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय के मुताबिक, वामपंथी उग्रवाद की घटनाएं 2004-14 के दशक में 14,862 से घटकर 2014-23 के दशक में 7,128 हो गईं। वामपंथी उग्रवाद की वजह से सुरक्षा बलों के मौत की संख्या 2004-14 में 1750 से 72 प्रतिशत घटकर 2014-23 के दौरान 485 हो गई। वहीं, नागरिकों के मौत की संख्या 4285 से 68 प्रतिशत घटकर 1383 हो गई। 2010 में हिंसा वाले जिलों की संख्या 96 थी, जो 2022 में 53 प्रतिशत घटकर 45 हो जाएगी। इसके साथ ही, हिंसा की रिपोर्ट करने वाले पुलिस स्टेशनों की संख्या 2010 में 465 से घटकर 2022 में 176 हो गई।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि सरकार मणिपुर में शांति स्थापित करने के लिए काम कर रही है। मैतेई और कुकी समुदायों के बीच विश्वास की कमी को दूर करने पर काम कर रही है। लोकसभा चुनाव खत्म होने के बाद इस काम को प्राथमिकता से किया जाएगा।

मणिपुर में 3 मई 2023 से जातीय हिंसा जारी है। अब तक 220 से ज्यादा लोग और सुरक्षाकर्मी मारे जा चुके हैं। मणिपुर में 2017 से भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार सत्ता में है। राज्य में दो लोकसभा क्षेत्र हैं। आंतरिक मणिपुर और बाहरी मणिपुर। भाजपा ने जहां आंतरिक मणिपुर में अपना उम्मीदवार उतारा है, वहीं बाहरी मणिपुर में पार्टी ने एनडीए के सहयोगी नागा पीपुल्स फ्रंट के उम्मीदवार को समर्थन दिया है।

अमित शाह ने कहा कि अगर भाजपा सत्ता में लौटती है, तो सभी स्टेकहोल्डर्स से बात करने के बाद देशभर में यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) अगले पांच साल में लागू हो जाएगा। मोदी सरकार के अगले टर्म में वन नेशन-वन इलेक्शन भी लागू कर दिया जाएगा, क्योंकि अब वह समय आ गया है कि देश में सभी चुनाव एक साथ कराए जाएं। शाह ने कहा कि सभी चुनाव साथ कराने से खर्च भी कम होगा। उन्होंने कहा कि चुनावों को सर्दियों या साल के किसी और समय में कराने के सवाल पर उन्होंने कहा कि हम इस बारे में सोच सकते हैं। अगर एक चुनाव को थोड़ा पहले करा लिया जाए, तो ये किया जा सकता है।

शाह ने कहा कि यूसीसी आजादी के समय से ही संविधान निर्माताओं ने यूसीसी लागू करने की जिम्मेदारी हम पर, हमारी संसद पर और राज्यों की विधानसभाओं पर छोड़ी थी। संविधान सभा ने हमारे लिए जो आदर्श तय किए थे, उनमें यूसीसी शामिल था। उस वक्त के लीगल स्कॉलर्स जैसे कि केएम मुंशी, राजेंद्र बाबू, अंबेडकर जी ने भी कहा था कि सेक्युलर देश में धर्म पर आधारित कानून नहीं होने चाहिए।

मुझे रेप-हत्या...

यह तब से और बढ़ गया है, जब से यूट्यूबर ध्रुव राठी ने मेरे खिलाफ एकतरफा वीडियो पोस्ट किया है। हालांकि, वो आप प्रवक्ताओं की तरह काम कर रहे हैं।

दरअसल, ध्रुव राठी ने 4 दिन पहले इंस्टाग्राम पर केजरीवाल के पीए बिभव कुमार और स्वाति मालीवाल के बीच मारपीट केस पर एक वीडियो पोस्ट किया था। इसी पर स्वाति मालीवाल ने कहा है कि यूट्यूबर ने मेरा पक्ष जाने बिना वीडियो बनाया। स्वाति ने अपने पोस्ट में लिखा- जहां तक पार्टी की बात है तो यह बिल्कुल साफ है कि वे मुझे अपनी शिकायत वापस लेने के लिए डराने-धमकाने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, मैंने अपना पक्ष बताने के लिए ध्रुव से संपर्क करने की पूरी कोशिश की, लेकिन उन्होंने मेरी कॉल और मैसेज को नजरअंदाज किया।

स्वाति ने कहा, उन्होंने (ध्रुव राठी) मुझे इस हद तक शर्मिंदा किया है कि अब मुझे हद से ज्यादा गालियां और धमकियां मिल रही हैं। जिस तरह से पूरी पार्टी और उसके समर्थकों ने मुझे बदनाम करने और शर्मिंदा करने का प्रयास किया है, वह महिलाओं के मुद्दों पर उनके रुख के बारे में बहुत कुछ बताता है। आप सांसद ने कहा- मैं दिल्ली पुलिस में रेप और हत्या की धमकियों के खिलाफ केस दर्ज करा रही हूं। मुझे उम्मीद है कि वे अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगे। अगर मेरे साथ कुछ हुआ, तो सबको पता है कि लोगों को उकसाने वाला कौन है।

केजरीवाल के पीए पर स्वाति से मारपीट का आरोप :

राज्यसभा सांसद मालीवाल ने आरोप लगाया है कि 13 मई को केजरीवाल के पीए बिभव कुमार ने उनके साथ मारपीट की है। पुलिस ने मामले में 16 मई को एफआईआर दर्ज की थी। 18 मई को बिभव कुमार को अरेस्ट कर लिया गया। फिलहाल वो पुलिस कस्टडी में हैं।

घटना के अगले दिन 14 मई को आप नेता संजय सिंह ने कबूल किया था कि मुख्यमंत्री आवास पर स्वाति मालीवाल के साथ अभद्रता हुई है। संजय सिंह ने कहा, इस पूरी घटना पर दिल्ली के सीएम ने संज्ञान लिया है। वो इस मामले में सख्त कार्रवाई करेंगे। जहां तक स्वाति मालीवाल जी का सवाल है, उन्होंने देश और समाज के लिए बहुत काम किया है। वो सीनियर और पुराने नेताओं में से एक हैं। हम उनके साथ हैं।

दिल्ली के चाइल्ड...

बेबी केयर सेंटर में भर्ती 12 बच्चों में से एक की मौत आग लगने से पहले ही हो चुकी थी। धुआं भरने के कारण अन्य 11 बच्चों की हालत गंभीर हो गई। दमकल की टीम और स्थानीय लोगों ने लकड़ी की सीढ़ियों पर चढ़कर खिड़की से अन्य 11 बच्चों को बाहर निकाला। तब तक दम घुटने से 6 बच्चों की मौत हो गई। इनके शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए जीटीबी अस्पताल भेजा गया है।

रेस्क्यू किए गए 5 बच्चों को एडवांस एनआईसीयू अस्पताल में शिफ्ट किया गया है। चाइल्ड हॉस्पिटल के दोनों तरफ दो रेसिडेंशियल बिल्डिंग से 11-12 लोगों को बचाया गया। फायर सर्विस ने करीब डेढ़ घंटे मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया।

अनपढ़ आदिवासि के बेटे ने हासिल की अमेरिका में पीएचडी, उच्च वेतन वाली नौकरी

मंचेरियल, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मंचेरियल जिले के नेन्नल मंडल के सुदूर गुडीपेट गांव के एक अनपढ़ आदिवासी किसान और गृहिणी के बड़े बेटे मालोथ तिरुपति संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय से पीएचडी करके क्षेत्र के आदिवासी युवाओं के लिए एक आदर्श बन गए हैं। साथही प्रति वर्ष 1 करोड़ रुपये के वेतन पैकेज वाली नौकरी हासिल करके भी उन्होंने एक नया आदर्श स्थापित किया है।

तिरुपति ने अमेरिका के शीर्ष विश्वविद्यालयों में से एक, जॉन हॉपकिंस विश्वविद्यालय से सिविल इंजीनियरिंग में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। मंगलवार को परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्हें स्नातक का प्रमाण पत्र मिला। उन्होंने अमेरिका की एक अग्रणी रिसर्च फर्म थर्ड वेव्स सिस्टम्स में रिसर्च मैनेजर के रूप में चयनित होकर अपनी उपलब्धि में एक और उपलब्धि जोड़ ली, जिसने स्नातक होने के अगले ही दिन उन्हें 1 करोड़ रुपये का वार्षिक वेतन देने की पेशकश की है।

हम अनपढ़ हैं, लेकिन हमारे बेटे ने कुछ ऐसा हासिल किया जो हमने सपने में भी करने की हिम्मत नहीं की थी। हमें उन पर और उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों पर गर्व है। हमें यह जानकर बहुत खुशी हुई कि उन्हें अमेरिका में उच्च वेतन वाली नौकरी की पेशकश की गई थी। उनकी उपलब्धि हमारे गांव और जिले के युवाओं को प्रेरित करेगी, तीन एकड़ जमीन के मालिक रामचंदर और तिरुपति के माता-पिता शकुंतला ने बताया।

28 वर्षीय तिरुपती ने वारंगल के एक निजी जूनियर कॉलेज में इंटरमीडिएट करने से पहले अपनी स्कूली शिक्षा कुमरम भीम आसिफाबाद जिले के जवाहर नवोदय विद्यालय-कागजनगर में की। इसके बाद उन्होंने आईआईटी-मुंबई से एयरोनॉटिकल साइंस में इंजीनियरिंग की और सऊदी अरब में किंग अब्दुल्ला यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी से एमटेक किया। वह 2017 में उच्च अध्ययन के लिए यूएसए गए और शानदार प्रदर्शन के साथ अपने शैक्षणिक लक्ष्य और नौकरी हासिल की।

वह कुछ समय तक अमेरिका में काम करने के बाद भारत वापस आने की योजना बना रहा है। वह शोध के क्षेत्र में अपना करियर जारी रखना चाहेंगे। वह बचपन से ही मेधावी छात्र रहे हैं। उनकी उपलब्धि से हमारे गांव के निवासियों और समुदाय के सदस्यों में भी खुशी हुई, तिरुपति के भाई दिलीप ने कहा।

होटल में मिले 70,000 रुपये के एक्सपायर हो चुके खाद्य उत्पाद

करीमनगर, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने रविवार को करीमनगर शहर के विभिन्न होटलों में छापेमारी की। सहायक खाद्य नियंत्रक, वारंगल, अमृतश्री के नेतृत्व में टास्कफोर्स टीमों ने होटलों की रसोई और भंडार कक्षों में तलाशी ली।

अमृतश्री ने कहा कि उन्हें श्वेता तीन सितारा होटल में 70,000 रुपये मूल्य के एक्सपायर्ड खाद्य उत्पाद मिले। उन्हें होटल में 20 से 25 प्रकार के पके हुए खाद्य पदार्थ भी मिले। उन्होंने सभी होटलों में छापेमारी करने की जानकारी देते हुए कहा कि गुणवत्ता मानकों का पालन नहीं करने वाले होटलों को नोटिस जारी कर कार्रवाई की जायेगी।

मेदक में 88 प्रतिशत क्षेत्र में धान की खेती

मेदक, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एक रिकॉर्ड के अनुसार, धान की खेती का क्षेत्रफल मेडक जिले में खेती के तहत कुल क्षेत्रफल का लगभग 88 प्रतिशत है। मेडक में कृषि विभाग द्वारा तैयार वनकलम फसल योजना के अनुसार, खेती का कुल क्षेत्रफल 3.73 लाख एकड़ है, जिसमें 3.27 लाख एकड़ में धान की खेती होने की उम्मीद है। बाकी सभी फसलों की खेती 46,000 एकड़ में की जाएगी।

मेडक में दूसरी सबसे अधिक खेती की जाने वाली फसल कपास है। हालाँकि, कपास का क्षेत्रफल केवल 40,619 एकड़ होने की उम्मीद है। जैसा कि आईएमडी इस साल प्रचुर बारिश की भविष्यवाणी कर रहा है, खेती का क्षेत्र पिछले साल के 3.43 लाख एकड़ की तुलना में 3.73 लाख एकड़ तक जाने की उम्मीद है। इस वनकालम में खेती का क्षेत्रफल 30,000 एकड़ बढ़ जाएगा।

जिला कृषि अधिकारी (मेडक) एम गोविंदू ने कहा कि किसानों को 78,500 क्विंटल धान के बीज और 230 क्विंटल कपास के बीज की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा कि किसानों को लगभग 69,000 मीट्रिक टन विभिन्न उर्वरकों की भी आवश्यकता होगी, जिसे किसान चरणबद्ध तरीके से मिट्टी में लगाएंगे। उन्होंने कहा कि बीज और उर्वरकों का स्टॉक स्टॉक बिंदुओं पर पहुंचना शुरू हो गया है, जिसे वे एग्रो रायथू सेवा केंद्रों पर जल्द ही उपलब्ध कराएंगे।

प्रेरणा फाउंडेशन द्वारा अशोक नगर में छांछ वितरण किया गया इस अवसर पर फाऊंडेशन की संस्थापिका पूजा गुप्ता, सत्यनारायण गुप्ता, अक्षत गुप्ता, महेशकुमार अग्रवाल, नेत्रा राज, रेनू अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, सौरब एवं मनीषा ने भाग लिया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

ट्रेविस हेड ने भारत के जले पर छिड़का नमक

फिर दी इतिहास दोहराने की चेतावनी

मुंबई, 26 मई (एजेंसियां)। आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 का आगाज 2 जून से होने वाला है। इसको लेकर भारतीय टीम अमेरिका के लिए रवाना भी हो गई है। टीम इंडिया को विश्व कप का पहला मुकाबला 5 जून को आयरलैंड के खिलाफ खेलना है। टीम इंडिया की कोशिश होगी कि जो चूक आईसीसी वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल में हो गई थी, वह दोबारा नहीं हो। इस बीच ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने टीम इंडिया को कड़ी चेतावनी दे दी है। हेड ने ना सिर्फ वनडे विश्व कप 2023 का फाइनल याद दिला कर भारतीय फैंस के जले पर नमक छिड़का है, बल्कि फिर से ऐसा करने की चेतावनी दे दी है। चलिए आपको बताते हैं ट्रेविस हेड ने विश्व कप से पहले क्या कहा है।

हेड ने टी20 विश्व को लेकर क्या कहा

गौरतलब है कि आईसीसी वनडे विश्व कप 2023 का फाइनल भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला गया था। वनडे विश्व कप के पूरे लीग में भारतीय टीम का दबदबा रहा था। फाइनल मैच से पहले टीम इंडिया एक भी मैच नहीं हारी थी, लेकिन फाइनल में भारत को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। टीम इंडिया की इस हार के लिए सबसे बड़े जिम्मेदार ट्रेविस हेड ही थे, जिन्होंने शतक लगातार ऑस्ट्रेलिया को जीत दिला दी थी। इस मैच में हेड का खौफ देखने को मिल रहा था। अब टी20 विश्व कप से भी पहले हेड ने ऐसा ही करने की चेतावनी दे दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्रेविस हेड ने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच विश्व कप का फाइनल मुकाबला खेला गया था, जिसमें हमारी जीत हुई थी। अब हमारी कोशिश होगी कि हम दोबारा फाइनल में वही काम कर सकें।

आईपीएल में भी दिखा हेड का जलवा

बता दें कि सिर्फ विश्व कप में ही नहीं, बल्कि आईपीएल 2024 में भी ट्रेविस हेड का जलवा देखने को मिला। आईपीएल 2024 में हेड सनराइजर्स हैदराबाद के हिस्सा रहे। इस सीजन खिलाड़ी ने अभी तक कुल 14 मुकाबले खेले हैं, जिनमें 192 की स्ट्राइक रेट से 567 रन बनाए हैं। खास बात है कि इस दौरान उनका एवरेज 43.62 का रहा था। इसके अलावा उनके बल्ले से 4 अर्धशतक और एक शतक भी देखने को मिला। आईपीएल में हेड का रौद्र रूप देखने को मिला था। ऐसे में आईसीसी टी20 विश्व कप से पहले भी अन्य टीमों को हेड का खौफ सता रहा है। इस बीच हेड का यूं खुली चेतावनी देने से भारतीय फैंस भी टेंशन में आ गए हैं।

टीम इंडिया को इस दिग्गज ने दिखाए थे बुरे दिन

अब बनना चाहता है भारत का कोच, क्या बीसीसीआई होगी तैयार?

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)। टीम इंडिया के लिए नए कोच की तलाश जारी है. भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इसके लिए दुनियाभर के पूर्व खिलाड़ियों और अनुभवी कोच के एप्लिकेशन मंगाए हैं, जिसकी आखिरी तारीख 27 मई को है.

अब तक इस पद के लिए एंडी फ्लावर, रिकी पॉन्टिंग, जस्टिन लैंगर, स्टीफन फ्लेमिंग, महेला जयवर्धने, गौतम गंभीर और वीवीएस लक्ष्मण जैसे कई दिग्गजों के नाम सामने आ चुके हैं. इनमें से ज्यादातर ने दिलचस्पी नहीं दिखाई और खुद ही भारत का कोच बनने से मना कर दिया है.

ऐसे में भारतीय क्रिकेट बोर्ड के लिए ये काम अब मुश्किल होता जा रहा है. इस बीच अब एक ऐसे दिग्गज ने कोच बनने की इच्छा जताई है, जिसके कारण भारतीय टीम को कुछ साल पहले करारी हार का सामना करना पड़ा था.

बीसीसीआई के सामने आवेदन देने के लिए अब केवल 2 दिन रह गए हैं लेकिन डेडलाइन से पहले इंग्लैंड के दिग्गज स्पिनर ग्रेम स्वान ने साफ-साफ कहा है कि अगर बीसीसीआई ने उनसे संपर्क किया तो वो तुरंत हां कह देंगे. दिल्ली में एक इवेंट के दौरान इस रोल को लेकर उनसे सवाल किया गया था. इसके जवाब में स्वान ने कहा कि टीम इंडिया में टैलेंट की भरमार है. भारत का स्क्वॉड बहुत मजबूत है, ऐसे में ये दुनिया का सबसे बड़ा कोचिंग जॉब होगा और अगर उनसे संपर्क किया गया तो वो इसके लिए हामी भरने में देरी नहीं लगाएंगे.

स्वान ने भले ही ऑफर दे दिया है लेकिन अहम बात ये है कि उन्हें कोचिंग का जरा भी अनुभव नहीं है. बीसीसीआई ने कोचिंग के लिए कुछ शर्तें रखी है. बोर्ड ने कहा है कि अगर किसी खिलाड़ी का कोचिंग का अनुभव नहीं है तो उसका कम से कम 30 टेस्ट मैच और 50 वनडे मुकाबले खेलना जरूरी है. बीसीसीआई के इस पैमाने पर वो बिलकुल फिट बैठते हैं. स्वान ने एंडी फ्लावर को लेकर भी बात की. उन्होंने कहा अगर एंडी फ्लवार अगर हां कहते तो रोहित शर्म की टीम बहुत लकी होती. इंग्लैंड के सबसे सफल स्पिनर में शामिल स्वान अपने करियर के दौरान फ्लावर की कोचिंग में खेल चुके हैं और उन्हें दुनिया का बेस्ट कोच बताया. स्वान वही खिलाड़ी हैं, जिनकी शानदार गेंदबाजी की बदौलत 2012 में भारत दौरे पर आई इंग्लैंड की टीम ने 28 सालों के बाद टेस्ट मैच हराया था. इस सीरीज में ग्रेम स्वान कुल 20 विकेट लिए थे.

उनकी घातक गेंदबाजी ने भारत को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया था और इंग्लैंड ने 2-1 से सीरीज पर कब्जा जमाया था. अपने होम ग्राउंड पर मजबूत मानी जाने वाली भारतीय टीम को स्वान ने टेस्ट में बुरे दिन दिखा दिए थे. इसके बाद से भारत की टीम अपने घर पर आज तक कोई भी टेस्ट सीरीज नहीं हारी है. ग्रेम स्वान इंग्लैंड के लिए टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले स्पिनर हैं. उन्होंने 60 मुकाबलों में कुल 255 विकेट लिए हैं.

वेस्टइंडीज की 'आधी ताकत' भी बनी साउथ अफ्रीका के लिए आफत

टी20 वर्ल्ड कप 2024 से पहले किया ये बड़ा काम

किंग्सटन, 26 मई (एजेंसियां)। आईसीसी की टी20 रैंकिंग में भले ही वेस्टइंडीज का नाम टॉप 5 टीमों में ना हो. लेकिन, इस फॉर्मेट की वर्ल्ड नंबर 4 टीम साउथ अफ्रीका को हराकर उसने टी20 वर्ल्ड कप 2024 का ट्रेलर दिखा दिया है. अपनी आधी ताकत से उसने जिस तरह से साउथ अफ्रीका को मसला है, उससे ये साफ बता दिया है कि अगर टी20 वर्ल्ड कप में उसे कम आंकोगे तो नपोगे. ठीक वही हाल होगा जो साउथ अफ्रीका का किया गया है. वैसे वेस्टइंडीज को 20 ओवरों वाले क्रिकेट में कम समझने की भूल किसी टीम को करनी भी नहीं चाहिए. खासकर तब जब मुकाबला भी उनके अपने ही घर और कंडीशन में हो रहा हो.

वेस्टइंडीज ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज में टी20 वर्ल्ड कप से पहले बड़ा काम किया है. लेकिन, उसके बारे में

बात करने से पहले आपके लिए ये जानना जरूरी है कि कैरेबियाई टीम की आधी ताकत से मतलब क्या है? तो अब बिना रोवमैन पावेल, निकोलस पूरन और शे होप जैसे खिलाड़ियों के तो वेस्टइंडीज की टीम आधी ताकत वाली ही हुई ना. लेकिन, इन सबके ना होने के बावजूद उन्होंने बताया कि उन्हें घर में हराना आसान नहीं होगा.

वेस्टइंडीज ने साउथ अफ्रीका को पहले टी20 मुकाबले में 28 रन से हराया था. और, अब दूसरा टी20 मैच उसने 16 रन से जीता है. किंग्सटन में खेले दूसरे T20 में वेस्टइंडीज ने पहले खेलते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 207 रन बनाए. जवाब में 209 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीका की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 191 रन ही बना सकी.

इस तरह टी20 वर्ल्ड कप 2024 में उतरने से पहले आईसीसी रैंकिंग में नंबर 4 पर बैठी टीम के खिलाफ 3 टी20 मैचों की सीरीज जीतकर वेस्टइंडीज ने बड़ा काम किया है. वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका के बीच तीसरा और आखिरी टी20 26 मई को है.

इस मुकाबले को भी वेस्टइंडीज ने जीता तो सीरीज में उसका क्लीन स्वीप होगा. वहीं वेस्टइंडीज हार भी गई तो भी सीरीज 2-1 से उसी के नाम रहेगी.

नीरज चोपड़ा ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक में नहीं लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा 28 मई को ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक 2024 में शामिल नहीं होंगे। इसकी पुष्टि करते हुए आयोजकों ने बताया कि चोट की वजह से वह इस टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं बन पाएंगे। हालांकि, वह कार्यक्रम में बतौर अतिथि शामिल होंगे।

हाल ही में चोपड़ा ने दोहा डायमंड लीग और फेडरेशन कप में भाग लिया था।

आयोजकों ने कहा, दो सप्ताह पहले प्रशिक्षण के दौरान लगी चोट के कारण वह ओस्ट्रावा में थ्रो नहीं कर पाएंगे, लेकिन वह कार्यक्रम में अतिथि के रूप में पहुंचेंगे। मौजूदा ओलंपिक और विश्व चैंपियन चोपड़ा ने 10 मई को दोहा डायमंड लीग में 88.36 मीटर के प्रभावशाली थ्रो के साथ रजत पदक जीतकर अपने 2024 सीजन की जोरदार शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने लगभग तीन साल बाद घरेलू प्रतियोगिता में वापसी की और 15 मई को फेडरेशन कप में 82.27 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता।

मुस्तफिजुर रहमान ने टी20 इंटरनेशनल में तोड़ा 12 साल पुराना रिकॉर्ड

ऐसा करने वाले बने पहले बांग्लादेशी

ह्यूस्टन, 26 मई (एजेंसियां)। कहते हैं अंत भला तो सब भला. बांग्लादेश के सबसे अनुभवी खिलाड़ी शाकिब अल हसन भले ही यूएसए जैसी टीमों के खिलाफ मुकाबलों को टी20 वर्ल्ड कप की तैयारियों के लिए सही ना मानें. लेकिन, सच तो ये है कि दोनों देशों के बीच खेली 3 टी20 मैचों की सीरीज 2-1 से यूएसए ने जीती है, ना कि बांग्लादेश ने. बांग्लादेश के लिए इस सीरीज में कुछ अच्छा हुआ है तो वो ये कि उसने खुद को क्लीन स्वीप होने से बचा लिया. इसके अलावा आखिरी मैच में बांग्लादेशी गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान ने भी एक नायाब रिकॉर्ड अपने नाम किया. T20 वर्ल्ड कप 2024 में उतरने से पहले ये सारी चीजें बांग्लादेश के नजरिए से

थोड़ी सुकून देने वाली है.

टी20 सीरीज के आखिरी मैच में बांग्लादेश ने यूएसए को 10 विकेट के बड़े अंतर से हराया. यूएसए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर केवल 104 रन बनाए. जवाब में बांग्लादेश ने 105 रन के लक्ष्य को 50 गेंद पहले यानी 11.4 ओवर में ही बिना कोई विकेट गंवाए हासिल कर लिया. बांग्लादेश की ओर से तानजिद हसन ने नाबाद 58 रन की पारी खेली तो सौम्य सरकार ने भी नाबाद रहते हुए तेज-तर्रार 43 रन बनाए.

मुस्तफिजुर ने यूएसए को अकेले हिला दिया!

यूएसए ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टी20 में 144 रन बनाए थे. वहीं दूसरे टी20 में उसने 154 रन चेज भी किए थे. फिर क्या हुआ कि तीसरे टी20 में गिरते-पड़ते वो 100 रन की दहलीज ही लांघ सकी.

इसकी वजह बने मुस्तफिजुर रहमान, जिन्होंने सीरीज के आखिरी मैच में अपने प्रदर्शन से 12 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा. उन्होंने जो किया वो टी20 क्रिकेट में बांग्लादेश के लिए एक नया रिकॉर्ड है. वो ऐसा करने वाले मुस्तफिजुर पहले बांग्लादेशी भी बन गए हैं.

तीरंदाजी विश्वकप : भारतीय महिला कंपाउंड टीम की स्वर्णिम हैट्रिक, सुरेखा-परनीत-अदिति ने रचा इतिहास

येचीयोन, 26 मई (एजेंसियां)। तीरंदाजी के महिला कंपाउंड वर्ग में ज्योति सुरेखा वेन्नम, परनीत कौर और विश्व चैंपियन अदिति स्वामी ने विश्वकप स्वर्ण पदकों की हैट्रिक लगाई। उन्होंने पिछले महीने शंघाई में विश्वकप के पहले चरण में इटली को हराकर स्वर्ण जीता था। वहीं पिछले साल पेरिस में चौथे चरण में भी स्वर्ण हासिल किया था। दुनिया की नंबर एक भारतीय महिला तिकड़ी ने तुर्किये की हेजल बुरून, एइसे बेरा सुजेर और बेजम की टीम को 232-226 से हराकर एक भी सेट गंवाए बिना पहला स्थान हासिल किया। दूसरी वरीय भारतीय टीम ने तीन एक्स (केंद्र बिंदु के समीप) के साथ शुरुआत की। अगले तीन तीरों में एक-एक अंक गंवाया।

पहले दौर में भारतीय टीम

पांचवीं वरीयता की अपनी प्रतिद्वंद्वी टीम से एक अंक से आगे थी। छह तीरों के अगले दौर में भारतीय तिकड़ी ने पूरा दबदबा बनाते पांच परफेक्ट-10 किए और दूसरे दौर की समाप्ति पर बढ़त चार अंकों की कर ली। अंतिम से पहले दौर में हालांकि तुर्किये ने चार परफेक्ट-10 लगाकर चुनौती देने का प्रयास किया लेकिन अंतिम दौर में भारतीय टीम ने 58 स्कोर अर्जित कर जीत तय कर ली।

मिश्रित टीम स्पर्धा में भारत की चांदी

एशियाई खेलों की चैंपियन ज्योति हालांकि दूसरा स्वर्ण नहीं जीत सकी और उन्हें मिश्रित टीम स्पर्धा में प्रियांश के साथ रजत पदक मिला।

ज्योति-प्रियांश की कंपाउंड मिश्रित टीम फाइनल में अमेरिका की ओलिविया डीन और सायेर सुलिवान की जोड़ी से 155-153 से हार गई। यह मुकाबला दो श्रेष्ठ रैंकिंग की टीमों के बीच था। पहले दौर में भारतीय टीम 40 में से 39 अंक लेकर आगे थी लेकिन अगले दौर में ओलिविया और सुलिवान ने स्कोर 76-76 कर दिया। दूसरी वरीयता की अमेरिकी टीम ने फिर तीसरे दौर में 40 का परफेक्ट स्कोर किया जबकि भारतीय टीम 39 ही हासिल कर सकी। शूट ऑफ के लिए भारतीय टीम को अब 40 के स्कोर की जरूरत थी लेकिन टीम 38 ही कर पाई।

अमेरिका ने 39 के स्कोर के साथ स्वर्ण जीत लिया। कंपाउंड में तीसरे पदक रह गया जब प्रथमेश फुगे नीदरलैंड के माइक स्केलोसर से कांस्य पदक के शूट ऑफ में हार गए। इससे पहले फुगे को सेमीफाइनल में अमेरिका के जेम्स से हार मिली थी।

एफआईएच प्रो लीग: भारत की पुरुष हॉकी टीम को शूटआउट में बेल्जियम से 1-3 से शिकस्त; लगातार दूसरी हार से मायूसी

लंदन, 26 मई (एजेंसियां)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम को एफआईएच प्रो लीग में 2-2 की बराबरी के बाद शूटआउट में बेल्जियम से 1-3 से हार मिली। अराईजीत सिंह ने 11वें मिनट में बढ़त दिला दी पर फेलिक्स ने 30वें मिनट में स्कोर 1-1 कर दिया। फ्लोरेंट (50वें मिनट) ने बेल्जियम को बढ़त दिलाई पर सुखजीत (57वें मिनट) में स्कोर 2-2 कर दिया। शूटआउट में सुखजीत ही भारत के लिए गोल कर सके जबकि विवेक सागर, अभिषेक और अराईजीत चूक गए। इस बीच महिला टीम को प्रो लीग के बेल्जियम से 1-2 से हार मिली। बेल्जियम के खिलाफ यह टीम की लगातार दूसरी हार है।

दुनिया में छठे नंबर पर मौजूद भारत एक अंक लेने के चक्कर में शूटआउट में 1-3 से हार गया। तीसरे नंबर पर काबिज बेल्जियम ने दो अंक हासिल किए, जिसमें शूटआउट जीतने का बोनस अंक भी शामिल है। अराईजीत सिंह हुंदल ने 11वें मिनट में बेहतरीन फील्ड गोल करके भारत को बढ़त दिलाई, लेकिन फेलिक्स डेनेयर (30वें मिनट) ने हाफ टाइम से कुछ सेकंड पहले पेनल्टी कॉर्नर पर बराबरी हासिल कर ली। फ्लोरेंट वान औबेल ने 50वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके बेल्जियम को पहली बार मैच में आगे पहुंचाया, लेकिन सुखजीत सिंह (57वें) ने निर्धारित समय खत्म होने से तीन मिनट पहले स्कोर बराबर कर दिया। शूटआउट में भारत के लिए केवल सुखजीत सिंह ने गोल किया, जबकि विवेक सागर प्रसाद, अभिषेक और अरजीत सिंह हुंदल चूक गए। बेल्जियम के लिए विलियम घिसलेन, फ्लोरेंट वान ऑबेल और गौथियर बोकार्ड ने लक्ष्य हासिल किया जबकि आर्थर डी स्लोओवर चूक गए।

भारत शुक्रवार को अपने पहले मैच में बेल्जियम से 1-4 से हार गया था। इससे पहले हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने बुधवार को शूटआउट में अर्जेंटीना को 5-4 से हराया था। यह बेल्जियम की आक्रामक गोलकीपिंग ही थी जिसने उन्हें रोमांचक मुकाबले में पहुंचाया लेकिन भारत अपनी पिछली हार का बदला नहीं ले सका।

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने जीता एफए कप

गत विजेता मैनचेस्टर सिटी को 2-1 से दी शिकस्त

लंदन, मैनचेस्टर यूनाइटेड ने गत विजेता मैनचेस्टर सिटी को 2-1 से शिकस्त देते हुए एफए कप फुटबाल का खिताब अपने नाम कर लिया। इसके साथ ही यूनाइटेड ने अगले सत्र के लिए यूरोपा लीग के लिए भी क्वालिफाई कर लिया। फाइनल पिछले साल की पुनरावृत्ति थी जिसे सिटी ने 2-1 से जीता था। यूनाइटेड के लिए एजेजांद्रो (30वां मिनट) और कॉबी मेनू (39वां मिनट) ने गोल किए। सिटी के लिए गोल जेरेमी ने 87वें मिनट में किया। यूनाइटेड का यह 13वां एफए कप है। रिकॉर्ड आर्सेनल (14 एफए कप) के नाम है।

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप: मिरन ने जीता स्वर्ण, भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन, कुल 17 पदक जीते

कोबे, 26 मई (एजेंसियां)। दिल्ली की सिमरन शर्मा ने महिलाओं की 200 मीटर टी12 स्पर्धा में 24.95 सेकंड का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय निकालकर भारत को विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में अंतिम दिन छठा स्वर्ण पदक दिलाया जिससे देश ने 17 पदक से तालिका में छठा स्थान हासिल किया।

सिमरन का इससे पहले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 25.16 सेकंड था। डोमिनिका की डारलेनिस डि ला सेवेरिनो को रजत और लोरेन गोम्स डि एगुइयार को कांस्य पदक मिला। टी12 वर्ग में दृष्टिबाधित खिलाड़ी भाग लेते हैं। भारत के छह स्वर्ण, पांच रजत और छह कांस्य समेत 17 पदक रहे। यह भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले पेरिस में 2023 में भारत ने तीन स्वर्ण, चार रजत और तीन कांस्य से 10 पदक जीते थे।

चीन 87 पदक (33 स्वर्ण, 30 रजत, 24 कांस्य) से तालिका में शीर्ष पर रहा। ब्राजील (19 स्वर्ण, 12 रजत, 11 कांस्य) के साथ दूसरे, उज्बेकिस्तान (सात स्वर्ण, चार रजत, दो कांस्य) के साथ तीसरे, ब्रिटेन (सात स्वर्ण, दो रजत, तीन कांस्य) के साथ चौथे और अमेरिका (छह स्वर्ण, 13 रजत, पांच कांस्य) के साथ पांचवें स्थान पर रहा।

भारत के लिए दीप्ति जीवानजी (महिला 400 टी20), सचिन खिलाड़ी (पुरुष शॉट पुट एफ46), सुमित अंतिल (पुरुष भाला फेंक एफ64), थांगवेलु मरियप्पन (पुरुष ऊंची कूद टी63) और एकता भयन (महिला

क्लब थ्रो एफ51) स्वर्ण पदक जीतने वाले पांच स्वर्ण पदक विजेता रहे।

दो भारतीयों ने कांस्य पदक जीते। प्रीति पाल ने महिला 100 मीटर टी35 वर्ग (समन्वय संबंधित विकृति) में कांस्य पदक जीता जो उनका चैम्पियनशिप में दूसरा पदक है। उन्होंने 19 मई को इसी स्पर्धा के 200 मीटर में कांस्य पदक जीता था।

नवदीप सिंह ने पुरुष भाला फेंक एफ41 वर्ग (छोटे कद) में सत्र के सर्वश्रेष्ठ 42.82 मीटर के प्रयास से भारत को एक और कांस्य पदक दिलाया। इससे पहले भारत को पुरूषों की एफ46 भालाफेंक स्पर्धा में दूसरे स्थान पर रहे श्रीलंका के दिनेश प्रियंथा हेराथ के खिलाफ शिकायत सही साबित होने पर रजत और कांस्य पदक दिया गया है। पुरुषों के एफ46 भालाफेंक में भारत के रिंकू हुड्डा और अजीत सिंह तीसरे और चौथे स्थान पर रहे थे लेकिन भारत ने विरोध दर्ज किया था कि हेराथ इस वर्ग में भागीदारी के योग्य नहीं हैं। पैरा खेलों में समान शारीरिक अक्षमता वाले खिलाड़ियों को एक समूह में रखा जाता है ताकि प्रतिस्पर्धा बराबरी की हो।

एफ46 वर्ग भुजा में कमी , कमजोर मांसपेशियों वाले या बाहों में गति की निष्क्रिय सीमा वाले एथलीटों के लिए है, जिसमें एथलीट खड़े होकर प्रतिस्पर्धा करते हैं। भारतीय पैरालम्पिक समिति के एक अधिकारी ने कहा- हेराथ एफ46 श्रेणी का था ही नहीं। भारत के पक्ष में फैसला आने के बाद हेराथ को अयोग्य करार दिया गया। रिंकू को रजत और अजीत को कांस्य पदक दिया गया।

मुख्य कोच सत्यनारायण ने कहा- हमने श्रीलंकाई खिलाड़ी के खिलाफ विरोध दर्ज कराया था जो तोक्यो पैरालम्पिक में भी स्वर्ण जीत चुका है। वह इस वर्ग में भाग्य लेने की योग्यता नहीं रखता। अब रिंकू को रजत और अजीत को कांस्य पदक दिया गया है।

मुक्केबाज अभिमन्यु लौरा ने क्रिस्टियन निकोलोव को हराया, अगले दौर में बनाई जगह

पेरिस, 26 मई (एजेंसियां)। भारतीय मुक्केबाजों का विश्व ओलंपिक क्वालीफायर में शानदार प्रदर्शन जारी रहा और राष्ट्रीय चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता अभिमन्यु लौरा ने शानदार जज्बा दिखाते हुए पेरिस ओलंपिक के लिए मुक्केबाजी विश्व क्वालीफायर के 80 किग्रा वर्ग के पहले दौर में बुल्गारिया के क्रिस्टियन निकोलोव पर जीत दर्ज कर अगले दौर में प्रवेश कर लिया।

अभिमन्यु ने धीमी शुरुआत की जिससे बुल्गारिया के 10 बार के राष्ट्रीय चैंपियन निकोलोव ने पहले राउंड में दबदबा बना लिया। हालांकि 21 साल के भारतीय मुक्केबाज ने तेजी से रणनीति बदली और दूसरे राउंड में आक्रामक हो गए जिससे पांच में से

चार जजों ने उनके हक में अंक दिए। इस भारतीय ने तीसरे और अंतिम राउंड में तेजी से मुक्के जड़ना जारी रखते हुए 3-0 से मुकाबला जीत लिया। इससे थाईलैंड की राजधानी में भारतीय दल के दो मुकाबलों में यह दूसरी जीत रही। शुक्रवार को सचिन सिवाच ने 57 किग्रा वर्ग में न्यूजीलैंड के एलेक्स मुकाका को हराकर जीत से खाता खोला था।

भारत ने दूसरे विश्व क्वालीफायर में सात पुरुष और तीन महिला मुक्केबाज उतारे हैं। अभिनाश जामवाल (63.5 किग्रा) और निशांत देव (71 किग्रा) रविवार को अपने-अपने वर्गों में चुनौती पेश करेंगे। जामवाल का सामना लिथुआनिया के आंद्रिजुस लावरेनोवास से होगा, जबकि निशांत शुरुआती बाउट में आमंडो बिगाफा के खिलाफ चुनौती पेश करेंगे। निकहत जरीन (50 किग्रा), प्रीति (54 किग्रा) और लवलीना बोरगोहाई (75 किग्रा) ने एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन के दम पर पहले ही पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया है। पेरिस ओलंपिक का आयोजन इस साल जुलाई-अगस्त में होना है।

सेल फोन चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

दो करोड़ की कीमत के 713 स्मार्ट फोन बरामद * एक सूडानी नागरिक समेत 31आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर टास्क फोर्स, हैदराबाद की साउथ, ईस्ट और साउथ-ईस्ट जोन की टीमों ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर एक अंतरराष्ट्रीय स्मार्ट फोन तस्करी और सेल फोन चोरी गिरोह का भंडाफोड़ किया है और (1) सूडानी नागरिक सहित (31) आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से %13 स्मार्ट फोन, एक बजाज पैसेंजर ऑटो, दो कंप्यूटर, एक लैपटॉप बरामद हुआ है। बरामद संपत्ति का मूल्य दो करोड़ रुपए से अधिक बताया जा रहा है। हाल के दिनों में, हैदराबाद शहर में मोबाइल फोन छीनने की घटनाओं में वृद्धि देखी गई है, जिसके दौरान डकैती, जबरन वसूली और यहां तक कि एक हत्या भी हुई है। इसकी जांच करते समय, यह पता चला कि शहर में सेल फोन चोरी करने वाले अपराधियों से जुड़ा एक बड़ा आपराधिक नेटवर्क काम कर रहा है, इन चोरी किए गए सेल फोन के रिसीवर (राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों) जो इन सेल फोन को अवैध रूप से देश से बाहर ले जाकर अवैध मुनाफे के लिए बेचने का धंधा करते हैं। इसके अलावा, कई चोरी किए गए सेल फोन को खास बाजारों में नष्ट किया जा रहा है, उनके आईएमईआई नंबर बदले जा रहे हैं और परिणामी घटकों जैसे मोबाइल स्क्रीन, कैमरा, स्पीकर को बाद में ग्राहकों से प्राप्त मौजूदा क्षतिग्रस्त मोबाइलों के प्रतिस्थापन भागों के रूप में मूल कंपनी दरों की तुलना में बहुत कम कीमत पर इस्तेमाल किया जा रहा है। कुछ हफ़्ते पहले, टास्क फोर्स द्वारा चोरी किए गए सेल फोन रैकेट के एक ऐसे ही बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ किया गया था और कई लोगों को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस उपायुक्त, आयुक्त टास्क फोर्स, हैदराबाद सुश्री एस रश्मि पेरुमल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में 15 लोग सेल फोन चोरी के अपराधी हैं, बसों/बस स्टेशनों, शराब की दुकानों और सार्वजनिक बैठकों जैसे भीड़भाड़ वाले इलाकों में सेल फोन की चोरी/जबरन छीना-झपटी कर रहे हैं। सभी आरोपी (एक सूडान नागरिक को छोड़कर) हैदराबाद के मूल निवासी हैं और आम दोस्त हैं। एक शानदार जीवन जीने की इच्छा के साथ और अपनी कमाई को अपर्याप्त पाकर, उन्होंने सामूहिक रूप से सेल फोन की चोरी/छीनने की योजना बनाई और इन चोरी किए गए सेल फोन को रिसीवर्स को बेचकर अवैध रूप से पैसा कमाने की योजना बनाई। इन रिसीवर्स के चुनिंदा स्थानों (जगदीश मार्केट, अबिड्स) पर मोबाइल तकनीशियनों के साथ संपर्क हैं, जिन्हें अपने अपराधों को छिपाने के लिए अनधिकृत एप्लिकेशन का उपयोग करके सेल फोन को अनलॉक करने और आईएमईआई नंबरों के साथ छेड़छाड़ करने में विशेषज्ञता है। यह भी पता चला है कि सेल फोन रिसीवर्स ने स्नैचरों को बड़ी मात्रा में सेल फोन लाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए अग्रिम भुगतान की पेशकश की है। इसके बाद, इन सेल फोन को सूडानी नागरिक मोहम्मद मूसा हसन गमरालानबिया (निवासी नानलनगर, हैदराबाद) को बेचा जा रहा था, जो अवैध रूप से समुद्री मार्ग से इनका निर्यात कर रहा है। इन आरोपियों की गिरफ्तारी से सेल फोन चोरी के 25 मामलों का खुलासा हुआ है। गिरफ्तार आरोपियों में से कई के खिलाफ विभिन्न थानों में मामलें दर्ज है। उन्होंने बताया कि पूरी जांच के बाद, हैदराबाद पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और उनके पास से विभिन्न मोबाइल फोन ब्रांड जैसे कि एप्पल आईफोन, सैमसंग, वीवो, रेडमी, रियलमी, वनप्लस, ओप्पो और पोको के (713) स्मार्ट फोन जब्त किए हैं। मामले में आगे की जांच जारी है।

हैदराबाद शहर के नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे भीड़-भाड़ वाली जगहों पर जाते समय सतर्क रहें और किसी भी तरह की छीना-झपटी/चोरी की घटना की सूचना जल्द से जल्द पुलिस को दें। इसके अलावा, शहर के मोबाइल शॉप मालिकों को चोरी के सेल फोन खरीदने/बेचने या आईईएमआई नंबरों से छेड़छाड़ जैसी अवैध गतिविधियों में शामिल होने से बचने की चेतावनी दी जाती है क्योंकि उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।ए. श्रीनिवास राव, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त की देखरेख में इंस्पेक्टर शेख जाकिर हुसैन, (दक्षिण टास्क फोर्स), इंस्पेक्टर डी. वेंकट रेड्डी, (दक्षिण-पूर्व टास्क फोर्स), इंस्पेक्टर ए. नागार्जुन, (पूर्व टास्क फोर्स) और टीम ने गिरफ्तारियां की।

सेल फोन चोरी के कारोबार में 18 से 48 साल के आरोपी शामिल

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सेल फोन चोरी करने और बेचने के कारोबार में 18 वर्ष से लेकर 48 वर्ष के आरोपी शामिल हैं।

1. मोहम्मद अमजद, उम्र 35 वर्ष, कार्य: समारोह हॉल में सजावट का काम, निवासी फलकनुमा, हैदराबाद (सेल फोन अपराधी) 2. सैयद ग़याज हाशमी उर्फ ग़याज, उम्र 35 वर्ष, कार्य: ऑटो चालक, निवासी शाहीन नगर, हैदराबाद (सेल फोन अपराधी) 3. शेख अंसार, उम्र 27 वर्ष, कार्य: वेल्डिंग का काम, निवासी शाहीन नगर, हैदराबाद्। (सेल फोन अपराधी) 4. मोहम्मद मुजफ्फर उर्फ मामला, उम्र: 35 वर्ष, कार्य: तैराकी कोच, निवासी संतोष नगर, हैदराबाद्। (सेल फोन अपराधी) 5. मोहम्मद्। खालिद उर्फ मल्ला डॉन, उम्र: 25 साल, व्यवसाय: रसोइया, निवासी हफीज बाबा नगर, हैदराबाद (सेल फोन अपराधी) 6. मोहम्मद दस्तगीर, उम्र: 28 साल, व्यवसाय: ऑटो चालक, निवासी हफीज बाबा नगर, हैदराबाद (सेल फोन अपराधी) 7. मोहम्मद हामिद, उम्र: 18 साल, व्यवसाय: टाइल्स का काम, निवासी हफीज बाबा नगर, हैदराबाद (सेल फोन अपराधी) 8. मोहम्मद महमूद अली, उम्र: 30 साल, व्यवसाय: पेंटर, निवासी हफीज बाबा नगर, हैदराबाद (सेल फोन अपराधी) 9. सोहेल खान, उम्र: 22 साल, व्यवसाय: निजी कर्मचारी, निवासी हफीज बाबा नगर, हैदराबाद (सेल फोन अपराधी) 10. मोहम्मद खान, उम्र: 24 साल, व्यवसाय: वेल्डिंग का काम, निवासी हफीज बाबा नगर, हैदराबाद्। (सेल फोन अपराधी) 11. शेख मुनव्वर, उम्र: 22 साल, व्यवसाय: टाइल्स का काम, निवासी बालापुर्। (सेल फोन अपराधी) 12. सैयद साजिद @ चपल साजिद, उम्र: 44 साल, व्यवसाय: ऑटो चालक, निवासी शाहीन नगर, आरआर जिला (सेल फोन अपराधी) 13. सैयद शरीफ @ कट शरीफ, उम्र 48 साल, व्यवसाय: ऑटो चालक, निवासी शास्त्रीपुरम, हैदराबाद (सेल फोन अपराधी) 14. मोहम्मद मुश्ताक उर्फ सलमान, उम्र 42 साल, व्यवसाय: सब्जी विक्रेता, निवासी चदरघाट, हैदराबाद (सेल फोन अपराधी) 15. सैयद सलाहुद्दीन उर्फ अम्मू, उम्र: 36 साल, व्यवसाय: ऑटो चालक, निवासी जलपल्ली, आरआर जिला (अपराधी)

चोरी के मोबाइल फोन खरीदने वाले आरोपी

1. शेख शाहबाज खान उर्फ शाहबाज उम्र 26 वर्ष, व्यवसाय: मोबाइल व्यवसाय, पता: आसिफ नगर, हैदराबाद्। (सेल फोन रिसीवर) 2. मोहम्मद आसिफ अहमद उर्फ आसिफ उम्र 28 वर्ष, व्यवसाय: मोबाइल व्यवसाय, पता: फलकनुमा, हैदराबाद्। (सेल फोन रिसीवर) 3. मोहम्मद गौस, उम्र 28 वर्ष, व्यवसाय: मोबाइल व्यवसाय, पता: फलकनुमा, हैदराबाद्। (सेल फोन रिसीवर) 4. मोहम्मद अरशद मोहिउद्दीन उम्र: 45 वर्ष व्यवसाय: मोबाइल व्यवसाय, पता: रीन बाजार, हैदराबाद्। (सेल फोन रिसीवर) 5. मोहम्मद नवीद उद्दीन सलीम उर्फ अब्दुल नवीद उम्र: 42 वर्ष व्यवसाय: मोबाइल व्यवसाय, पता: संतोष नगर, हैदराबाद। (सेल फोन रिसीवर) 6. मोहम्मद नजीरुद्दीन, उम्र 50 वर्ष, व्यवसाय: सेल फोन व्यवसाय, निवासी गोलकोंडा, हैदराबाद (सेल फोन रिसीवर) 7. महावीर जैन उम्र 44 वर्ष, व्यवसाय: मोबाइल व्यवसाय, निवासी गांधी नगर, हैदराबाद (सेल फोन रिसीवर) 8. मोहम्मद अब्दुल सिराज, उम्र: 36 वर्ष, व्यवसाय: मोबाइल व्यवसाय, निवासी चंचलगुडा, हैदराबाद (सेल फोन रिसीवर) 9. मजीद खान उम्र: 30 वर्ष, व्यवसाय: मोबाइल मरम्मत का काम, निवासी चदरघाट, हैदराबाद (सेल फोन रिसीवर) 10. अब्दुल हज़ीम, उम्र: 34 वर्ष, व्यवसाय: मोबाइल फोन व्यवसाय, पता: यूनिक हाई स्कूल के पास, एडी बाज़ार, हैदराबाद (सेल फोन रिसीवर) 11. शेख जावेद अली, उम्र: 30 वर्ष, व्यवसाय: मोबाइल तकनीशियन, पता: चंचलगुडा, हैदराबाद (सेल फोन रिसीवर) मोबाइल तकनीशियन की सूची जिन्होंने चोरी किए गए लॉक किए गए मोबाइल को अनलॉक किया और आईएमईआई नंबरों से छेड़छाड़ की। 12. सैयद रहीम उम्र. 28 वर्ष, व्यवसाय: होटल व्यवसाय, पता: संतोष नगर, हैदराबाद। (मोबाइल तकनीशियन) 13. मोहम्मद अरबाज़ खान उर्फ अरबाज़, उम्र 25 वर्ष, व्यवसाय: मोबाइल एक्सेसरीज़ व्यवसाय, पता: फलकनुमा, हैदराबाद्। (मोबाइल तकनीशियन) 14. निजामुद्दीन, सेज: 29 वर्ष, व्यवसाय: मोबाइल फोन अनलॉकिंग, निवासी ओल्ड मल्लेपल्ली, हैदराबाद (मोबाइल तकनीशियन) 15. खान सादिक अहमद, उम्र: 33 वर्ष, व्यवसाय: मोबाइल फोन अनलॉकिंग कार्य, निवासी संतोष नगर, हैदराबाद (मोबाइल तकनीशियन) मोहम्मद मूसा हसन गमरालानबिया उम्र: 26 वर्ष, व्यवसाय: फोन एक्सेसरीज व्यवसाय, सी/ओ भीस्मिल्लाह रेजीडेंसी, नानल नगर, हैदराबाद एन/ओ गबर, खार्तोम, सूडान (रिसीवर)

तेलंगाना में एमएलसी उपचुनाव आज, तैयारी पूरी

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को वारंगल-खम्मम-नलगोंडा स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से तेलंगाना विधान परिषद के लिए उपचुनाव के लिए मंच तैयार है। वारंगल, खम्मम और नलगोंडा के अविभाजित जिलों में 34 विधानसभा क्षेत्रों में फैले इस निर्वाचन क्षेत्र में कुल 4.63 लाख स्नातक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने के पात्र हैं। भारत निर्वाचन आयोग ने मतदान को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए व्यापक प्रबंध किए हैं। नवंबर 2023 में होने वाले विधानसभा चुनावों में जनगांव निर्वाचन क्षेत्र से विधानसभा के लिए चुने जाने के बाद बीआरएस के पल्ला राजेश्वर रेड्डी के इस्तीफा देने के बाद यह सीट रिक्त हुई है। हालांकि, मैदान में 52 उम्मीदवार हैं, लेकिन मुख्य मुकाबला कांग्रेस, बीआरएस और भाजपा के उम्मीदवारों के बीच है।

लोकसभा चुनाव के ठीक बाद होने वाले इस उपचुनाव में मुख्य दलों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है। सत्तारूढ़ कांग्रेस के लिए यह प्रतिष्ठा की लड़ाई है क्योंकि वह यह दिखाने के लिए हरसंभव कोशिश कर रही है कि उसे स्नातकों का समर्थन हासिल है। विधानसभा चुनाव में पार्टी ने बेरोजगार युवाओं को नौकरी देने का वादा किया था और पार्टी ने मतदाताओं को यह भरोसा दिलाने की कोशिश की कि वह 2024 के अंत तक दो लाख रिक्त पदों को भरने के लिए प्रतिबद्ध है।

सत्तारूढ़ कांग्रेस, जिसके पास स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के 34 विधायकों में से 33 हैं, बीआरएस से सीट छीनने को लेकर आश्वस्त है। इसने चिंतापंडु नवीन उर्फ टीनमार मल्लन्ना को मैदान में उतारा है, जो दो साल पहले एमएलसी सीट के लिए हुए चुनाव में निर्दलीय के तौर पर चुनाव लड़े थे और दूसरे स्थान पर रहे थे। उनका मुकाबला बीआरएस के राकेश रेड्डी और भाजपा के जी परमेंद्र रेड्डी से है। प्रेमेंद्र रेड्डी ने 2021 के चुनाव में भाजपा उम्मीदवार के तौर पर चौथा स्थान हासिल किया था।

आरएस प्रवीण मानसिक संतुलन खो बैठे हैं: मल्लू रवि

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेता आरएस प्रवीण कुमार के बयान की निंदा करते हुए, जिन्होंने मांग की है कि कोल्लापुर और अचंपेट विधानसभा क्षेत्रों को तेलंगाना राज्य के सबसे संवेदनशील क्षेत्रों के रूप में घोषित किया जाना चाहिए, तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मल्लू रवि ने कहा कि बीआरएस नेता अपना मानसिक संतुलन खो बैठे हैं और वास्तविक स्थिति को जाने बिना बात कर रहे हैं। रविवार को गांधी भवन में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस नेता ने कहा कि बीआरएस नेता श्रीधर रेड्डी की हत्या के पीछे कौन है, इसका पता लगाने के लिए जांच चल रही है, लेकिन आरएस प्रवीण कुमार मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव और राज्य सरकार पर बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं। कांग्रेस पार्टी की ओर से नागरकर्नूल से लोकसभा सदस्य के रूप में चुनाव लड़ चुके मल्लू रवि ने याद दिलाया कि जब आरएस प्रवीण कुमार अनंतपुर जिले के पुलिस अधीक्षक थे, तब टीडीपी नेता परिताला रवि की हत्या हुई थी, लेकिन तब सरकार ने उनसे पूछताछ नहीं की और उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। कांग्रेस नेता ने आरएस प्रवीण कुमार के उस बयान पर भी सवाल उठाया, जिसमें उन्होंने चेतावनी दी थी कि वह कोल्लापुर में कांग्रेस नेताओं के घरों को बुलडोजर से ध्वस्त कर देंगे। मल्लू रवि ने कहा, जब प्रवीण कुमार करीमनगर जिले के एसपी थे, तब उन्होंने कई निर्दोष दलित और कमजोर वर्ग के बच्चों की मुठभेड़ में हत्या के लिए अप्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार ठहराया था। प्रवीण कुमार को कमजोर और पिछड़े वर्ग के लोगों के बारे में बोलने का कोई अधिकार नहीं है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि आरएस प्रवीण कुमार ने दलितों के हितों को बीआरएस अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव के पास गिरवी रख दिया है और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के खिलाफ सरासर झूठ बोल रहे हैं।

बालकृष्ण ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मुलाकात की

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अभिनेता-राजनेता एन. बालकृष्ण ने रविवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से मुलाकात की। ऐसा माना जा रहा है कि बलैया ने मुख्यमंत्री के साथ विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। यह बैठक इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह आंध्र प्रदेश विधानसभा और लोकसभा चुनावों की मतगणना से कुछ दिन पहले हो रही है। अभिनेता-राजनेता पवन कल्याण की जन सेना पार्टी और भाजपा के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ने वाली टीडीपी को वाईएसआर कांग्रेस पार्टी से सत्ता छीनने का भरोसा है। रेवंत रेड्डी ने पिछले सप्ताह कहा था कि वह अंतर-राज्यीय मुद्दों को सौहार्दपूर्ण तरीके से सुलझाने के लिए आंध्र प्रदेश की नई सरकार के साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं। टीडीपी संस्थापक और पूर्व मुख्यमंत्री एनटी रामा राव के बेटे बलैया लगातार तीसरी बार हिंदूपुर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं। अभिनेता टीडीपी सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायुडू के साले और नायुडू के इकलौते बेटे और टीडीपी महासचिव नारा लोकेश के ससुर भी हैं।

युवक ने चाकू लेकर हनुमान रैली में डाली बाधा

करीमनगर, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर कस्बे में शनिवार रात हनुमान भक्तों के जुलूस में एक युवक द्वारा उत्पात मचाने पर तनाव उत्पन्न हो गया। हनुमान भक्तों ने रात में कस्बे में रैली निकाली। रैली जब जिला मुख्यालय अस्पताल के पास मंचेरियल चौक पर पहुंची तो एक युवक रैली में घुस आया और हाथ में चाकू लेकर नाचने लगा। युवक की पहचान जयदेव सिंह के रूप में हुई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को हिरासत में ले लिया। जब पुलिस युवक को थाने ले जाने के लिए वाहन में बैठाने की कोशिश कर रही थी तो श्रद्धालुओं ने उन्हें रोक दिया। पुलिस और श्रद्धालुओं के बीच बहस हुई। हनुमान भक्तों ने आरोप लगाया कि पुलिस रैली में हंगामा करने वाले युवक को बचाने की कोशिश कर रही थी। जब पुलिस युवक को थाने ले जा रही थी तो श्रद्धालुओं ने पुलिस वाहन की खिड़कियों के शीशे क्षतिग्रस्त कर दिए और मंचेरियल चौक पर सड़क पर बैठकर प्रदर्शन किया। पुलिस ने प्रदर्शनकारी लोगों को शांत किया और कुछ अन्य लोगों पर लाठीचार्ज किया। इसकी जानकारी होने पर भाजपा नेता और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में थाने पर एकत्र हुए और पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए हनुमान भक्तों की रिहाई की मांग करते हुए नारेबाजी की। पुलिस अधिकारियों ने भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया और हल्का बल प्रयोग कर उग्र भाजपा कार्यकर्ताओं को शांत कर स्थिति को नियंत्रण में किया। कुछ भाजपा कार्यकर्ताओं और श्रद्धालुओं को पीटीसी सेंटर में स्थानांतरित किया गया। वाहन को नुकसान पहुंचाने और उनके कर्तव्यों में बाधा डालने के आरोप में पुलिस ने कुछ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव बंडी संजय कुमार ने एक बयान में पुलिस पर श्रद्धालुओं को उकसाकर उन पर लाठीचार्ज करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि समस्या का समाधान करने वाले पुलिस अधिकारियों ने ही समस्या खड़ी की है। संजय कुमार ने डीजीपी से बात कर हनुमान भक्तों के साथ दुर्व्यवहार करने वाली पुलिस के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

हैदराबाद में मौसम में नाटकीय बदलाव, दोपहर के बाद आंधी-तूफान

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भीषण गर्मी के बाद रविवार को हैदराबाद में मौसम में नाटकीय बदलाव देखने को मिला। तेज हवाएं और गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश हुई। मौसम में कभी धूप तो कभी बादल छाए रहे और फिर अचानक धूप निकल गई। इस दौरान अफरा-तफरी का माहौल रहा। लगभग 30 मिनट में निवासियों ने शहर के कई इलाकों में तेज़ हवाओं और भारी बारिश का अनुभव किया। दिलसुखनगर, उप्पल, एलबी नगर, वनस्थलीपुरम, ओयू, सिकंदराबाद, हिमायत नगर, सरूरनगर, अंबरपेट और अन्य इलाकों में तेज रफ़्तार से चलने वाले लेकिन तेज आंधी के साथ तेज बारिश देखी गई।

सोशल मीडिया पर आंधी के चलते दरवाज़े उड़ाए जाने और झोपड़ियों को नष्ट किए जाने के वीडियो वायरल हुए। रविवार को हैदराबाद के ज़्यादातर इलाकों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से लेकर 42 डिग्री सेल्सियस तक रहा, जिसमें उप्पल में सबसे ज़्यादा 42.7 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। तेलंगाना में भी भीषण गर्मी देखी गई, जहां कई जिलों में तापमान 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। करीमनगर में सबसे ज़्यादा तापमान 47 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, इसके बाद जगतियाल में 46.5 डिग्री सेल्सियस, पेड्डापल्ली में 46.4 डिग्री सेल्सियस, कुमारम भीम आसिफाबाद में 45.9 डिग्री सेल्सियस, मंचेरियल में 45.8 डिग्री सेल्सियस, आदिलाबाद में 45.7 डिग्री सेल्सियस और निर्मल में 45 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

सोमवार के लिए पूर्वानुमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहने और हवा के समान पैटर्न की भविष्यवाणी की गई है, लेकिन मौसम पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा। भारतीय मौसम विभाग-हैदराबाद ने आगे घोषणा की है कि अगले पांच दिनों तक तेलंगाना में शुष्क मौसम रहने की उम्मीद है। अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की उम्मीद है।

बारिश से सात लोगों की मौत

चक्रवात रेमल के प्रभाव से तेलंगाना में जनजीवन प्रभावित

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। चक्रवात रेमल के प्रभाव से तेलंगाना के कुछ हिस्सों में तेज़ हवाओं के साथ भारी बारिश से सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ। जहां शामीरपेट के पास एक पेड़ गिरने से दो पीछे बैठे लोगों की जान चली गई, वहीं रविवार को नगरकुर्नूल में एक निर्माणाधीन दीवार गिरने से चार दिहाड़ी मजदूरों की मौत हो गई। नगरकुर्नूल के तेलकापल्ली में भी आकाशीय बिजली गिरने से 12 वर्षीय बालक लक्ष्मण की मौत हो गई।

मौसम रिपोर्ट के मुताबिक, दो व्यक्ति नागीरेड्डी रामरेड्डी और धर्मा रेड्डी, जो बारिश और हवाओं के कारण कीसरा से शामीरपेट की ओर मोटरसाइकिल पर सवार थे, शमीरपेट के पास एक गिरते पेड़ के नीचे आ गए। नागीरेड्डी रामरेड्डी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि धमरिड्डी की अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। नगरकुर्नूल में एक अन्य घटना में, चार निर्माण श्रमिकों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए, जब तांडुर मंडल के इंद्रगल गांव में वे जिस पोल्ट्री फार्म का निर्माण कर रहे थे, उसकी दीवार भारी बारिश के कारण उन पर गिर गई।

गडवाल में आईज़ा रोड पर पेड़ गिर गए जिससे नियमित यातायात बाधित हो गया। पूर्ववर्ती महबूबनगर जिले के केटी डोड्डी, धारूर और गडवाल में भारी वर्षा की सूचना है।

60 आउटसोर्स टैक्स संग्रहकर्ताओं की जाएगी नौकरी

वारंगल, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के सभी नगर आयुक्तों को संपत्ति कर के संग्रह से आउटसोर्स कर्मियों को हटाने के नगरपालिका प्रशासन के निर्देश के बाद ग्रेटर वारंगल नगर निगम (जीडब्ल्यूएमसी) में लगभग 60 आउटसोर्स कर संग्रहकर्ताओं की नौकरी जाने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार, जीडब्ल्यूएमसी के काजीपेट और काशीबुग्गा सर्कल में करीब 37 सरकारी और 60 आउटसोर्स टैक्स कलेक्टर काम कर रहे हैं और उनमें से कुछ हनमकोंडा और वारंगल इलाकों में 11 ई-सेवा केंद्रों में काम कर रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि बिल कलेक्टरों के अलावा कर विभाग में अनुबंध के आधार पर काम कर रहे छह कंप्यूटर ऑपरेटरों पर भी गाज गिरने की संभावना है।

पता चला है कि जीडब्ल्यूएमसी अधिकारी कर संग्रह की जिम्मेदारी नव नियुक्त 38 ग्राम राजस्व अधिकारी (वीआरओ), ग्राम राजस्व सहायक (वीआरए) और वार्ड अधिकारियों को सौंपने की योजना बना रहे हैं।

नगर प्रशासन निदेशक (डीएमए) डी दिव्या ने हाल ही में आदेश जारी कर राज्य के नगर आयुक्तों को संपत्ति कर के संग्रह से आउटसोर्स कर्मियों को हटाने का निर्देश दिया है। ऐसा कर संग्रह में अनियमितताओं और अस्थायी गबन तथा नगर निगम के खातों में राशि जमा न करने के बाद किया गया है।

बीआरएस तेलंगाना की छवि खराब करने की कोशिश कर रहे हैं : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू ने बीआरएस नेताओं पर राज्य सरकार को रचनात्मक सुझाव देने के बजाय झूठ फैलाने का आरोप लगाया है। रविवार को गांधी भवन में मीडिया से बात करते हुए मंत्री ने कहा कि दिसंबर 2023 में सत्ता में आने वाली कांग्रेस सरकार ने कई बार बीआरएस नेताओं से तेलंगाना राज्य के विकास के लिए सलाह और सुझाव देने का अनुरोध किया था, लेकिन उन्होंने अनुरोधों को नजरअंदाज कर दिया और इसके अलावा, तेलंगाना राज्य की छवि खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार उद्योगों के लिए अनुकूल माहौल प्रदान कर रही है और तेलंगाना राज्य में निवेश लाने के लिए सभी उपाय कर रही है। श्रीधर बाबू ने कहा, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव, जिन्होंने पिछली सरकार के दौरान उद्योग मंत्री के रूप में काम किया है, झूठ फैला रहे हैं कि उद्योग तेलंगाना से बाहर जा रहे हैं और राज्य की छवि को अंधेरे में दिखाने की कोशिश कर रहे हैं।

कीचड़ में फंसी लॉरी से यातायात प्रभावित

कुमराम भीम आसिफाबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को सिरपुर (टी) मंडल के वेंकटरावपेट गांव में एक लॉरी के कीचड़ भरी सड़क पर फंस जाने से सिरपुर (टी)-महाराष्ट्र रोड पर यातायात ठप हो गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि माल ले जा रहा ट्रक गांव के पास कीचड़ में फंस गया, जिससे यातायात प्रभावित हुआ और इस मार्ग पर वाहन चालकों को असुविधा हुई। यह मार्ग भारी वाहनों के लिए आंशिक रूप से बंद कर दिया गया था, क्योंकि वर्धा नदी पर बना पुल जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है। हालांकि, कुछ वाहन अभी भी यात्रा शुल्क कम करने के लिए इस मार्ग का उपयोग करते हैं।

लॉज में मिली शिक्षक की लाश

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के मियापुर स्थित एक लॉज में रविवार को एक शिक्षक मृत पाया गया। पुलिस के अनुसार, वाईएसआर कडप्पा जिले का निवासी जय प्रकाश तुले (30) दो दिन पहले अपने पैतृक स्थान से कुकटपल्ली में अपनी बहन से मिलने आया था। शनिवार दोपहर को वह अपनी बहन के घर से निकला और मियापुर स्थित लॉज में रहने लगा। मियापुर इंस्पेक्टर वी दुर्गा राम लिंग प्रसाद ने बताया कि रविवार दोपहर को वह लॉज में मृत पाया गया। हमें संदेह है कि उसने कोई जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली होगी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए गांधी अस्पताल के शवगृह में रखवाया। मामला दर्ज कर लिया गया है।

कीसरा में पेड़ गिरने से 2 लोगों की मौत

हैदराबाद, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बाहरी इलाके कीसरा में रविवार को एक पेड़ गिरने से 2 लोगों की मौत हो गई। नागिरेड्डी राम रेड्डी, अपने दोस्त धर्म रेड्डी के साथ थिम्माईपल्ली से शमीरपेट बाइक पर जा रहे थे। कीसरा के सब इंस्पेक्टर यू मधु ने बताया कि जब वे वेणुगोपाल स्वामी रोड पर पहुंचे तो तेज आंधी के कारण एक बड़ा पेड़ उखड़कर उनके ऊपर गिर गया। दोनों पेड़ के नीचे दब गए और घायल हो गए। राम रेड्डी की मौके पर ही मौत हो गई। घायल धर्म रेड्डी को इलाज के लिए ईसीआईएल के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां बाद में उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और पीड़ितों के परिजनों को मौत की सूचना दे दी है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए गांधी अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया।

आकाशगंगा अंजना देवी बालंजनेया स्वामी मंदिर में हनुमान जयंती

तिरुमाला, 26 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) 1 से 5 जून तक भक्ति और आध्यात्मिक कार्यक्रमों की एक श्रृंखला के साथ अंजनाद्रि आकाश गंगा मंदिर और जपाली तीर्थम में भव्य तरीके से हनुमान जयंती मनाने की तैयारी कर रहा है। इसके हिस्से के रूप में, टीटीडी द्वारा इन पांच दिनों में आकाश गंगा में श्री बालंजनेया स्वामी और श्री अंजना देवी का विशेष अभिषेक करने और जपाली तीर्थम में हनुमान चालीसा का सामूहिक जाप करने की योजना बनाई गई है। अंजनाद्रि आकाश गंगा में श्री अंजनादेवी-श्री बालंजनेया स्वामी मंदिर में इन पांच दिनों में सुबह 8.30 बजे से 10 बजे तक अभिषेक होगा। पहले दिन (1 जून) को चमेली (मल्लेलु) के फूलों से, 2 जून को सुपारी (तमलापकुलु) के पत्तों से, 8 जून को लाल नेरियम (गनेरु) और क्रॉसेंड्रा (कनकंबरम) के फूलों से, चौथे दिन गुलदाउदी (चमंती) से और अंतिम दिन सिंधुराम (बिक्सा ओरेलाना) से देवताओं का भव्य अभिषेक होगा। अभिषेक करते समय, वैदिक पंडितों द्वारा श्री अंजनेया का सहस्र नामर्चना का जाप किया जाएगा। सुबह 10 बजे आकाश गंगा में अवतारघटा प्रवचन होगा। प्रतिदिन दोपहर 2 से 3 बजे के बीच दास साहित्य परियोजना द्वारा हनुमान चालीसा का सामूहिक जाप किया जाएगा। इसके अलावा, 1 जून को हरिकथा पारायणम होगा और 1 जून को अन्नामाचार्य परियोजना द्वारा अन्नामाचार्य संकीर्तन, 3 जून को पुरंधरा दास संकीर्तन, 4 जून को हिंदू धर्म प्रचार परिषद द्वारा भजन और 5 जून को अन्नामाचार्य परियोजना के कलाकारों द्वारा हरिकथा का गायन किया जाएगा। प्रतिदिन शाम 4 से 5 बजे के बीच एसवी कॉलेज ऑफ म्यूजिक एंड डांस के छात्रों द्वारा नृत्य कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।क्षउपरोक्त कार्यक्रमों के अलावा, नाडा नीराजनम मंच पर प्रतिदिन दोपहर 3 से 4 बजे के बीच श्री हनुमद जननम और श्री हनुमान से संबंधित अन्य रोचक विषयों पर प्रख्यात वैदिक विद्वानों द्वारा प्रवचन किया जाएगा।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.